लोकनाथसंग्रह

——※——

पण्डितलोकनाथद्विवेदिकृत

जिसमें

छन्दछबीसी, नाथपदमंजरी, गणेशाष्टक, अम्बिकाष्टक, भवानीपंचरत्न, गंगाष्टक, अन्नपूर्णाष्टक, संकटाष्टक, श्यामविनयाष्टक, विश्वनाथाष्टक, शिवाष्टक, कबीरशाहीपद, काशीपंचरत्न, रामजन्माष्टक, रघुनाथाष्टक, हनुमन्ताष्टक, कृष्णजन्माष्टक, राधिकाष्टक, यमुनाष्टक, बल्देवाष्टक, कृष्णाष्टक, श्यामाष्टक, मोहनाष्टक, गोपिकाष्टक, गोपीविरहाष्टक, गोपीकरुणाष्टक, गोपीविलापाष्टक, गोपीप्रलापाष्टक, विरहपंचरत्न, मल्लाराष्टक, झूलाष्टक, जनकपुराष्टक, रामव्याहगारी, केशवाष्टक, माधवाष्टक, रासपंचरत्न, सांझीपंचरत्न, निर्गुणाष्टक, फागुनवर्णन, गोचारनपंचरत्न, कज्जलिकाष्टक, धनुर्भंगमोहराष्टक, रासपंचरत्न, वहारपंचरत्न, आरतीपंचरत्नादि पुस्तकें अन्तर्गतहैं ॥

प्रथमवार

——※——

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपी

दिसम्बर सन १८८९ ई० ॥

विज्ञापन ॥

प्रकटहो कि यह पुस्तक नाथसंग्रह नामक जिसके कि वर्त्तमान समयके कवियोंमें श्रेष्ठ श्रीपण्डित लोकनाथ काशी निवासीने निर्मितकिया है इसपुस्तकमें छन्दछत्तीसी, नायकमंजरी, गणेशाष्टक, चण्डिकाष्टक, भवानीपंचरत्न, गंगाष्टक, अन्नपूर्णाष्टक, संकटाष्टक, अम्बाविनयाष्टक, विश्वनाथाष्टक, शिवाष्टक, कवीरशाहपद, काशीपंचरत्न, रामजन्माष्टक, रघुनाथाष्टक, हनुमन्ताष्टक, कृष्णजन्माष्टक, राधिकाष्टक, यमुनाष्टक, बल्देवाष्टक, कृष्णाष्टक, श्यामाष्टक, मोहनाष्टक, गोपिकाष्टक, गोपीविरहाष्टक, गोपिकरुणाष्टक, गोपीविलापाष्टक, गोपीप्रलापाष्टक, विरहपंचरत्न, मल्लाराष्टक, झूलाष्टक, जनकपुराष्टक, रामव्याहगारी, केशवाष्टक, माधवाष्टक, छद्मपंचरत्न, लांझीपंचरत्न, निर्गुणाष्टक, फागुनवर्णन, गोचारनपंचरत्न, कज्जलिकाष्टक, धनुर्यज्ञसोहराष्टक, रासपंचरत्न, वहारपंचरत्न और आरती पंचरत्नादि पुस्तकें अन्तर्गतहैं और लवकवित्त सवैया व खम्माच होरी ठुमरी दादरा रेखतादि रागोंमें कथितहैं बहुधाऐसीसंग्रहकी पुस्तक और प्रत्येक देवताओंके पदोंसे युक्त अबतक कम देखनेमें आई है इसके पदोंकी छटा व प्रशंसा हम विज्ञापनमें इसलिये नहीं लिखते कि (प्रत्यक्षस्यप्रमाणंकिम्) अर्थात् जो वस्तु दृष्टिगोचर है उसकी प्रमाणक्यों देवैं पुस्तकके अवलोकन करतेही करते मनोहरता विदित होजायगी–इस विचारांशसे ऐसी उत्तमोत्तम पुस्तक मुद्रितकरनेके योग्यसमझकर श्रीमान् मुंशी नवलकिशोर यन्त्रालयाधीशने स्वयन्त्रालयमें मुद्रितकरवाई–आशाहै कि जो पुरुष इसको अवलोकन करेंगे वह बड़ी प्रसन्नतासे ग्राह कहो और यन्त्रालयाधीश व ग्रन्थकर्त्ताको धन्यवाददेंगे–

मैनेजर मतवा मुंशी नवलकिशोर

अवधसमाचारसंपादक

लखनऊ

अथ नाथकृत छद्मकलीलारम्भः ॥

दोहा ॥

प्रथमहिंअलिसखतिमि प्यारेप्यारीमाहिं । नाथ
साथनिरखभकर यहित्राहिप्रभुपाहि १ ॥पंडितकास्वाँग॥
कवित्त ॥ कान्हासोतीधोतीडार धौलीसीकिनारदार उप
वस्त्रधार उपवीतपहिनाऊंगी । दिव्यहाराहियसार चन्द
नचरचिचारु पोथीकांखमेंसँवार नाथढिगल्याऊंगी ॥
शिष्यकरिबालनके प्रथितप्रबालनके लालनकेकरमें
सुमिरनीसजाऊंगी । आंजुराधेहाथमाहिं लठियाअँगू
ठियाहू साजललिपंडिसेपंडितबनाऊंगी १ ॥ वैदिककी
स्वाँग ॥ अलककेजूराजोरिघोरिरागखौरखौर सुरभीके
पुच्छकरसुच्छहूलगाऊंगी । फाटिकसुकमलाच्छओटेरु
द्राच्छमाल स्वच्छ २ अम्बरसुघरपहिराऊंगी ॥ मंजु
मंजुमुंजउपवीतपुंजकंजमाल मृगछालसुविशालदंडहू
धराऊंगी । नाथनिजहाथतोहि साजिपुस्तकादिकहू चा
रोदिकविदितसुवैदिकबनाऊंगी । २ ॥ दर्जिनकास्वाँग ॥

चादरचँदेरीसारचूंदरीघनेरीधार गहनेजुदेरीराजिफेरी सीफिराऊंगी। सुन्दरसयानीकीसीराचिहमियानेखीसी अजबफबीसीचीजसीवेकीभराऊंगी ॥ अँगियासुइकै सुईडोरह्वैअँगूठीह्वै सुघरकतरनीसुतेजहिधराऊंगी। देकैगजलाजसाथनाथअलगर्जिनिसी दर्जिनिबनायतो हिसीनेसेलगाऊंगी ३ ॥ छीपिनकास्वांग ॥ छीटैछोरदार कोरदारसुंदरसुधारअतिहीअँजोरदारचादरउढ़ाऊंगी। चोलीअनमोलीडारमोलीसूरतसँवार गहनेघनेसेहम जोलीसीसजाऊंगी॥ छड़दारछीरदारआबदारधाबदार कलितकिनारदारगाँठगठिआऊंगी। नाथमनमोहिजो हिकैहेयहीसाधमोहि विपिनविहारीतोहिछीपिनबनाऊं गी ४ ॥ पटहारीस्वाँग ॥ थाननलघनेरेकेरेघाँघराघुमेरेतेरे श्यामकेफेरेफिरकीसुकैंचीयाँचूंगी। अँगियानौरँगियासी चादरसुरँगियासी कँधियालगायजूराजुरिकेसमाचूंगी॥ तनहैनयेसेघनगनउनयेसेनाथ भूषणजड़िततेतड़ितहूं कोटाचूंगी। विपिनबिहारीजूतिहारीबलिहारीआजुका न्हपटहारीतोहिपटहारीराचूँगी ५॥ गावनहारीकास्वांग॥ साजिएकलाइएकलाइपरगोटेदार हीराकेकतारमनौनी लमसेखाचूँगी। रतनकलारीवारीभारीकामवारीसारीजे वरजड़ाऊसाजभूषणसमांचूँगी॥ सुन्दरनगीनादारबी नालैप्रबीनाकीसी निपटनवीनागतिरागअतिजाचूँगी। मैयानंदरैयानाथ भैयाहूबलैयालैहैं आजब्रजरैयाकोग वैयानारिराचूँगी ६ ॥ बिसातिनिस्वांग ॥ सारीजरतारी ओढ़नीघनीकनीकीबनी चोलनाचुहचुहीसीचुरियांच

ढ़ाऊँगी। सकलसुहागवारी चीजन्यारिकेपिटारी बेंदीबि
न्दीपोतप्यारीगुड़ियासजाऊँगी॥ कंघीआलीप्यालीभे
ली दर्पनीसुमंजनहूंसुरमन्नहूंतेसुरमनहूंभुलाऊँगी। हो
रीमेंबिसातिनसंघातिनसीनाथतोहि आजुतोदिहातिन
बिसातिनबनाऊँगी ७॥ चुरिहारीस्वांग॥ बोरदारघाघरा
पैकोरदारचादरहूं सुन्दरऔजोरदारगहनेपिन्हाऊँगी।
जरदजँगालीकाली दूबियागुलालीलाली चूरीभंरपूरी
डालीबगललगाऊँगी॥ चटकीलीचुहादंतीगजदंतीशं
खचूड़ जयतूनीदूनीदिव्यछन्दबन्दलाऊँगी। नाथबन
वारीतोहिहोरीतिवहारीकाज आजमनहारीमनहारीसी
बनाऊँगी ८॥ पनिहारीस्वांग॥ सारीदिव्यधारीजामेंकारी
धारीसीकिनारी चोलीदामभारीकीसँवारीसीसजाऊँगी॥
तनतनरतनजड़ितआभरननसाजि बेंदीबिन्दीसीसपुरीई
डुरीधराऊँगी। गागरपैगागरधरायपुनितापरतेंलघुगा
गरीहूंनाथनागरीघुमाऊँगी॥ मोहैंगीकिशोरीगोरीतो
रीछबिभोरीदेखियातेपनहारीपनहारीसीबनाऊँगी ९॥
बैदिनका स्वांग॥ चोलीनिजझोलीदैहौंगोलीपातीकीपि
सैहौं पोलीभल्लीबेलीलैहौंताहीमेंभराऊँगी। दामनकी
भारीश्वेतसारीजोपुरुबवारी चादराकिनारीदारधारीदार
लाऊँगी॥ आननकेबाहरसुघरदुइदंतलैहौं सुरसीके
पुच्छस्वच्छबारसेलगाऊँगी। लकुटीलगायपायकम्मर
झुकायभाय नाथतोहिदिनीसीसुबैदिनीबनाऊँगी १०॥
सुनारिन स्वांग॥ परमपियारीयारीकरिबेकेलायकसीआं
खेंअनियारीयाकीबांकीसीबनाऊँगी। घनेघूँघरूघेरेसे

घेरघांघरघुमेसेघरघरघेरिघेरिघतलेघुमाऊँगी ॥ सोरहो सिंगारधारबारहोविभूषनहूँ प्रेमकेपियूषनसेवचनतुला ऊँगी । वंगलपिटारीलायगहनेसबैभरायनाथहिसुनारी सीसुनारीनिरमाऊँगी ११ ॥ कुंजरिनस्वांग ॥ चन्द्रद साकेनाकेगोदनाकेफलाकेरे चित्ररचनाकेरभवनाकोदि खाऊँगी । सिर्चनूनरंगदारचादरसुघरधारचूनदारघेर दारघाँघराघिराऊँगी ॥ फवतरकारीवारीसारीतरकारी सरडारीपरडारीधरफलहूँभराऊँगी । कोकिलसीकूँजरी सुभँवसीसीगूँजरी तूगूँजरीसीनाथतोहिकूँजरीबनाऊँगी १२ ॥ मालिनकास्वांग ॥ घेरदारघाँघरासुरंगदारचूरीचा रुगरमेहुमेरडारओढ़नीओढ़ाऊँगी । मोरनीसुवेसरकी चोलीरँगकेसरकी सखियासुरेसरकीसरसीकराऊँगी ॥ चलैहौंमरालीचालदेहफूलडालीडाल मंजुलमंजीरपुं जगुंजसेसुनाऊँगी । नाथसाथआलिनिईचाली सीनिकी लीआजतोहिबनमालीमालीनारिसीबनाऊँगी १३ ॥ पहलवानकास्वांग॥अजबनिकासीहाँसीखासीबुधिरासीहो यआसीकहातोहिगोरीहोरीबेषलाईहौं॥ नयोसोनगोटता सैओटछोटकपराको चोपजुतटोपओपभ्रजरजलाईहौं ॥ जुलफकेजूराजुरेसीनासेपसीनाढुरेबिथुरेअलकमुखमुरे पेचलाईहौं । नाथललकारेतोपछारैबीचमयदान आज तोपहलवानकान्हकोबनाईहौं १४ ॥ नायनकास्वांग ॥ अ भरनमनकेभरनसुवरनधारि बसनलसनसुरनारिसीस जायहौं । हरीहाम्रियानीधानीरंगतामेंरंगरंग एकसंगना थनकीचीजहिभरायहौं ॥ सुघरनहरनीकेनैनमनहरनी

केसीकेसाङ्ग ओलीगोलीप्यारीहूधरायहौं। भूलाका सलाङ्ग साजसुरसालुगंधआज नाथतोहिचायलैनाथ नदूनायहौं॥१५॥ मालिनीकोस्वांग॥ पलककुकायके अलकछलकायदोऊ तिलकसिटायकायझलकझलाऊँ गी। करपैकपोलगोलकरिकेअडोलकैसे अरविन्दपैज्यों अरविन्दलपटाऊंगी॥ दीननकेवसनविदीरनसेजीरन सेचहुंओरीहोरी चीजलोरीबिखराऊंगी। कुंजपुंजयामि नीसीआजद्युतिदामिनीसी नाथतोहिमालिनीसीकामि नीवनाऊंगी १६॥ दुलहीकोस्वांग॥ अलककीपाटीपारि माँगसेंदुरसँवारि तनतननिजआभरनपहिनाऊंगी। क ञ्जलकलितदगललितकरनिपर मेहँदीमहावरसुघर रङ्गलाऊंगी॥ चूंदरचटकचारुचादरचोलीचुरीहू चं-द्रभातेचण्डिकातेचौगुनीचुनाऊंगी। नाथसाथऐसी डारजोरीकरौंहोरीकाज आजब्रजदूलहकोदूलहीबना ऊंगी॥१७॥ रानीकोस्वांग॥ मुकुटलकुटवाकेशिरकरधर याके फूलछड़ीविकटीसीमुकुटीलगाऊँगी। वाकोखौरश्री रसंजुपुंजगुंजमालडाल याकेचन्द्रहारफूलहारपहिनाऊँ गी॥ वाकेजरतारीसारीओढ़नीघनीकलीकी याकेपटपी तकाछनीतनीसजाऊँगी। नाथमहराजजूकोमानीमहा रानीसाज ब्रजरानीजूकोब्रजराजसीबनाऊँगी १८॥ राजाकोस्वांग॥ विसदविचित्रचित्रकेसेकरिपद्मपत्र तासु शिरछत्रचौरधूआकोढुराऊँगी। स्फटिकशिलाशकलफू लदलपातनके सिंहासनआसनपैराजपहिनाऊँगी॥ आयुधविविधविधकेलाखभपातनके फूलनकेगूंथिरभू

अथ स्फुट कवित्त ॥

समस्या—बाँकेनयन राधिकाके हैं ॥

प्रेमकेपताकेकामदेवताकेसमताके छविकेपताकेदेन हाराहिततताकेहैं । सांचेसुखमाकेसुखमाकेजाकेजोहेहोत मादकताकेहैंप्यालेआलेरसताकेहैं ॥ पूतरीप्रबीना केसैंकोचहैनगीनाकेसे ताकेनाथजड़ितसुडोलडिबिया केहैं । जसुकरताकेसालसकरताकेबान बड़ेहीकजाकेबांकेनयनराधिकाकेहैं १ ॥ अन्यच ॥ मीननिजजड़ताकेहीनताकेदीनताके ताकेहेतुभये लरियाकेदरियाके हैं । खंजनबिछिलताकेमारेफिरैमारेमारे तीतलीभली सीलहीनहींथिरताकेहैं ॥ जलमँवराकेमँवँराके जल बूड़ीबुधि बिधिदवराकेमरिरहेकँवँराकेहैं । पच्छीपच्छताकेअच्छताकेगुणखोयबैठे ऐसेयेचलाकेबांकेनैनराधिकाकेहैं २ ॥ श्रीचरण वर्णन ॥ मूलसुखमाकेसुखमाकेजाकेसेयेहीतप्रचुरप्रभाकेपुंजमंजुलुकताकेहैं । कैधौंकल्पलताकेलताडिबेकेकाजछाज येछबिचैतन्यताकेवोतोजड़ताकेहैं ॥ कीरतिपताकेप्रीतिपताकेप्रकाशताके हेतु निरबानताकेरिधिसिधिताकेहैं । शशिताकेसबिताकेछबिताकेहेतुमान ऐसेपदमानवृषभानकेसुताके हैं ३ ॥ अन्यच ॥ एकहीछमाकेमैंछमाकेमैंछमाकेमन मोहिलेत प्रीतिलतिकाकेरूपयूपहिततताकेहैं । हरिकेमथाकेटेके

छेकेसाननवलाके वलाकेछलाकेसेरेनूपुरवलाके हैं॥ उमाकेरमाकेशारदाके कामदायिताकेसारीसुरतियाकेन-पदउपमाकेहैं । धिकहैअधिकताकेजाकेयाकेप्रेमनाहिं नाथनेहसाधिकाकेपदराधिकाकेहैं ४॥ समस्या॥ शशिमुखमसिलाईहै॥ राधामुखसाधाकरैं विधिविधुतेहीरोजआधाछैतिहाईछैअखीरपैचौथाईहै। बाधाहोतमूलहूमेंमावसकेआवतही निरबाधाहोयनागँवाई चतुराईहै॥ याहीतेमयंकवंकपूरनहूमेंकलंक वारबारतोरैफोरैजोरैआजमाईहै। तातेंनाथकमंडलीविहंडलीरली फबिछेंकीछबिकैधौंशशिमुखमसिलाईहै ५॥ समस्या॥ यातेचंदरोजरोजघटतबढ़तहै॥आठौंअच्छहीजमायविधिबहुलच्छलायपच्छभरि पच्छकरिचंदाहिगढ़तहै। राधाजूकेमुखकेबराबरसुसाधाकरै सँवारैबिगारैयुक्तिजियतेकढ़तहै॥ नाथब्रह्ममायाराधासुखभांतिनिरसाथा ब्रह्मातासुछायाब्यथाचन्द्रहिमढ़तहै। खोजखोजहारेहैंसरोजसुतकारीगरीयाते चंदरोजरोजघटतबढ़तहै ६॥ समस्या॥ राधेआजमानकोदिवानकरबैठीहै॥ सघननिकुंजपुंजाकिलाकोटओटदारलामेंपुष्पतोपगोपकन्याकसनैठीहै। झिल्लीभृंगदादुरबहादुरसेशूरवीर बलाकापताकाद्युतिदामिनीकीऐंठीहै॥ चकवाचकोरमोरघोरदलपैदलसे गरजिनगारेभारेचहूंओरपैठीहै। नाथचलिदेखियेअबाधेकैसेमौनसाधे राधेआजमानकोदिवानकरबैठीहै ७॥ समस्या पुरानी॥ एतीब्रजबालामृगछालाकहांपावेंगी॥कबरीकेजटाजूटसबरीरचैंहैंभला कचचमरी

कैसेलीनबेलीरचावैंगी । चन्दनकेकुण्डलसुगण्डलहिं
छारधारतूमाकेकमण्डल अखंडलसिआवैंगी । लहँगा
सारीकिनारीवारीगूदरीसँवारी धारीवारीकुरतीकीअल
फीसिलावैंगी ॥ बिनायोगीनाथसाथकहौकिमियोगिनि
कै एतीब्रजबालामृगछालाकहांपावैंगी ८ ॥

इति स्फुट कवित्त समस्या समाप्तः ॥

अथनाथपद्मंजरी ॥

श्रीगणेशाष्टक ॥

रागविभास ॥ सुमुखएकदंतकपिलगजकर्णकलम्बो दर विकटविघ्ननाशविनायकविशेपभजिये । धूम्रकेतु गणाऽध्यक्षभालचन्द्रगजआननद्वादशये नामजामआ ठो नितजापिये १ संकटसंग्रामग्राम बादपरिकहूंकु ठाम एतेअभिरामनामकहे कामलहिये । विद्याधन धाननामदेतहैंनिकामहूको नामएकहूजोगणनाथजूको कहिये २।१॥ दण्डक ॥ जयतिगणराजमहराजमंगलक रण । भूरिभाभानुतनुकोटिसुकृशानुजनुबाहुआजानुप रमानुमदनिस्सरण॥लसितकेशावलीमनहुमधुपावली दिव्यकुसुमावलीगंधआयेहरण । ग्रथितसितलसितग जराजमुक्तावलीमनहुसुबकावलीलालघनविभ्रमण२१ चारुभुजचारवरअभय आयुधविविधशूलअंकुशनिरं कुशसुवीराचरण । अर्द्धशिरचन्दआनन्दसुखकन्दतर हरतदुखद्वन्दनिर्द्वन्दभवभयहरण॥परमअनुरक्तिअति भक्तियुतशक्तिसबऋद्धिसिद्ध्यादिविद्यादि सेवितचर ण ।दोषदूषकसकलविमलआसनकमलयानमूषकप्रब लनाथअशरणशरण२।२॥झंझौटी लम्बोदरसुन्दरबरबु द्धिकेविधाता॥महादेवदेवाधिपदेवीपितुमाता १ मद्दकर

लैगंधनिकरमधुकरमननाता।फेरतउतशुंडतुंडलीन्हेज लजाता २ उनमीलितनैनचैनऐनरंगराता । कोटिभानु भाँतिजानुउदितमुदितगाता३ पीतवसनउच्छासनतेजे फहराता।लखिछबिगणनाथप्रीतिसाथगाथगाता४।३॥ भैरव ॥ जयगनपतिजयजयगनपतिजयजयगनपतिसु खदाई । होतप्रभातगातपुलकितचितभजतदुरितदुरि जाई १ एकबारवारनमुखबोलतवारनविघनकराई। स मीदूर्वतेहूवलहतजनइच्छुकपित्थचढ़ाई २ इन्दुबिन्दु सिरइन्दुरबाहनललसिसिंदूरसुहाई। अलिसुडौलगजलो लकेऊपरधौलतिलकछबिछाई ३ जिमिउदयाचलपैम णिनिर्मलस्वेतप्रभाचमकाई । कैधौंदिवसनाथमंडलमें शशिश्रृंगुंकुजपहुनाई४।४॥ गौरी॥ श्रीगनपतिमहराज विघनहर। धुरधानीसिंधुरकीकीन्हींदेवनकेहितकाज ॥ रिधिसिधिबुधिनिधिबहुविधिसेवतचौरढुरलछबिछाज । नाथसाथनिजसाँझसमैजिमिचापसुरेशबिराज ।५॥ खम्भावतैलंगविलावली ॥ लम्बोदरसुंदरदाता । देवाधि देवदेवाधिराज ॥ एकदन्तद्युतितेजवन्तनाहिंआदिअंत महिमाअनन्त । सेवतसुरसन्तनकेसमाज १ शिरअर्द्ध चन्दआनन्दकन्ददुखद्वन्दनसतबिघननकेफन्द।करिदैं सुछन्दनिजजनकेकाज २ किंयेबक्रतुंडदियेशिरत्रिपुंड मानोभोरघोरतारनकेझुण्ड । निशिनाथविन्दमानहुबि राज ३ भुजचारुचारिआयुधसवाँरिदहिनेकरवरनिज दन्तधारी। अतिसदयवराभयमुदकछाज ४।६ झंझोटी॥ गनपतिविपतिविदारनवारे । पूजितसकलसुरासुरपति

तेंदीनहीनप्रतिपालनहारे १ कोटिकभानुकृशानुजानुद्यु
तितुंदिलचारुचारिभुजभारे। पुस्तकमोदकसुधरअभ
यवरराजतपीतवसनचटकारे २ मोतियनझुण्डशुंडपर
शोभितज्योंबकपंगतिसांझसिधारे। खुलतखौरअतिगौ
रचँदनके मनहुंउदितभयेभानुसकारे ३ सिंहासनक
मलासनशोभितभालचन्दआनन्दसुखारे। नाथहाथजो
रेवरमांगतहोहुँअम्बकरतुगससप्यारे ४। ७ गनपतिआ
पतिकबहरिहौहो। सुनियतनियतनामहीमेंअसंबिनस
तविपतलोकबकरिहौहो १ कांपतिआपतिनामसुनतहीव
हफलभलकबअनुसरिहौहो २ थूलशरीरफूलमोदकते
नितनितकितआलसभरिहौहो ३ नाथहाथधरिलेहुकेहु
विधिकबदुखदुलहदीहदरिहौहो ४। ८॥

इतिश्रीगणेशाष्टकनाथपदमंजरीसम्पूर्णम्

अथ श्रीअम्बिकाष्टक ॥

भैरव ॥

त्वमेवशरणंत्वमेवशरणंत्वमेवशरणंकालिके । भवभ
यहरणंभवभयहरणंभवभयहरणंपालिके १ शङ्करभामि
निश्रन्तर्य्यामिनिहिमगिरिसुन्दरिबालिके । शवशिवबा
हिनिसुरावगाहिनिदुरितविदाहकशालिके २ भूषणगण
सर्बाङ्गविलसितेउरशिरचितशिरमालिके । करकलिता
सिवराभयमुंडेच्युतचिकुरेशशिमालिके ३ नृत्यसिग्र
थिपितृबनमालीभिर्गीयमानगुणमालिके। नाथदीनदा
सोपरिसुन्दरिकुरुसदनुग्रहमालिके ४ । १ ॥ दंडक बि
लावल ॥ जयतिजगदम्बिकादुरितदुखदालिका । जय
तिगिरिपतिसुतासर्बगुणसंयुताजय तिकौमारित्रिपुरारि
प्रियश्रालिका १ मोहमदगंजिनीभूरिभयभंजिनीभ
क्तमधुकंजिनीप्रेमप्रणपालिका । जयतिजगबन्दिनी
हरिहरानन्दिनी परमनिर्द्वन्दिनीश्रम्बश्रम्बालिका २
कैटभद्राविणीमहिषसंहारिणी हारिणीधूम्रनयनस्यमद
दालिका । चण्डमुण्डादिशुम्भादिदलदालिनी रक्तबी
जस्यनिर्बीजकुलघालिका ३ असुरनिर्मूलिनीसुरस्वनु
कूलिनी शैलश्रृकशूलिनीबिजितबिकरालिका । जयति
रिपुशासिनीबिन्ध्यगिरिबासिनी नाथसुखरासिनीजय

महाकालिका ४ । २ जयतिजगदम्बअवलम्बहितकारिणी।जयमहाचारिणी विघ्नपरिहारिणीपरमसर्वोपकारिणि स्वजनतारिणी १ जयतिहेरम्बप्रियअम्बअम्बुजमुखी कुसुमसुकदम्बकर्णाभरणधारिणी । जयतिबपुबालिका तरुणछविजालिका वृद्धतनपालिकावेषपरिचारिणी २ जयतिनृकपालिनी विदितबनमालिनी कलितकंकालिनी नृत्यसंचारिणी । कंसविध्वंसिनी गोपबरवंशिनी सकलविबुधांसिनी विषयविषदारिणी ३ जयतिनिःस्वार्थमन्यार्थसुखसार्थिका समरअमरार्थिका असुरसंहारिणी । जलस्थलगामिनी बिमलबहुनामिनी नाथद्विज स्वामिनी मोहमदहारिणी ४ । ३ ॥ चंचरीक ॥ जैजैजगदम्बअम्ब सन्ततदीनावलम्ब कृपावेलिखम्बसम्बरारिशमनप्यारी । सुघनसघनतमस्वरूप कुञ्चितकच कुचअनूप नाभिकूपरोमावलिसुन्दरफुलवारी १ मानहुं युगकुम्भअमी ताविचबहुभांतिरमी विवरवरपिपीलिकाकीपांतजातसारी २ नैनमैनयुतविशाल लालबाल चन्द्रभाल बिजुलीकरभालमाल मोहतउजियारी ३ मंजुलमुकतावलीवकावलीसीलीनगगन मानहुंनिशिनाथसाथ उड़गनघनधारी ४ । ४ ॥ भैरव ॥ जैगिरिवरनन्दिनि शंकरकरआनन्दिनि । सुरनरमुनिवरवन्दिनि जैअम्बालिका । आदिशक्तिभक्तिहेतु भईहैविभक्तिरूप कोटिहूअनूपभक्तकल्पथालिका १ सुंदरवाघम्बरादिक अम्बरवरवसनसुघर सम्बरारिपुकालितललितवेषवालिका २ जैजैहेरम्बअम्ब सन्ततदीनावलम्ब सम्ब

शरिनाशक करपरमश्रालिका ३ गावतनिजनाथनाथ नृत्यतिदैतालहाथ योगिनगनसाथजयति प्रणतपालि का ४। ५॥ परज ॥ जैजैसुहिमाचलथलाविन्ध्याचल वासिनी । कोकिलकिलकूजित कलनिर्मलकमलासि नी॥ खगमृगकरनिकरनिकर मधुकरसुखरासिनी १ बसतिलसतिप्रीतिरीति हितजनहितआसिनी २ दिन भरगिरिवरबिहार दिवसपारपासिनी ३ बिन्ध्यकेपहार धार नाथसाथबासिनी ४। ६ जैजैजगदम्बअम्बसु न्दरवरबानी। पूजितनितसुरमुनिवर शंकरकररानी॥ अम्बरबाघम्बरवरसुन्दरसुखखानी १ अम्बुजदृगसस्व रारि सहितसुधासानी २ अम्बुकणितकम्बुग्रीव शम्भु सुखनिधानी ३ सुमिरतरतिहोतनाथ दम्भदुरितहानी ४।७ जैजैजगजननिभेदवेदहूनपाई। औरनकीदौर कहासकैकौनगाई॥आदिशक्तिभक्तिभूरि शक्तिदेतआ ई। तातेसबदेवसेवनिजमुखकछुगाई १ अद्भुतअध शतकालरातमाहिंजाई। जगमगजगमगसुज्योतिहो तिअतिनिकाई २ सोईमातुदेशदेश रचिसुवेशछाई। धरिधरिबहुनामश्यामअसितसितसुहाई ३ जगतमां झभगतकाज लाजरखतिआई। नाथमाथफेरुहाथ प्रीतिसाथमाई ४॥ ८॥

इतिअम्बिकाष्टकसम्पूर्णम्॥

भवानी पंचरत्न ॥

———*———

खम्माच ॥

तैलंगविलावली ॥ अंवेनिजजनअवलंवे । त्रिपुरारिप्या रिगिरिपतिकुमारि ॥ सवमारिमारिअसुरनसँहारि । रि पुगृहउजारिखलदलविदारि ॥ संतनसुधारिअधमनउ धारि १ घनसघनरंगशोभितसुअंग । कुचकचडतंगलो चनकुरंग । अतिशयसुरंगसारीसवाँरि, २ तनरतन जटितद्युतितड़ितभाँति । भूषणकीकांतिवकपांतिजाति ॥ घनसघनमाहिंगनधारिआरि, ३ उरविचवउमंगऋतिसे अनंग । नितसंगअंगयोगिनिकेसंग ॥ अवलाथसाथ भुजफेरचारि ४ ॥ १ ॥ सोरठ ॥ तवपदपदुमहीकीआ स । सुनहुश्रीजगदंवमोहिं, अवलंवराउरखास ॥ कुं जपुंजसुकंजजहँतहँमंजुमधुकरवास । ताहितजिभजि जातनहिंकाहिंसघनवनहिपरास ॥ औरकोसुनदौरऔ रहुमोहिंतवविश्वास । बुंदस्वातीजिमिअघातीचातकी निजप्यास ॥ जिमिसपूतकपूतहूकोमातुराखतिपास । तिमिअनाथकोनाथतुमहीँराखियोकरिदास ४॥ भैरवी ॥ खेमटा ॥ २ जगदम्बाबिनाअवलंबनही । केत्तोको ऊजनजायकही ॥ बडेबडेदेवसेवहमदेखेदेहियँविशे षेनचैनलही । तीरथवरतकरतदिनबीतेरीतेहीकरफिर

श्रायेमही ॥ टोट्कनकेखोट्कनमेंपरिपरिमितियाविद तियासहीसबही। नाथतनिकश्रवहि श्रवलंबहुचारो केचारोमिलैसबही ४।३॥ दादरा॥ निरश्रवलम्बाकेहैं जगदम्बा॥ जिमिवरधामकेथामनकेहितहोतश्रधारभा रसहिखंबा। चहतिसपूतकपूतएकसेदायेंबायेंदगसेश्र तिश्रंबा॥पाहनसेश्रघगनखोदनकोनामहितेरोजबरंजि मिरंबा। नाथमाथपरहाथकमलधरजियसेजैसेचहोहैरं बा ४।४॥ ग़ज़ल॥ महारानीजीसुन्लीजियेश्रर्जीगुल्ला मकी। उम्मेदहरहमेशहैश्रापीकेधामकी॥ इतनीउम्र सगुजरगईश्रासीकिभटकते। पाईकहींनहींगरजश्रपने जोकामकी॥ जोकुछकिश्राजतकसेमांसुभ्सेहुईखता। भुलवाइयेतायशहैयहश्रापीकेनामकी॥ जपतपश्रौतेरे ध्यानकानज्ञानहैसुभ्के। हांगिज़नख़्यालकीजिये इहश्रह्न ख़ासकी॥ उलफ़तकेसाथनाथतेरेगाथकोगाता। रखि येखबरहररोजमाश्राठोहीयामकी ४।५॥

इतिश्रीभवानीपंचरत्नंसमाप्तम्॥

अथगंगाष्टकप्रारम्भः ॥

जैहरशिरमंडिनित्रयतापपापखंडिनि दुखदीहदारिद दंडिनिजैशम्भुआलिके ॥ गिरिवरकंदरविदारिसुन्दरघनवनविहारिमनोहारिविमलवारिमनिसुथालिके।हरिपदपाथोजजनितईशशीशमध्यभनित लासितविधिकमंडलुअघचंडघालिके॥लहरतलहरीतरंगकलितकरपतंगरंगइन्द्रधनुउतंगज्योंसुरंगमालिकेकैधौंवरपासदासत्रासनासहेतुकहैनाथगाथगावतजैजहनुबालिके ४। १५ रागषटतिताला ॥ जगतजीवजनजननिजैजहनुजाया। पापत्रयतापअतिव्यापसवअवनिपर ताहिभरसघनघनसेवहाया ॥ मोहमधुदुखदमदमहिषसंहारिणी दुरितधूम्राहिधधार्किधुकिजराया। नाथदोषादिचंडादिशुंभादिदलओघअघवीजशोणितनसाया ४।२॥सेवनितजाहनवीमानवीसुगतिहित। पुंजअघकुंजकरमत्तमातंगिनीमोहशारंगिनी हेतुसिंहिनिकुपित ॥ विशदविषयादिविषसर्पकरदर्पवरवरहिनी ताहिपरवैनतेयीविदित। मत्तमातंगसानंगक्रोधादिखलताहिउत्तंग दावाअनलसीभ्रमित ॥ घोरसंसारकूपारविचमत्स्यवरमानमत्सरअप्रवरतासुमकरीविहित, । लोभलाभादिशलभादिदलकरप्रबलविमलभलज्वालमालादिचंचललसित ॥ तिमिरपाखंडआखंड पूरितदुरितताहिमार्त्तंडकीकिरनघनअ

नागिनित । गूढ़गुनगाथतवनाथगावतसदा देहुनिज साथप्रियपार्थचितहितसहित ४ । ३ ॥ भैरवी ॥ गंगे तुमबिनुकौनसकैकरकरिवरसेयहतनमनचंगे ॥ मतवारेसारेगजभारेहारेश्रम परिकरिवलदंगे। तिनकरश्रमसीकरतवसीकरहोतवशीकरकरतसुरंगे ॥ मनमतंगतितिमितंगकरतनित पापविशदमदरहतअनंगे । नाथिपाथपावनपावननेपावनतेशिरतकदुखभंगे ४ । ४ जैसुरसरिसरसरितशिरोमणि सुरसमूहसबसन्तसुखाशिनि ॥जासुधारसुरधारविविधविधि सेवतहोतअघारसुराशिनि । ज्ञवतेजगपधारिहरशिरते तबतेसहितसुधारिशुभाशिनि ॥ जाकीधारदुधारतेगसब अघसउधारनकोमकराशिनि । कबहूंनिराधारनिजतटतेकीजैजनिसुनुनाथहुलाशिनि४ । ५ ॥ ठुमरीलखनौही ॥जेहिंगंगतरंगकोरंगलसे सोईजीवश्रीरंगकेसंगबसे । जननजोईसुदंगकुढंगफ़से सरभंगसंताजेसदासेरसे ॥ करतेहींउमंगनहानहिके वहईशउछंगमेंजायखसे। गंगागंगागंगाजोकहेकंगालहु नादुखफन्दफँसे ॥ परितापीसुरापीजेपापीमहासोउजायनहाअघओघनसे । गतिऔरनकीतोकहाकहिये चुपहीरहियेसुरहूतरसे ॥ यमदूतहुदंगभयेलखिकैसबनंगहिनंगनयेहरसे । कहैंनाथसेगंगसेजंगरचौ अडबंगहिरंगसदादरसे ४ । ४ ॥ रागविभासधमारताल ॥ जैजैगंगेतरलतरंगे ॥ लहरीलहरलहालहलहसति गतिअतिबंकमयंकसुरंगे । कैधौंफटिकथलीपरसुन्दर हिमहिसकरकरशोभितसंगे ॥ कैधौंबरसीकरबांधनको दा

पपापत्रयतापकेअंगे । नाथअमलयुततेहिशीतलहित
आतिविभूतिमलरहतजोनंगे ४ । ७ जैजैतारणतरणत
रंगिनि ॥ हिंमहिमकरद्युतिमकरबाहिनी दासीदाहिनि
ओरसुसंगिनि । भूषणवसनललितअतुलितछबि क
लितकलाशशिशीशसुरंगिनि ॥ करनिअभयवरकमल
कमण्डल माहिमण्डलकराविघनाविभंगिनि । विनप्रया
सनिजदासनके सबपूजतिआशनाथसुखसंगिनि४।८॥

इतिश्रीगंगाष्टकसमाप्तम् ॥

श्रीअन्नपूर्णाष्टक॥

दंडक॥

अक्षिघूर्णामुदापरमपूर्णामुदा अन्नपूर्णासदायोगमा
या । दानतूर्णामहाविपदिचूर्णा सदाजयतिविद्युत्प्रभाशं
भुजाया ॥मुखेसुप्रसन्नताउरसिसुप्रपन्नता भिन्नताराहि
तचित्तदिव्यकाया । विमलवक्षस्थलारत्नधृतनिर्मला
भक्तवरवत्सलाजगनिकाया ॥ जयतिएणाऽक्षिकाभव
विभवरक्षिका भाक्षिकासकलकुदरिद्रताया ॥ जयतिज
गदात्मिकाविविधविबुधात्मिका अखिलसर्वात्मिकाभव
हिताया ॥ शंभुहितगार्विकाधृतकनकदार्विका रत्नभाज
नयुताअन्नदाया । नाथगुणगाथगायतित्वयांमंडपे कु
रुस्तकरपल्लवेणाऽभिक्षाया४ । १ ॥ चंचरीक ॥ जैजैआ
ननप्रसन्नजैजैजगजनप्रपन्नजैजै नितशिवाऽसन्नअन्न
पूरना ॥ करछीतिरछीसँवारिविरचीकंचनसुधारि सजत
रजतबटुवाकरकाहिपूरना । करपदपंकजप्रबालकुंकुमश
शिबालभाल लोचनतीनिहुँविशाललालघूरना ॥भूषण
तनरतनजड़ितानिरदूषणबसन तड़ितआँगनविचजासु
नचितशंभुढूरना । सोहतसिंहासनपरमोहतकमलास
नवर जोहतनितनाथहाथकछुकदूरना ४ । २ ॥झंझौटी॥
जैप्रसन्नमुखिअन्नपूरना । बालदिवाकरसीछविआकर

लसितमैनतिहुँनैनघूरना ॥ कुंकुमललालभालबिन्दसोह
तजिमिरविबालसकैविसूरना । शिरशशिकलाकुटिल
बिलसासीयुतिआननपूरनअघूरना ॥ क्ररकरलीतिर
छीबटुवावर कौनजौनअसरससुपूरना । जेतेजगतअ
गतअभगतहत सबहिंअन्नदैकाडुदूरना ॥ जेहिआँग
नमांगलनितआवतहर क्षणहरहिंजरूरदूरना । नाथ
हाथजोरेनितमांगत रावतमोहिंकिमिनिजहजूरना ४।३
कलिंगड़ा ॥ जाकीआशपूरना सोपूजेअन्नपूरना ॥ जग
दीनहीनहूकोमनकेमलीनहूको सुखसबहीको अमराव
तीकोदूरना । रंकहूनिशंकनाईकंकनाकोऊजनाई अति
छीआतंकपाईजोकेमखदूरना ॥ अनधनजनघनामिल
तरतनतन पावेमोतीचूरजाके मिलेकछुचूरना । नाथ
हाथदोऊजोरेमांगेनितसाथतोरे मोरेसरमानसकेमैया
करूभूरना ४। ४ ताकेकलुकदूरना कबहूंजाकेअन्नपूर
नामैया । धावतमनभावतफल पावतलहिन्नांकीभांकी
सुखदैया ॥ नातबातसबभांतभांतहि तातमातमितसु
तनिजभैया । कामक्रोधलोभादिक तेदिकसदाफंदारहै
कोउनसहैया ॥ यहरसनाकाहूकेबशना चाहतसबरस
मीठतितैया । भागअभागहिशोचतनाहीं चाहीसबैज
गकररोतैया ॥ असमतिमंदमंदभागीहू शरणगहेल
हेसुखसुररैया । उमानाथजितहाथपसारत कलिबिच
कामधेनुसीगैया ॥ ५ ॥ गौरी ॥ दानीतोहिंजगतकी सु
नियतअन्नपूरनामहरानी । जेतुवनामभजेसकामहू ता
हिदेतसबसुखखानी ॥ महाकंकजेपंकलगाये ऐसेहुरंक

छिपैमानी । अतिआतंककरत दारिदपुरनिजानिशंक तनभ्रनठानी ॥ जेहित्रिलोकमेंओकमिलतनहिं ताहि देतसजरजधानी । मनमलीनतनछीनदीनजन भये पीनलहिसुखघानी ॥ साधारसजेचरणशरणगहेतासुख हेतुखजिमिपानी । नाथसाथकिमिविलम्बकरतिहोकरहु विपतिकरधुरधानी ४ ॥ ६ ॥ भैरवी ॥ अन्नपूरनाकहत कछुदूरनारे ॥ भूरिभँडारभरतलहरतसुखगतिमतिहो तिकूरनारे । आपहिआपव्यापसुखसंपतिजिमिभूरना कबौंभूरनारे ॥ विपतिडरातपरातदूरलौंजिमिमृगसिंह हजूरनारे । नाथसाथमणशरणचरणचहेसपनेहुकैनवि सूरनारे ४ । ७ अन्नपूरनाभवानीमहरानीमोरीरे ॥ शशि आननतजिआननदेखेआँखियांचकोरी मोरीतोरीओरी रे । भानुकरोरअँजोरसीलागतपापतापतमखानीलोरी रे ॥ बैनतिकोरसुधाभरेसैननिचितवनिभुकनिलजानी थोरीरे । बांकीतेरीआंकीनितमांगत नाथदोऊनिजपा नीजोरीरे ४ । ८ ॥

इतिश्रीअन्नपूर्णाष्टकसमाप्तम् ॥

॥ श्रीसंकटाष्टक ॥

विलावल।

दण्डक ॥ जयतिसंकटविनाशिनिसदासंकटा। दिव्य
मन्याऽननाभ्रकुटिविकटाऽननाशुभ्र सिंहासनासीनजै
न्यंकटा ॥ जैमहिषमर्द्दिनीकारिणिवत नार्द्दिनीभक्तसम्ब
र्द्धिनीजयतिविद्युच्छटा । कर्णस्वर्णाऽभरणपरमपरमा
चरणान्निहितवसनाऽवरणलसितलोहितपटा ॥ मुण्ड
मालान्वितंअर्द्धचन्द्राङ्कितं मौलिकुंकुमभृतंकचसुघन
घनघटा। काकपच्छावलीभूरिभ्रमराऽवली कलितकुसु
माऽवलीलसितसितशिरजटा ॥ कचिविविधरंगिनीनैन
शारंगिनी लसितसुतरंगिनीयोगिजडिद्दुभटा । रुचिर
रुचिसाथगुणगाथणादत्तसदा दुःखदारिद्रहरनाथकर
उत्कटा ४ । १ पाहिपाहिन्त्राहित्राहिजयतिमातुसंकटा।
तोहिंसेवद्देववेद्भेचलहतन्यंकटा ॥ कामकोहलोभमो
हद्रोहदरहुउद्दुभटा । ज्ञानध्यानदानशीलकरहुशीलउ
त्कटा ॥ अनधनजनयानमानधामसेंरहैपटा । रागद्वेष
हरिकुवेषकीजियेतडिच्छटा ॥ वंशाकरप्रशंसनीयओघ
अघरहैहटा । नाथहीथजोरिचहैचरणमेंरहैउटा ४ । २
संकटेसुरक्षरक्षदीनपक्षकारिणी । अक्षदोषदारिणीविप
क्षपक्षहारिणी ॥ यक्षकिन्नरीनरीसुनृत्यनृत्यचारिणी।स

वेदासमक्षदक्षदेवसेवधारिणी ॥ रंकनकोकल्पवृक्षसंतन कीतारिणी। उधमकारिहुंकीअरुअधमकीउधारिणी॥ ऋद्धिसिद्धिवुद्धिनिद्धिगुणगणकीसारिणी । होहुप्रीति साथनाथहूकीदुखदारिणी ४।३॥ भैरवी॥ संकटासंक टविकटविमोचिनि॥ यजनभजनसाधारणजनकेधारण मनकारिलेतसंकोचिनि । हीननदीननकेदुखदारिणि भक्तनकेआगमसुखशोचिनि । सन्तनकोसन्तानजान जिय तासुविमलबलवुद्धिविरोचिनि ॥ चहतनाथयहि ओरभोरहू कोरथोरहूफेरुत्रिलोचिनि ४।४॥ खेमटा॥ सारेसंकटहमारेनटारेकोऊ। एरीसंकटातेरेविना॥ से वाकियेपरमेवामिलतहै दुखनहिंदेवानिवारेकोऊ। जं तरओरमंतरकियेसबतन्तर अंतरकेरिपुनहिं मारेको ऊ॥ तूमहरानी बड़ीवरदानी ज्ञानीतुम्हैं नाबिसारे कोऊ। देवनकेसेवनकियेठन केनाथहाथनहिंधारेको ऊ ४ मोरीहेसंकटाक्योंनसंकटकटे। नामोंकोतेरेसदाई रटै॥ सुखनालहेरेसहेरेघनेदुख अबतोहमारीतुम्हारी पटै। देवोंकोमानेनदेवीकोजाने हमतोरहेंसबहीसेछटे॥ बड़े २ ग्रामोंकोधार्मोंकोतजतजज्ञानीबसेजैसेगंगातटे। तैसेहीतेरेचरणकेशरणसे नाथहटेनाबरुबीडटे ४।६ भैरवी॥ संकटासंकटकाटनहारी॥ जोकोउचरणशरणत किआवत तासुदहतदुखभारी। मनभावतफलपावत पूरणकबहूंअधूरनटारी॥ पापीपरितापीहूसुरापी आपी आपसकारी। भेदविभेदनहींसबहीसम नाथहुकीअब पारी ४।७ संकटासंकटविकटविदारो॥ गुनिनिजविर

ददरदतनधारो विलपतद्दासतिहारो । तोरिकुफुलसम
सकलदुःखदल कसनकरदकरधारो ॥ तेरेनिकटविकट
औचटहू काचेघटसमसारो । मांगेतुवदरबार बारह
रनाथहिनेकनिहारो ४ । ८ ॥

इतिश्रीसंकटाऽष्टकंसमाप्तम् ॥

॥ अष्टयाष्टक ॥

—※—

षट ॥

कबहींके पदअम्बुजअम्बालेरखिहैंनाथमाथमेरे । जेपदपद्मपद्मरागनके पायलयुतनितम्फनकेरे १ जेपद्महादेवउरपुरपर नूपुरपूरितनितफेरे । तातेमहादेवदेवलमेंकारनमहाशवदकेरे २ जेपदमदमहिषाकरमरदेउ औरहुदानवदलयेरे । जेपदपावन परतशवनपर निरततनित लइगतिदेरे ३ जेपदभेद वेदलहिंजानत ब्रह्मादिकसुरवंदेरे । सोईचरणसरोजरोजही मधुकरनाथसाथहेरे ४ । १ कबहींकेचरणशरण अंबाजी रखिहैंजानिमानिचेरो । कृपाकोरममओरहेरिहैजबकब हींएकहुवेरो१ जेपदकमलअमलपायलयुत मंजुलकलहंसनिकेरो । कलिमलसकलकठोरघोर अघदलिहैं जबतबहींनिवेरो २ यद्यपिपरमकपूतभूतसम कूतनकछु पापनकेरो। तदपिहोतहितअमितसुताहिंते चाहतिमाताहीअनेरो ३ जिमिघनघोरचकोरचंदज्यों स्वातिवुंद चातकहेरो । तिमिकरजोरअगोरनाथनित जननीज निकरहुअवेरो ४ । २ कबहींकेकरकंजनि शिवरंजनि फेरिहैंनाथमाथपैरे । जेकरकमलअमलरतननते पूरित भूषणगनसेरे १ जेकरखुलतषडाननऊपर मुदितग

जाननपैफेरे। जेकरफिरतःहतन्लिशिवपर भैरवपैम्रुदु रवफेरे २ छपादीठकरसिंहपीठपरफेरतनिशिदिनबहुवे रे।जेकरसुघरसुघरदासनपरवरअरुअभयदालदेरे ३ सत्तमतंगतुरंगतरलज्योतेहिस्वामीपुहरेहैरे।तिमिवरव्र रघनाथविनुनाथहि हाथफेरिपुचकरिहैरे ४।३ कबय हिओरकोरईक्षणते छिनकहुअंबहेरिहैरे। फिरतसेन पतिगनपतिपेजोसोकबकोरफेरिहैरे १ अंबअंबरटनि रालंबसमकबममजोहेहेरिहैरे। पदसरोजहरहोजभुंगस मकबलौंजायनेरिहैरे २ कलिमलसकलपापउरपुरते क बसवकाढ़िगेरिहैरे। रंकसमाननिशंककंकमन कवघन चरणाधेरिहैरे ३ कबलौंपदपावनपावनको मोमनमातुप्रे रिहैरे।नाथएकविश्वासआशपरकबलौंदिनहिंलेरिहैरे ४ कबहींकेदीनहींनदुखियामोहिंसुनिगुनिमातुहेरिहैरे। स मरथसुरथवनिकवनिगये तिमिगातिकबहिफेरिहैरे १ जिमिसुरहेतुअसुरगणगंजेउ तिमिसुखकबहिमेरिहै रे। अडेरहतहरबारचाररिपु सोकबअंबपेरिहैरे २ अ तिआधीनदीनसेवकगुनि कबलौंमोहिनिबेरिहैरे। सक लशोकसन्तापतापकबजियतेकाढ़िगेरिहैरे ३ जियसभी तताकेअभीतकरिदारिदुखदरेरिहैरे १ कबनिजचरण शरणराखनहित नाथहिनेकुटेरिहैरे ४।५।चंचरीका तुम बिनजगदम्बअम्बकोलेसुधिमेरी॥ यन्त्रमन्त्रतन्त्रआ दियतनकरतथाके तनभूतप्रेतदेवपांतिबहुतभांतिघेरी। तबहूंनहिंइच्छाफलपायेकलुकाहूथल अबजियभलजा नपरीआशमातुतेरी॥ यहभवसागरअपारसूझतनाहें

वारपारनिराधारकोअधारनौकापदकेरी । जानहिंनाहिंय जनभजनसोजनअस करहिंयतननाथ, हाथजोरिकरैसें दिरकीफेरी४६॥श्लो० ॥ तुमतजिऔरनहिंअवलंब। पंच भूतकपूतकेजगलुमहिंएकहिअंब ॥ सुमनमनमंदिरहमा रैतासुतवपदथंब । जगतसिंधुअपारमेंतुवनाममहीवरखं ब॥मूढ़कूढ़कोऊजोकाटतनतसुशाखाअंब । ताहिभलफ लदेतआयातिमिलुमहुंजगदंब ॥सहितहितनितकालकै यहिंचहतिआतिहेरंब । नाथसाथकृपाकरहुतिमिदासगु निआबिलंब ४ ॥ झंझौटी ॥ तारेकसनमोहिंअवतारे सकलदेवहमसेवपुकारेभवभारेनउतारे ॥ सुकृतीसबता रतदुकृतीनहिंअसकसनेमनिकारे । तुमतारिणिजगका शिणिअंबा बिरदहिंराखुसँभारे॥मोहिंकेवलबलनामआ सरो औरसहारेहारे । तवपदकामधेनुबिनुकितगतिआ नसेद्वारेद्वारे ॥ श्रीतिश्रतीतिरीतिपदपद्ममानि मनबचक रमहमारे । नाथसाथपरहाथहिफेरो तुमबिनुकोनिर धारे ४ । ८ ॥

॥ इतिश्री अम्बाविनयाऽष्टकंसमाप्तम् ॥

अथविश्वनाथाष्टक ॥

दंडक ॥

जयतिशंकरभयंकरविपन्नाशनम् । कालकल्पान्तकंत्रिपुरअसुरांतकंमोहमदनांतकंरोगरिपुनाशनम् ॥ ब्यालवरजाल गरमाल सुविशालतर भालनिशिकरकलाकलितलालितास्यकम् । कालकंकालनृकपालधरपरशुधरमंजुमृगशावधरअभयवरसंयुतम् ॥ रुचिररुद्राक्षकमलाक्षवक्षस्थलेप्रलयअनलाक्ष फटिकाक्षसंशोभितम् । सुन्दरंसिंहशार्दूलचर्म्माम्बरंकचित सुदिगंबरंदिव्यवृषभाऽसनम् ॥ भस्मभृतकायअधिकायमुनिकायछबिदाससमुदाय हितसर्वसुखदायकम् । गरलगंगाधरंतरलविद्युन्निभंसरलचित्तवल्लभं नाथतापापहम् ॥ ४

सदाशंभुअम्भोजनेत्रंविचित्रं मुकुन्दप्रियमूचिद्घनानन्दरूपम् । भजेकुन्दइन्दुद्युतिंभव्यादिव्याऽकृतिं व्याकृतिंशुद्धसत्यस्वरूपम् ॥ महासर्पसर्वांगअर्धांगगौरीकरेशावशारंग भव्याऽनुरूपम् । वराऽभीतिपरशुर्वरेपञ्चहस्ते प्रशस्तैसुभालेकलाचन्द्रशुभ्रम् ॥ सदासर्वकालेजटाजूटजाले लसद्गंगपाथःसनाथःकृतोऽयम् ॥ २

प्रसीदशङ्करप्रसीदशङ्कर प्रसीदशङ्करनमामिहे ॥ सुखाभिमूलंसदाऽनुकूलं सुचन्द्रचूडंभजामिहे । भक्तिलता

यूर्पसुरभूपं कृपाऽनुरूपंयजामहे ॥ कुरुममहृदयंसदासु सदयं सदाशिवंप्रणमामिहे । अनाथनाथंदीनानाथं शिवतवशरणंव्रजामिहे ४ । ३ जयशंकरजयजयशंकर जयजयशंकरगिरिराजपते । महाश्मशानेवृषाऽभियाने पिशाचगानेदत्तमते ॥ त्रिशूलपाणेपिनाकपाणे रथाङ्ग पाणेप्रेमरते । स्मरान्तकारिन्मखान्तकारिन् पुरान्तका रिन्चित्रगते ॥ ममाऽपराधंक्षमयाऽगाधं अनाथनाथं स्वामिन्शते ४।४॥ कलिंगड़ा ॥ टेक ॥शिवशिवशंकरशोहरहर गंगाधरजयपोजन । शृङ्गीभवनत्रिपुरनशावनमदनविना शनहरवृषाऽसन ॥ कण्ठभुजंगीभूतसुसंगी बहुरंगीश्रं गीकुलपालन । परमअनंगीउमाअंगी अरधंगीरंगी विषभोजन १ त्र्यम्बकत्रिपुरान्तकभस्मन्तिक वृषभध्व जगरुड़ध्वजरोचन । जटाजूटधरकालकूटगर महाका लकालीमनमोहन २सबसुरनाथकतातविनायक सुख दायकदुखदीनविभञ्जन । बामदेवशिवमहादेवभव उर्ध्व देवसुरदेवतपोधन ३ गङ्गाधरगिरिजाधरअहिधर दिक अम्बरबाघम्बरवरधर । काशिनाथनाथनकेनाथभज विश्वनाथनिजजनभयमोचन ॥ ४ । ६ हरहरगौरीवर हरछनकहोमन । शृङ्गीधारनअधमउधारन दीनउबार नजगकारन ॥ गतिश्ररबंगीमतिबहुरंगी दीनसुसंगी मुनिमनमोहन । उदितउतंगीपरसुकुरंगी समरसुजंगी जैयोगीजन ॥ योगिनिनंगीसहितउमंगी नृत्यसुढंगीता डवतालन । तरलतरंगीनैनकुरंगी अंगीकृतशशिशीश सुमण्डन २ जैभवभूतीविशदविभूती परमपञ्चभूतीश

त्रिलोचन। भोगभूतीयोगअभूती पुरुहूतीपददायक सन्तन॥ कालान्तकअलयान्तकजन्तुक कल्पान्तकअन्तकगतिनाशन। मुक्तिनाथकेदारनाथबम् बैजनाथभवनाथभजोमन ४।६॥ खम्माचतैलंगविलावली॥ शंकरहरहरहरशम्भो। गिरिशजराजपतिअतिदयाल॥ लोचनअनंगमथनंगअंग गौरीअर्धंगशोभितसुरंग। गरनीलरंगशिरचन्द्रबाल १ भूषणभुअंगदूषणअंगलसिजटागंगलहरीतरङ्ग। नैनाकुरंगसुन्दरविशाल २ बघछालऔरगजखालडाल मलिभस्मभालउरमुंडमाल। लोचनदुखमोचनलाललाल ३ निरततततथेइथेइयुतमृदंगयोगिनिउमंगसहरागरंग। गावैंनाथसंगकैकैनिहाल ४।७ गौरीबरहरहरबम्बम्। सुमिरतनिहालकरिदेतहाल॥ छूटीहैगंगधारातरंगभागेभुअंगसबएकसंग। लपटतिउछंगविश्वभभरिबाल १ निरमलसुअंगबिचदेखिदंगशंकिताचितानिजआभासुरंग। रूसतिजोसतीकरसौतख्याल २ मलिमालिबिभूतिप्रतिअंगअंगकोटिकअनंगछबिहोतभंग। सउमंगउमानिरखतानिहाल ३ पीभंगरंगगिरिजासुसंगलीलाकरकरहररंगरंग। नितनाथसाथराहियेकृपाल ४।८॥

—※—

शिवाष्टक॥

भँझौटी॥ जिनकेशंभुसदाशिवदाता। तिनकेकहांकमीसंपतिकी धनपादितेखसिहाता॥ कामधेनुअरुफ

लदकामतरु देनकेनासलजाता। उमारमाअरुक्षमा
छकितह्वै कहतिकौनलमत्राता॥ शंकरकरअसआनवा
नसखि देवनथोरसुहाता। नामलेतसवदेतसुसंपति
दंपतिनृपतिवनाता॥ अणिमादिकमहिलादिककोवह
नटनीसीनिचवाता। सबसुखसाथनाथवनिविलसत अं
तपरमपदपाता ४। १ जिनकेसाम्बसदाशिवदानी।
तिनकेधामधामवसुकमला अचलाहोयथिरानी॥ ऋ
द्धिसिद्धिनवनिद्धिसदाही तासुचरनलपटानी। कांपति
विपतिदूरहीतेलखि भागअभागडरानी॥ दारिददुरित
दरतिनिजछाती दुरतितासुसुनिवानी। भववाधाकोउर
सुखदाधा देखतदूरपरानी॥ सबसुरअसुरनागमुनिकि
न्नर नरबड़भागबखानी। राजतनाथकोनाथसदाबनि
जससुरनाथकहानी ४। २ शंकरदीननकेबड़ेदानी।
जाकेघरखरफूसहुनाहीं तेहिबकसतरजधानी॥जेअति
कंकपंकतनलायेतेहिकरिसुरपतिखानी। रंकनिशंकभ
येअतिशयसबदेखिरमासकुचानी॥ दुखितकामतरुका
मधेनुबरु दोऊकहतनिजहानी। कोऐहैजैहैममनेरे
शिवकहिलहिसुखखानी॥ बहुतबिहालनिहालकिये
हैंसुनिधुनिगालसुहानी। कियेसनाथअनाथहिकेतेनाथ
हुकेसुखदानी४।३ जोजनसन्ततशम्भुसनेही।सोजनल
हिस्वारथपरमारथ खोजनकोनहिंतेही॥ आपहिआप
लहतसबसुख ज्योंमुक्तासीपनमेंही। जिमिसुरपुरनर
छुवत न कछुकरतिमिनपदारथलेही॥ ऐसेअयाचभये
सबयाचक याचतनहिंकोऊकेही। तेहिघरभरसुखसं

पतिअनधन होतसुघरवरदेही ।। लरजततताहिदेखिसुर नरमुनि अतिशयतपबलजेही । अमरीअसरलाथते हिजानतमीतरामवैदेही ४ । ४ अजहुंनशंभुशरनमन आये । भयेशिथिलपनगयेसवतनमन चौथेपननियरा ये ॥ नदअयानमेंगयेनदानपन नेकुनज्ञानथिरायो। त रुणापनतरुणीमेंगँवाये अतिमदमातिभुलाये ॥ आ वतजराजराउरअन्तर तनतनयतनकराये । सपरत हीसिगरेदिनवीते ज्ञानध्यानबिसराये ॥ जालविशाल भ्फनिमकरीकरि फिरआपहिउरभ्फाये । तिमिसबफँसि नसिरहतमोहवश नाथगाथनहिंगाये ४ । ५ शंकरभू रिभयंकरमाया । लखिनहिंपरतजरतअन्तरज्यों आँव हिंकुम्भसमाया ॥ नेकुसुचालचलननहिंदेती चौकी चारिबिठाया। मनलघुलोहजोहगुरुचुंबक जिमिनिज ओरींखचाया ॥ सवहिकीटजिमिभृंगसंगरखि सोनिज भांतिबनाया। जिमिमकरीपकरीलघुजीवहिं पुनित्यहि जालभ्रमाया ॥ जपतपसंयमयोगयज्ञव्रत कोउनताहि छुड़ाया। नाथशक्तिवभक्तिसेछूटति कमलहिजलनथि राया ४। ६ आपतिभजतभजतगिरजापति। वेदमन्त्र जिमिजपततपतनितभूतभूतिनीकांपतिभागति ॥ दारि दुदुरित दुरतिनिरदुतिह्वै तातेनितशंकरहिसरापति । जेनिजदासअदासनचीन्हेकीन्हेसबहिसमानमहीपति॥ शंकितउमारमानितप्रतिअति दैनदेहिंकहींजमागिरी पति ॥ लरजतिमतिअतिधनपतिहूंकीचकितरहत भयलहतशचीपति। शंकरभक्तिशक्तिरविकरसी सरसी

सुकृतकुमुदअघतापति ॥ नेहीनाथसाथजेंदुखकर ता घरयमकरहोतउचापति ४। ७ छूटतविपतकहतगौरी पति। कांपतिअतिआपतिसवभागति जोजापतिमति नेकुसतीपति ॥ उमारमाअरुब्रह्माञ्चकितकहें रखिहैंतूं वीएकगिरीपति। असबौरीहकोकौनराहते होयचाह किमिमोररहीपति॥ चलीसकलसुरपुरहिंविकलके सुन हुविनयनयसहितशचीपति। देहुवतायजायँकाकेघर ह रहरजनकोकरतमहीपति ॥ पापीपरस्तहिआपीलैके हृतजोनेकहुपारवतीपति। हरतिथकहतिवानिहरकीक हींकरहिंनाथइकसाथनश्रीपति ४। ८॥

कबीरसाहिबक्ष्॥

भोलाष्टक॥

भैरवी॥ बम्बम्बम्शिवअगड़बम्बोलो प्यारेबदाकरे गाजम्। जोकोईयादकरे हरहरदम्॥ उसकेदिलविल कुलनरहैगम्। बेपरवाहचाहेजहांघूमे सूसेसिंहसावो बाहम्॥ मायाकोसायासीकरोकम्। अपनामनमाया करथरथम् ॥ नाथसदासुखसाथरहे गातनारोजबना बेगम् ४।१ गम्परगम्हरहरदम्काहेकर्त्ता रहताकहतान क्योंबम्बम्॥ जीकीजलन्जावेगीउसीदम्। भोलेस नम्काहोवेगाहम्दम्॥ बसेगीऋधिसिधिनौनिधितेरे घरमेंहँसिकरझम्झम्। पूजाजपतपध्यानकरोकम्॥ कहहरहालतमेंहरहरदम्। कोइयमदूतभूतनाहिंआवे

नेरेनाथतेरेबाहद्द ४ । २ ॥ रेख्ता ॥ गजलेसनुआ महादेवदानी । खोयेदिवसतोरीऐसीनदानी ॥ संकट विकटनिकटनहींऐहें होइहैंतोकोलवैसुखखानी । बाल पनागयेखेलघनामें तरुणाईमेंभयेसैलानी ॥ छाईबुढ़ा ईतबौनहींसूझी रसरीजरीरहीऐंठनिशानी । कबहूंनाथ केगाथनगायेकासुधिबुधियासवैबौरानी४।३॥ सोरठ॥ तुमऐसेहीबड़ेदानी भँगियानघोलनाहोनाथ । एकतो आपसदाकेभोला दूजेछानतभाँगकेगोला। दैडरिहैसव भोलारखिपकीचोलनाहोनाथ १ जोकोउआकचढ़ाव तपावत आँकके आहरहरजनअनधन । केसेकोघरररहि हैहससेनबोलनाहोनाथ२ तूरधंतूरदेतजोकाहू ताकेसव दुखदूरकरावें। दारिद्दरीहुछुड़ावैंघरघरकोडोलनाहोना थ३ कोउकंगालंगालजोबजावे ऐसेबिहालनिहालक रावे। घूमतप्रेममेंमूमतदासोंकेटोलनाहोनाथ ४।४॥ लखनऊकेचालकीठुमरी ॥ शिवशिवहरकनकहुमनसँभा ल। होइहैंतोहिंपरशंकरदयाल ॥ शंकरकरअटपटअज बचाल । थोरहिमेंहोतझटपटनिहाल ॥ पकवानचिरौं जीपैनख्याल । भोलामनमौजीहैंकृपाल ॥ अनधन जनदेजोजनबिहाल । विनपूजनभजनहिंपैखुशाल ॥ मेटतकरालततकालकाल । नाथहिंभजतजजंजाल जाल ४।५ शंकरहरहरकहुहरहमेश । रहिहैनलेश संपनेंकलेश ॥ जाकोनितजपतसुरेशशेश । पायोविशे षपदकोशलेश ॥ वसुसिधिनवनिधिमहिमाअशेश। पा वतधावतहिमहेशभेश॥जपिलहतबिशदपदसुरपुरेश।

छीनतजवयमगहिलेतकेश ॥ भजिअन्तपरमपदलहि सुभेश । रहेनाथकेसाथउमेशादेश ४ । ६ छमछमकि छमकिमझमझमकिमझमकि निरततततथेइथेइशंभुशि वा । रसरंगउमंगभरेअलिही गतितालतरङ्गउठेजोसि वा ॥ अलबेलीसुसेलीउमाकोसजै अलफीशिवकोसजि रूपनवा । गिरिराजपैसाजसमाजसजेविलसैंहुलसैंमा नोकामजिवा ॥ तांडोभीरचैंगतिनाथनचैं गिरिजाजी लचैंजिमिज्योतिदिवा ४ । ७५ । २ ॥ झँझौटी ॥ सुनि हेनाबरबराउरबौरैंगियाहो । बरुवारीरहैंमोरीबारिसुनि हे ॥ कंजनयनदुखमोचनीहोगौरारूपअगार । वरबाउ रतनछारलाये करियासांपशिंगार॥ सुनिहे० ॥ गौराकी अलवेलीसहेली चन्दमुखीउजियार । भूतपिशाचसा चहिलहरको द्युतिअतिशयअँधियार॥ साजसमाजरा जकरमोरे जाकोनवारापार । शंभूकेदेशलेशनाहींसुख कोकंदहिमूलअधार ॥ सुनिहे० ॥ मैनासेमैनासमबोली सुनुमामिनतीहमार । नाथसाथसबकछुअरुनाहीं मैं अबतनमनवार ४ ॥ सुनिहे०॥ ४ । ५ ॥

—※—

केदारपंचरत्न ॥

चंचरीक ॥ शिवकेदारद्वारछांड़िबौरेकितदौरे । अष्ट सिद्धिनवोनिद्धिऋद्धिबुद्धिजाकेकर निजजनकरगतिनि धिद्धहरतऔरतौरे १ सबसुरसरदारअतिउदारविदित शिवकेदार ऐसोदरबारछांड़िलागतकेहिकौरे २ जाकी

महिमाअपारसुरगणपावैंनपार एकबारनामहीउचारत गतिऔरे ३ सूक्ष्मतमनतोहिंआन बूझतनहिंनेकुज्ञान इवानकेसमानफिरतआनआनपौरे ४ डोलतइकटूक काजभूंसिभूंसिकरिअकाज तजिपियूषसुखहाड़चाहते चिचोरे ५ जगकरजंजालजालयाहीबिचफँसिनिहाल व्यालदीपमालव्यालकरिमनिधरिजोरे ६ अजहूंभज लेगँवारगिरिजापतिशिवकेदार नाथनकेनाथकोपुकार नेकुतोरे ७। १ गिरिजापतिशिवकेदार सुनपुकारमेरी। हौंतोअतिदीनहीनपरमछीनमनमलीन लीनरहतकैअ धीनकीरतिसुनितेरी १ पूरणपरितापतापदीहदापपाप व्याप दीननकेआपआपतेलहिवहुबेरी। सोतुमनहिंक रतध्यानमानहुंअतिहीअजान मोरीओरकृपाकोरथोर हूनफेरी २ गालकेवजायेआकमालकेचढ़ाये तालहाथ केलगायेऔरकियेअर्धफेरी। इतनेमेंएकहूजोकीन्हेनर नारिवाल दीन्हेअतिकैनिहालजोबिहालहेरी ३ अष्ट सिद्धिअष्टयामनवोनिद्धिदेववाम रहतसदाधामबीचतु मरेजनुचेरी। असअनाथनाथसाथपायहाथचिन्ताम णि श्वानकेसमानआनमौनकौनघेरी ४। २. शिव केदारशिवकेदारशिवकेदारभजरे। जाकोनितरटतहैं रमेशशेशअजरे॥ रंचकचितधीरधारि जगप्रपंचत जरे। बंचकताछांड़िनेकुसज्जनतासजरे॥ जाकेगल शोभितमलइवेतसर्पगजरे। जैसेअवदातब्रह्मतैसेगात उजरे॥ चारोरिपुमारिटारिचंचलताकजरे। गुरुपदर जसेइलेइदर्पनमनमजरे॥ रीतेदिनबीतेजातअजहूंतो

लजरे । नाथगाथगावनतेबसिहौतेहिँपँजरे ४ । ३ ॥ कालिंगड़ा ॥ शिवकेदारजपतजेनितहीं ॥ ताकेद्वारअसीद्वारगजझूमतरहतरहतजेजितहीं । सुरपुरनरपुरनागतिहूंपुर ऋधिसिधिनवनिधिपावततितहीं ॥ रोग शोक परितापतापत्रयभागतभयचाहेरहेकितहीं । अन्तहुनाथसाथनिजराखत केतहुकरतउचितअनुचितहीं ४ । ४ ॥ तालचलता ॥ असकेदारजोसेवतकेदारना ॥ उमारमाबहुविधिऋधिसिधिनवोनिधि नितप्रति अतिइन्हैंआरतीउतारना । किन्नरीनरीछरीसी सुन्दरी सुरीहूभरीपरीउतपरीरहैंअनतअधारना ॥ नागपतिनीहूमुनिपतिनीहूदेवीसेवी असुरबधूटीजूटीरहैंजाकोपारना । गावतजोगुणगाथपावतसोयाहीहाथ इनमेंतेभोलानाथरखतबिचारना ४ । ५ ॥

—०—

काशीपंचरत्न ॥

परज ॥ सबसुखधामकामतरुकासी । मूलविवेकसुकृतशाखाशुचिपातीप्रेमनेमनसखासी ॥ निश्चयत्वचालचाप्रसूनमुदफलभलचारिविविधफलरासी । सुयशसुबासबासचारोदिशिभौंरीभक्तिभूरिभलभासी ॥ बिनु माँगेफलदेतसेंतही जोआवतयहिपाससुआसी । यह अन्तरयामीअनुगामीवहजडलखिलखिभयोनिरासी ॥ जहँकुछुरोकटोकनहिंनेकहु बसतादिवसानिशिचहुँदिशिवासी॥धारेदंडपाणिरखवारेसुरवरसाथनाथकैलासी ४।१

कीकोफैंसायरही। तासैंसनाथसँग रिसिकार लालीबद
रियामैंआयरही ९ ॥ सोरठ ॥ लाजभरीमोसोंहाँसीकरी
नोंसहीनजाय ॥ तापरतेगुरुजनजनआगे वाकीकथ
नवेनलरसपागे। ताहूपैमोहींकीतेगैंचलाय सारेनैनाघु
माय ॥ पूँछततेरोनाथकौनहै पुनिपूछततेरेसाथकौनहै।
टकिलटकिनटकावेलला अँगुलीकोनचाय१०वैननते
पनकारीदईपिचकारीचलाय ॥ बीचगैलयहछैलमहारि
के सैलकरतनितटहरटहरके। निरखतहीनइनारीअना
रीसाआवेजोधाय ॥ देखततियहियमाहिंलगावे गालन
लालगुलालमलावे। घूमैंभूमैंनाथचूमैंपकर दोउबाहिं
याघुमाय ११ सैननतेसनकारीसबैरँगडारीबुलाय ॥ प
कपकरकरमोहिंघुमावे मूठिनमूठीगुलाललगावे। ल
पटिझपटिमुखचूमैंलला छतियाँसोंलगाय ॥ मरदिमर
दितननेरोबेदरदी छायरहीछततनतनजरदी। कसकि
मसकिमोहिंमारीछकाय नाथडारीथकाय १२ मैनन
कीमदमातीसबै अँठिलातीगँवारि॥ नखशिखसकलशिं
गारबनाये रँगिरँगिसुघरमहावरपाये। अकड़अकड़स
बडोलें कलोलैंकरैंरँगडारि ॥ देखतहीपरदेशीदेशी कैस
हुकोउकुभेशीभेशी। नाथसाथमेरेवाहींचलो धरलावेंगँ
वारि १३ तूकहापावैमोसोंअटकके आपीथकके ॥ भाग
जाओगेलाला नहींपाओगेबाला। तुमआओगेकाला
मिलधाओगेग्वाला ॥ दुखपैहौविशाला देहौगालीगा
ला। नँदलालानमोहिंपैहौहालीहाला ॥ नाथआपीतूजे
हैसटकके १४ कैसेजाऊँमैंयासोंनिकलकेजियाछलके ॥

भैरवाष्टक ॥

दण्डक ॥ जयतिभैरवमहाकालकुलकैरवम्॥ बालशशिशीशधृतबालबहुलंगभृत दिव्यसुविशालतरश्वानवरवाहनम् १ दंडनृकपालकरव्यालकरमालगरकलितकरवालवरशूलसंशोभितम् ॥ भालदगमंजुलंज्वालमालाऽकुलंभूरिभासंकुलंमधुरमधुमोहितम् २ अशुभअसुरान्तकंमोहमदनान्तकं लोभमानादिरागादिरिपुनाशकम् ॥ शोकतमध्वान्तकंपरमप्रलयान्तकंकालकालान्तकंप्रलयभस्मासनम्३ भूरिभयभंजनंओघअघगंजनं भक्तजनरंजनंईशसोपासनम् ॥ जयतिजगवंदितंचिद्घनानन्दितं नाथसुखवर्धकंसकलखलखलुहरम् ४। १॥

ईमन ॥ श्रीभैरोभयभंजनहारे ॥ रिपुगंजनवरविघ्नविभंजनकंजनदासनकोरविप्यारे १ श्यामश्वानआसीनपीनभुज कलितललितकरदंडसुधारे ॥ धारेविशदात्रिशूलमूलभुज कटिदुकूललोहितचटकारे २ जटाजूटशिरकूटछटाछबि सुघरबालशशिशीशसँवारे ॥ वरउपवसनपीतउपवीतहु नागनकरकारेसटकारे ३ भूषनजटितलसितधूलिततन घनबिचज्योंदामिनिझलकारे ॥ भैरवरवअसश्रवनसुनतहीकवनविघनजोनाथनटारे ४। २

श्रीभैरोभजतहिंभयभागे ॥ सकलशोकसन्तापतापत्रय सपनेहूनाहिंआवतआगे । यहभवभीतभीतअसभारीभंजनकरालकुठारसीलागे॥ करिउरनिर्मलजिमिजलजलजहि लागतनाहिंतिमिजगरसपागे । तबहिंनिर

न्तरउरअन्तराबिच दहुविधिज्ञानध्यानहियजागे॥ यज
नभजननिजनिजदेवनकोतवनिरविघनहोतदुखत्यागे।
अजहुंभजहुमननाथसाथहित किमिसनाथअवद्वैनअ
भागे ४।३॥ कलिंगड़ा॥ बांकेभैरोसोहैतेरीसुघरलटू
रियां॥ अलफीहैअलबेलीबेलीकरमालासेल्हीगलेहले
नईनईनागिनकीगूरियाँ। माथेपैबिराजेचन्दाअलक
संवारेफन्दा लखिकेअनन्दाचितरमीधूनीधूरियां। छ
नमेंबालकनाईछनमेंयुवाजनाई छनमेंबुढ़ाईछाईमुखपर
भूरियां। जोगियाजोगिनीनाचेनाथसाथगतिराचें जां
चेतालसेबजावैंचुरिलाऔचूरियां४।४ भैरोअलबेलेअ
लबेलीतेरीचालियां। रेशमकीधारीजैसीकारीसटकारी
ऐसी सेल्हियांनगिनियांकीभीनीबीनीजालियां॥ जटा
छिटकायेघनभसमरमायेतन लोचनसुहायेघूमेभूमेभ
रीलालियां। जोगिनीकेसंगेनंगेआतिअड़वंगेरंगेनाचें
नाथजीउमंगेदैदैकरतालियां ४। ५ तोरीभोलीभाली
भैरोमोहिनीमुरतिया। अद्भुतद्युतिधरमरकतइन्दीवर
सुघरसलोनीलोनीसाँवलीसुरतिया॥ रतनजड़िततन
तड़ितसेअभरन लालेलालेबसनहँसनभरीबतियां।
सोंटाछोटासासुघरपन्नाकरप्यालाकर लटघुँघरालेकाले
छपेजातछतियां। शिशुगनश्वाननकेसाथनाथधारेहाथ
खेलैंअलबेलेखेलेंहरेदुरगतियां ४। ६॥ ईमन॥
अवनपरतभैरवरवजाके॥ भयभागतलागतनहिंपात
क घातककालनताकतताके। दुरजनगनअरुभीतनर
नते जोसुमिरनहिंकरैलवलाके॥ रोगशोगहरलेतभो

गदे नतकैभजतहिंरातदिवाके । करतसनाथअनाथहि
तुरतहि होतमंजुतनपुंजप्रभाके ४ । ७॥ भैरवी ॥ खेमटा॥
बांकीभांकीहैमेरोकीमोरेमोरे । मुखमोरेहँसेताकेथोरेथो
रे ॥ सेल्हीमलीअलबेलीबिराजे राजेसरपतनगोरेगो
रे । दर्शनकीअँखियाँदोउतलफी अल्फीकोलखिलखि
ठंढीकोरे ॥ पन्नोंकेकानोंमेंकुंडलहैचंचल् हल्चल्सेचि
तकरडारेसोरे । नाथहाथलसेछोटासासोंटा प्यालाहै
आलासुधाकेबोरे ४ । ८ ॥

रामजन्माष्टक ॥

षट् ॥

सकलभुवनअभिरामश्यामछबि जनमेंरामकामपरि
पूरन । वंशललामलामदुखनाशक सुरगुलामसबसंयुत
सूरन ॥ जेहिसुमिरतरतहोतसुकृतचित दुरितदुरतदि
नदिनदुरिदूरन । सबसुखधामकामकोटिकछबि सबगु
नग्राभकरहिंरिपुचूरन ॥ कौशिकरसिकशाअसबभावीला
गेकहनबचनअतिरूरन । विविधमुनीशगुनीशाईशब
ल बोलतजोलागेजेहिफूरन ॥ सुनिनृपदैगोदानमान
युत सुवरनसींगरजतकरखूरन । अवधनाथअतिशय
सनाथगुनि लागेकंचनबांटनभूरन ४ । १ ॥ ढाढ़िनकी
बधाई ॥ शहाना ॥ जीवेजीवेजीवेतेरालालसलोनीजच्चा॥
हिलकिहिलकिहियमेंनितलागे किलकिकिलकितेराबा
ल । सलोनीजच्चा॥ रहसिरहसिहँसिहँसिमुखचूमहुहुल

सिहुलसिदोंउगाल । स० ॥ बालकेलिसबखेलिल लाजू दिनदिनराखेनिहाल । स० ॥ नाथसाथनित गोदखेलाओपाओमोदविशाल । स० ॥ ४ । २ जुग जुगजीवेतेरालालभैंडुलवा । दूधवतासापीवेदिनदिन जीवे छनछनहाथवजावेकडुलवा ॥ चितचोरेहँसिहँसि थोरेथोरे हलकोरेकलकंठकंठुलवा । लालपीतनौरँगि याकुलहिया फहरफहरफहरायभँगुलवा ॥ नाथसाथ भुनभुनियांपैंजनियांभुनभुनछुनछुनकरैचुलबुलवा४। ३ ॥ देश ॥ बिलसतपालनेश्रीरामै॥ विबुधबुधमुनिमन सुमोहनश्यामछबिअभिराम । पालनाजहँहालनाद्युति तड़ितजड़ितसकाम ॥ सहजअनुजसहितभुलावति नृ पतिकरवरबाम। मनहुंडोलतहलतमुकुलत सुघरतर तरुकाम॥ किधहुंरतिशुकसारिकाके साजिपिंजरधाम॥ हिलकिहिलकिकिलकिउठत लखिभँवरभूमरश्राम। मातुरघुनाथहिंपुलकिभुकिउभकि पकरतदाम ४ । ४ ठुमरी ॥ लखनऊकीचाल ॥ छबिसुन्दररघुवरकीसुहाय धूसरि बनायसगरीदेहिया। जनुलागहियेचंदाकोदा ग छाईअकाशधौंबादरिया ॥ अंगुरीछुड़ायदौड़तहैंजौ यमहिगिरतधायपकरेसखिया । पगडगमगातकंपतहै गात भंपतहैवारमुखभालरिया ॥ धरिहाथजातमाइन केसाथ रघुनाथबालछबिमोहनिया ४ । ५ ॥ खेम्टा ॥ अँगनबिचखेलैमँगनचारोभैया ॥ रामलषनअरु भरत शत्रुहन लटपटचालचलैयां । भीनीभीनीभलके भँगुलियाकुलहियाकालेकेशलुटरैयां ॥ नीलेपीलेशिख

रपैसंपोलेडोलेसुघरलहरैया॥ नाथहँसनद्युतिदसनदेखि
कैमैयालेतबलैया ४।६॥ कलिंगड़ा ॥ मोटीमोटीवहियाँ
धनुहियाँछोटीरँगीलीलिरिया सजीलीपीलीसोहतकम
लकर। ललितपनहियाँकुलहियाजुन्हैयानैया पीली
लीऋँगुलियाबिजुलियाज्योंघनपर॥ सरयूकेतीरेतीरे
फिरत्हेंडीरेसीरे भाईसंगधीरेधीरेपीरेपीरेकाछेवर। ब
नठनशिशुगनफिरैसंगहरखन करनिलकुटियाभृकुटिया
चढ़ीऊपर॥ कारेकजरारेऋनियारेमतवारेनैना फिरत
तिरीछेतनघायलसबहिकर। ऋलकछलकरहेसानहु
रूलकरहे युगलसँपोलेखोलेदरपनपैसुघर॥ केसर
केखोरकौरसोहैंमोहैंऔरलौर यामिनीमेंदामिनीधौंदी
सैघनबनतर। साथेलामीचोटीगाँथैऐसेशिशुगनसा
थें मानोनिशिनाथउडगनसाथसोहैंवर ४।७ माईएक
योगीभोगीभूषनबनायआया॥ नागिनीकेबालाहलेना
गनकेमालागले छोटेछोटेसाँपनकेकंकनसजायआया।
लोचनकुटिलजोहैंतीनहुललोहैंमोहैं गलेमुंडमालसोहैं
भस्मरसायआया॥ जटाजूटधारीबूढ़ेबैलकीसवारीभा
री सिंहीनादप्यारीडिमडिमडमरूबजायआया। गा
वैगुनगाथतेरेसुतहीकोयोगीनाथ चाहेप्रीतिसाथदरश
लहीकेकाजआया ४।८॥

—o—

रघुनाथाष्टक॥

दंडक॥ जानकीरमणशुभकरणअशरणशरण। शर

दशशिवदनसुखसीवसुखमासदनकान्तिकोटिकमदनसु
म्नन्नतसीवरण १ पीतवरवसनतनदामिनीद्युतिहरण
लुब्धयनयनुरुहितपद्ममनिआभरण। कुन्दद्युतिदसन
म्हुहँसनमुनिमनलसन नीलनवकंजविचसंजुजिसिरो
रुकण २ सुभगसिंहाऽसनाऽसीनसिंहासने तूनअसिक
सिकमरशरशरासनधरण। वामवरवामगुणधामदाहिन
लषण ललितसितचमरकपिवरसुसेवितचरण ३ मनुज
अरुदनुजनिजअनुजखगमृगनिकर सकलसमकरअ
धमतरणतारणतरण। अतिअनाथादिकेनाथमंगलक
रण जयतिरघुनाथहितसाथआरतहरण ४।१॥ मल्हार
रामाष्टक॥ आजतोसखीरीदुइबालकदिखायेहैं॥ नृपके
बजारेप्यारेदशरथजूकेबारे रामओलषणनामवारेउत
आयेहैं १ कारेगोरेवारेभोरेचितवतचितचोरे थोरेथोरे
हँसिमनजनकोलुभायेहैं। दृगअनियारेरतनारेकजरारे
कारे चिकुरसँवारेघुंघुवारेजोवनायेहैं २ काननकेदोउ
तटराजतकुटिललट मानोनटऐसेआलीआहिलटकाये
हैं। एकधनुकांधेदूजेभौंहँनिकेसाधेनाधे प्रेमीमनपंछीके
शिकारचितचायेहैं ३ इनकेजनकअरुजननीकोधनि
धनिजाकेगृहऐसेमनिमनिसुतजायेहैं। नाथकेभवनअ
सकवनश्रवनसुनि बारेबूढेजोनउठि देखिबेकोधायेहैं
४।२ देखीरीसखीरीदुइकुँवरजोआयेहैं॥ जनकन
गरघूमे डगरवगरभूमेजगरमगरभूमेमनिसेसेवायेहैं १
रामओलखनशुचिलखनमेंलागेरुचिमोरकेपखननुचि
कलँगीलगायेहैं। कुंडलकिरिटसोहैशशिमंडलमें मो

हैं मानोमिलिवुधगुरुभृगुशनिधायेहैं २ कैधोंनील कलशलसतनवपल्लवते कैधौंगिरिवरपेकलपतरुजाये हैं । शोभितदुलाकमानोशुकनासिकाचलाक मुखश शितेंसुधालैभागेलोचुआयेहैं ३ कुंडलझलकरहेअलक छलकरहे अहिज्योंललकरहेअमीघटपायेहैं । बातेंजो कहीसखीरीतातेंदूनेहीलखीरीटेकमिथिलाकेनाथरखीरी भुलायेहैं ४ । ३ आलीदुइपथिकमनोहरआवत । एक सघनघनसेद्युतिदूजे चंदहिमंदकरावत १ तिनबिचका मिनियामिनिमेंजिमि दामिनिद्युतिदमकावत । अतिआ नन्दअरुमंदहासयुत गतिगयन्दसकुचावत २ अतिसु कुमारिपियारिनारिसखि बारिवैसदुखपावत । गाततीन वलखातसखीरी डगमगातपगधावत ३ जटाजूटछबि छटाछूटछितिपटापीतफहरावत । नाथसाथदोहरेधनुशा यकधायकपैमनभावत ४ । ४ दुइपथिकहमारेमनसोहलि ये ॥ ललिललिलासितसीयहजोरी मृगनैनीतिरवेनीकि ये १ गुरुगंभीरबीरधीरनमें निजनिजनीरजनैनलिये । जेहिरुखदेखुखखोलतबोलत सोजनुपरमपियूषपिये २ कोरेंदोउसिकोरेतापै चितचोरेचुनेचतुरधिये । लागतए कहिशरनजियतकोउ येदोहरेलगिकौनजिये ३ जोयहि पथिककियेदिकधिकतेहि कौनअधिकदुखइनहिंदिये । नैननवीचखींचछबिराखहुप्राननाथइनहींगुनिये ४।५ ॥ चंचरीक ॥ आलीलखुबाटबीचसुघरवरबटोही ॥ नीलध वलमनिसरूप ताबिचतियअतिअनूप मनहुयुगलयूप माहिंकनकलतासोही १ सुघनसघनश्यामश्वेत कलित

ललितछविनिकेत कामेनिजिमियानिनिविच दामि निद्युतिसोही ॥ जटाजूटविचप्रसून कमरकरोसुघरतून सनमथरतिहूंतेदून करकमानमोही २ पीकरश्रमसीक रलखि तीकरदुखभीतरदुरि क्षुधितमरालीनिरालीमो तीमनुजोही ॥ परमसतीसुमतीलखितीकीगतितीकीस खि पीकीपगरेखनपैतासुपगनहोही ३ सुधाशीलऐनख रैनैनसैनमैनभरे भौंहैंसखिसौहैंजिमिलागतीसिरोही ॥ नाथहूंसेकहोधायथोरीदूरसाथजाय याकेसखिमायबाप कैसेनिरमोही ४।८ ॥ झँझौटी ॥ राघोजीराजनमेंमहराजा श्रौरसवैयुवराजा ॥ विदितनरेशदेशदेशनकेपूजतसहि तसमाजा १ दिगीदिगेशधनेशशेशसुरसेवतनितदर वाजा ॥ सकलपुरेशसुरेशत्रेषलघु किन्नरेशालियेबाजा २ अड़ेरहतसवखडेपौरिपै दर्शनकेसुखकाजा ॥ सिंहासन घीरासनजौलौं श्रीरघुराजविराजा ३ निजनिजपदसाध्रे करबांधे जितवितानवरछाजा ॥ प्रथमवारदरबारदीनको नाथगरीबनेवाजा ४ ॥

हनुमन्ताष्टक ॥

दंडक ॥ जयतिहनुमानहनुमानमदरिपुनकर ॥ जयति पिंगाक्षिसिंहाक्षिकरिकुक्षिकहूँ मक्षिकातुंडइवभुंडदानव निकर १ देतफटकारिसटकारिअमरारिपरलोललांगूल सुपसारिअनुकूलपर ॥ सनहुंइन्दीवरहिंओसविन्दीपर हिंश्रवतश्रमसीकरहिलूमपरभूमकर २ बाहुआजानु

सुकृशानुशिशुभानुद्युतिकरतपरमानुसमसुगमतरशिख रवर ॥ कुटिलकरकर्णमृदुपर्णशाखादिप्रियस्वर्णगिरि वर्णयुगयुगअजरअमरतर ३ चलतहिलउर्म्मिलाचूर मिलगिरिशिला शब्दकिलकिलासुनिदानवीगमेहर ॥ पीतउपवीतअतिप्रीतरघुनाथपद हाथधरगिरिगदास वेदामोदकर ४। १॥ भैरव॥ दुखदलनरिपुशीशमथनजे पवनसुवनलटकीलेकी ॥ अतिअनूपसुवरनसरूपजेजे रविरूपरँगीलेकी ॥ कलितकिरीटकूपीटभाँतजेपीतवस नचटकीलेकी । लोललँगूलकसेदुकूलवरजेजेकाछकछी लेकी ॥ सुखअभिरामअरामग्रामगुणजेसियरामरसी लेकी । सियसोधलायचढ़िलंकजायजेदूतरायमरमी लेकी॥लंकजारिउपवनउजारिजेभक्तउबारसुशीलेकी। नाथहिरखसुतजानमानजेहनुमानहठीलेकी ४।२॥ षट्॥ कोपपवनकुमारकहतकरिहौंसंहारखलदलमहिरा वन । पैठेधायपतालजाय निरखतसुहायवहदेशसुहा वन ॥ प्रतिमाबीचसमायआय लागेछपायबहुभांत पुजावन । खानखानपकवानसुमेवनखानलगेकपिव रसमुहावन ॥ अतिहिअसुरहुलसायकुँवरनहवायल ग्योबलिदानचढ़ावन। तेहिछनत्रिजनजानमानकरि ध्यानलगेहनुमानमनावन॥ प्रकटेधायलफायलमलागे हूँभूमपंजरचटकावन । रघुनाथसाथअनुजहिचढ़ाय काँधेपैलायलगेधन्यकहावन ४।३॥ झंझौटी॥ श्री हनुमानमानमदभंजन । निशिचरनिकरमत्तकुंजरवर तापरकेहरिअरिगनगंजन ॥ सकलसुकृतअभिधान

ज्ञाननिधिगुननिधानअतिसुन्दिरनखंजन ॥ कोटिकभा
नुजानुअतभुतद्युतिचंचलचपलनयनयुगकंजन । इक
करगोलशिखरवरदुजेगदागोलगुरुगदहिविभंजन ॥ क
टिकछनीकाछेअतिआछेवनिठनिवीरवेषमनरंजन । ला
लीलूमलूमरहिचौदिशभँवरभक्तपरफेरतकंजन ॥ श्री
रघुनाथसाथसवहीछन बसतलसतनयननजिमिअंजन
४ । ४ ॥ मारुतनंदनकेपदवन्दौं । विकसितअसित
कंजमंजुलसेतेहिमिलिन्दसमसेइअनन्दौं ॥ शमन
सकलसन्तापतापतमपापदापदलमलदुखफन्दौं । कलि
मलसकलधोयचरणोदक मोदकलहिप्रसादनिरद्वन्दौं॥
श्रीकपिनाथगाथगावतनित आवतसवसुखदुखहिंनि
कन्दौं ४ । ५ ॥ कलिंगड़ा ॥ लालीलालीदेहियां
अँगुलियाभीनीसजीली कुलहीछबीलीसोहैअंजनी
नँदनके । करमेंकड़ूलाछाजैकंठमेंकँठूलासाजै पगमेंपैं
जनीबाजेंहंसकेफँदनके ॥ रुनुझुनुरुनुझुनुझुंझनी
जोबाजैकर कमरमेंकिंकिनीहूंराजैसुखसदनके । मनिम
यमालागलेकाननमेंबालापरे मानोवकमालाघनलाल
बदनके ॥ देखतदिवसनाथदोऊलपकायेहाथ खोलेइ
कसाथछोटेछोटेसेरदनके ४ । ६ केशरीकिशोरतेशोर
चहुँओरही । दीनदुखदालनमेंअरिकुलघालनमें दास
नकेपालनमेंफेरैंकृपाकोरही ॥ प्रथमसुसन्तनमेंबरबुधि
मन्तनमें असुरअनन्तनमेंरबिघनघोरही । राघोजीके
यजनभजनजनहूंतेचाहैं अपनेपूजनतेसदाहीमुखमोर
ही ॥ डारोदूरकलिमलटारोपूरदुखदल मारोचूरकरि

खलनाथहाथजोरही ४।७॥ खेमटा॥ मोसेदूरैविपति यारहेतुसदा बजरंगीकीहैंअड़बङ्गीगदा ॥ शूरथार करिचूरचारतोहि एतनौपैहोइहैंजोहोइहैवदा। सिंधु कछारीमैंछारीमैंतोको फेंकिहैंहवाकेघोड़ेपैलदा ॥ हा लहिँकारपुकारकरौंना दुखरासुनाऊंजोकालिकदा४।८॥

कृष्णजन्माष्टक॥

सोहरमंगल॥नन्दकेनन्दनभयेहैंसखीरीआजरी। अ बसबहोहुआनन्दबधाईसाजरी ॥ अक्षतरोचनदूबहू बतेलावरी। लेसबसाजसमाजबधाईगावरी॥ सकल शिंगारसँवारचलहुजहँरावरी। निरतहुविविधप्रकार धारएकभावरी॥ हिलकिहिलकिसनपुलकिललकिल लनाभली। जिमिजीतनकोमैनसैनरतिकीचली॥ सनि मुक्ताभरिभारआरतीथाररी। करतिमंगलाचारलहति फलचाररी॥ चलीअलीसबहुलसिजहांब्रजराजरी। लखिलखिकेब्रजनाथकलुखदुखभाजरी ४।१॥ झंझौटी॥ बधाईलैधाईसबब्रजनार। कोउनन्दहिकोउउपनन्दहि देतबधाईजुहार। ब० १ अतिआनन्दनिरद्वन्दयुवतिज न गावतविविधप्रकार। बन्दनहींकहींजातजहींतहींखु लेसकलदरबार। ब० २कोउपगपरसिकोऊकरधरधररो कतकोउपटधार। लैभागेजेहिहाथजोलागेजिमिकुबेरभं डार। ब० ३नन्दमहरहिरसिहितआशीशत चूमतबारहि बार। सुरगनगगनसुमनघनबरसत जैब्रजनाथपुकार।

द०४।२॥ दधिकांदौकेपदाभरवी॥ दूगरीहूनमिलैंनगरीसें। कालिहितेआलीमिलिजुलिकेजोरिबटोरिधरीकगरीसें॥ सोराहिंकीनिकरीजोअलीरीढूँढ़चलीरीगलीसगरीसें।सो नटकालियेहूनदियेकहूं जोनगिनीयुवतीरगरीसें ॥ जो कोउसखीरखीकाहूहित देतनकेलिकहूंमगरीमें । ताप रग्वालवालबालाते देखतछीनछोरडगरीसें॥ विविधउ पायपायपरिहारीतबहुँनपायधायदगरीसें । खालीहा थनाथघरजैहोंताते घोरहरदगगरीसें४।३॥ मेघटा ॥ लेके चलोब्रजबीचहैंरददही । मृगमदकुंकुमघोरिअरगजा माचीदहीमहीकीच ॥ आजकाजकछुऔरनहीं है याहीं कीहोरहीखींच।नाथसाथसबखेलतमेलत गिनतनऊंच रुनीच४।४ दधिकंदौकीमाचीबिहार । चलमोरीगोइयां बिहारकरें॥दोईपहरहरसुखबरसतहैंबर्षावसन्तनिहार। मटकीचलतलेइशिरमटकीचटकीलीब्रजनार ॥ नाथसा थसबहिलिमिलिगयेजिमि भादौंनदीएकतार४।५ दधि कंदौंमेंजाकेअनंदौंगीसें । अवरुकूनकीनहींरीनहीं ॥ एसतियंदोसुनोनेरीनन्दो नाहककोक्योंरोकेटोकेलहीं । तजिसबफंदोकोहरिपदवन्दो पाओगीफलतोमानोगीस ही ॥ सुनभेरीसजनीनहींरहीरजनी तूभीचलेरेकेहलदी दही । नाथसाथसबहीहिलिमिलिके खेलोखेलाओंड डाओदही ४।६ झंझौटी॥ शुभदिनआजकोमाई माई भागनसे ॥ सबछबिधामश्यामसुन्दरबर महरिहारिहिं सुतजाई॥ माई० १ जिनजायेतिनकीकहाकहिये जिन देखेनिधिपाई ॥ सोचारोफलकोभलपाये पूरबजन्म

कन्हाई ॥ माई० २ ऐसोसुवनकहूंत्रिभुवनमें विधिना नहींउपजाई । नेहलताकीयूपमनोहर अतिहीअनूप सुहाई॥ माई० ३ मंगलसाजसमाजसाजिसब ब्रजयुव तीजुरिआँई। बालयुवतिविरधासरधायुत आँईसबबरि आई॥ माई०४ निजनिजकाजलाजतजितजिके रूपअ नूपबनाई । सबसखियांपावसनदियांसी मिलीहैंनदहि जिमिजाई॥ माई० ५ गावतगीतप्रीतयुतअद्भुत निर ततआंगनआई । भरिभरिभारदहीमहीलावत कंच नथारसजाई॥ माई०६ तेहिराखनहितथलनमिलतति त तबसबदीन्हलुटाई । कहतकन्हैयालालकीजैजै ग्वा लरुबाललुगाई॥माई०७ नाचतकूदतखातखवावत द धिकीकीचमचाई । सबब्रजनाथसाथहिलिमिलिगये ऊँ चेनीचेनाजनाई ८ । ६॥भजन॥ षट्॥ तुमरेकुलकेपरम पूज्यगुरु गर्गस्वर्गतेआयेनन्दजू। करपदरेखदेखतुव सुतके फलसबचहतसुनायेनंदजू॥ कुलिशकलशगि रिमीनछत्रध्वज कमलकलपतरुपायेनन्दजू। स्वस्ति कपदिकशंखजौखगस्रग हरशिरसबसुखछायेनंदजू ॥ ग्रामधामहयगजसुशीविका बाहनविविधबँधायेनंदजू। अष्टकोनषटकोनत्रिकोनहु तुलाभँडारभरायेनन्दजू ॥ घंटाचक्रशूलअसिरविशशि रिपुनशितेजबढ़ायेनन्दजू। ऊरधरेखविशेषआयुकर त्रिभुवननाथबनायेनन्दजू ४ ७॥गौरा॥ हरिजूकोपलनाभुलावें ब्रजललना। शेषसँ भारसकेनभारजेहि तेहितियहाथपरेहैंअबहलना॥ यो गीजनकेजोमनोहिंनआवत तेहितियसाथबिनाकबौंक

लना। जोनहिंढरतयोगजपतपतै ताहिगोदहि चन्न्नसु
वाढलना ॥ आठोयामधामवरपालुख जोलहेशीतहि
मालयंगलना। सोनहिलहिअभिरामश्यामछबि जेहि
ब्रजबामसंगपरेचलना ॥ धन्यमहरिजिनहरिसुतजायो
ऐसोसुवनत्रिभुवनकोउथलना। हिलकिहिलकिब्रजना
थकिलकिउठैकोअसंतियहियजाकोविह्वलना ४।८॥

—※—

राधिकाष्टक॥

झँझौटी॥ प्यारीजीकेबैनसुशीलेहो। सबसुखशीलभ
रेहो ॥ फरकनिफुरनिधरनिअधरनकीरसरसहँसवसकी
न्ह। मृदुलमुखमंजुमुरीलेहो १ मृदुमुसकानपानविननी
के लालीलहलहमीन। विवप्रवाललालमनिईंगुरपल्लव
नवद्युतिहीन॥ कुरंगभयेदेखिरँगीलेहो २ मृदुकलहंस
वंशवांसुरियासुंदरबीनप्रवीन। कोकिलकीरअधीरसारि
का पपिहाछीनमलीन ॥ सुनतश्रुतिसकललजीलेहो ३
विकसतमुखघूंघुटमेंनिकसत धुनिनईनिपटमहीन। मूंदे
मधुपमनहुँनलिनीदलगुंजतशबदनवीन॥ नाथसुनिस
येहैंमतीलेहो ४। १ प्यारीजीकेचरणचुनीलेहो। अति
रँगरूपभरे ॥ डोलनिहलनिचलनिपावनकी लखिलज
गजउजरे। भयेतवहींतेंवनीलेहो॥ अतिरंग० १ ईंगुर
तेंअतिहीगुरुलागेरंगमजीठरे। चूनीकीदूनीद्युतिसू
नी मेहँदीनहिंउभरे ॥ भयेफीकेजोरँगीलेहो २ कहतसु
नतलागतअनारपत्रगुलअनारसुथरे। पावकजपानपा

वतनेकहुंजावकनहिंउघरे ॥ भयेजड़द्वैयलजीलेहो ३ कै ठौंउतानतानतरवाजहँकुंजनिपुंजहरे। उदयकालविद्रुम नहुंवालरविरंअजालनिकरे॥ नाथदृगकंजसुखीलेहो४। २ आजगलीमेंलली मिलीभोरही ॥ रवम्फलकनिछम कनिपैवारों यकयकयोरपैहंसकरोरहीं । दामिनिकीदम कनिहिंफीकी अलकनिहैजिमिघटाघोरही ॥ दांतपांत वकमिसीलसीहै तारेजनुधारेनिशिघोरही । अँटकेमन लटकेलटकेबिच तापरतेखटकेदृगकोरही ॥ इकटकअ टकरह्योमनमेरो लखिजिमिचंदचकोरकोरही । पगकर केठोकरदैदुरिगई नाथकसकनिकैसेनमोरही४।३ आज चलीजोंअलीविसभोरही ॥ हौंनिकलीरीकलीतुरिवेको कुंजनपुंजनचहूंओरही । वामेंछिप्योछयलमथुराको. तु रतधरतकरमोरजोरही॥ हौंमैंचकईरहीअचानक इकट कजोहनमोहयोरही । कछुनहिंकरतबनतसखिमोपै वह लंगरधरकरझकझोरही ॥ हौंअचेतसीचेतननेकहु व्र हचंचलचितचितैचोरही । भरिअंकवारसंभारचेतपुनि जायदुरेहरिकुंजओरही ॥ वाहिबुलाओहियबिचलाओ जियोंनाथलखिनैनकोरही४।४॥ झंझौटी ॥ अलबेलीअ लकरकीछलकैकपोलनि। मानहुँयुगलअमलदरपनमेंसों हतसुधरसंपोलनिडोलनि १. कुइफनिमनिदुइवगलउ गिलधौं खेलतअतिताहीकेअंजोरनि ॥ उड़नहारअ हिकारउड़ेलै मुखशशिमाहिंसुधाजोअतोलनि २ कैधों फटिकशिलापरसुंदरअपराजितालताकरमोलनि ॥ कै धौंशखरमेरुपरमृदुतर सुरतरुकीशाखाकरझोलनि३

कधौंनुखसरोजपरसोजहि न्‍ ूनिकरआँधिगुरुगोल
नि ॥ बीच लोनाथपृथिताँदं घनकलंकनकेदिये
खोलनि ४। ५॥ ठुमरी ॥ ललनोटी ॥ यहनागनिधाकीनै
नचोरजियमाहिंदरकिगईहो ॥ रतनारेकोरकजरारेअनि
यारेअतिहीहठियारे।मतवारेप्यारेनैनालखिआँखियांफर
किगईहो ॥ कोर ० १ अंजनविनुमनरंजनजीके
खंजनमीनस्मृगासवहारे । कंजनकेजमालिपरे फव
सबकीमनकिगईहो॥कोर०२ गरवीलेअनिकुटिलकटी
ले नरखीलेचित्तचोरनवारे । कसकसकिरहेनिकसतना
हीं नोरीछतियांदरकिगईरे ॥ कोर० ३ कुंजसैलकरिजा
नोनरसैकलचललछलकारिछैलछलेरे । अवनाथवेहाथ
भयेमखियां दोउआँखियांअरकिगईरे॥कोर० ४। ६॥
भैरवी ॥ कसनहरोममवाधाराधा ॥ अवसवदेवनके
तजिसेवन तुवपदपदुमनिसाधा १-श्रीराधाराधानिशि
वासरहौंयाहीरटनाधा । जपतपसंयमयोगयज्ञव्रततजि
तुमहींअवराधा २-नहिंउमरावरावराजाहौं नहिंपंडित
अरुपाधा । चेरोनेरोपौरिपैकोहौं कसनाहिंकरतिअवा
धा ३ कृपाकोरसमओरहेरिकैकरसीरोडरदाधा । नाथ
हाथधरिवेगिजिकारहु बूड़तसिंधुअगाधा ४। ७ श्रीरा
धाजिननासअराधा॥ताकेपासत्रासनिहरिकोरामहुँ
सुन्दरश्यामहिंसाधा १ जपतपयोगयज्ञव्रतसंयमतिन्हे
मनहुँसबसुरअवराधा १ भुक्तिमुक्तिविनुयुक्तितासुकर
आवतिआपहिआपअबाधा २ मनक्रमवचनसहितहि
तनिशिदिन जोराधाराधारटनाधा । रोगशोकपरिताप

तापत्रयहोतनहींताकोभवबाधा ३ स्वारथपरमारथल
हिदोऊसोसबहीदुखदारिददाधा। श्रीव्रजनाथसाथवि
हरतनित तरतश्रतभवसिन्धुअगाधा ४।८॥

—— ० ——

यमुनाष्टक॥

दंडक॥ जयतिरबिनन्दिनीसकलसुरबन्दिनी। अमर
बरभ्रमरगणउरसिमृदुकंजिनी॥ मुनिमनसिरंजिनीहरि
कुमुदचन्दिनी १ विमलवरवारिधृतयुतसुमरकनशिला
ओघअघहारिफलचारिसुखकन्दिनी॥ चपलचलवी
चिसुमरीचिरविखींचितेहि इन्द्रधनुपांतियहिभांतिसुख
कन्दिनी २ बजतनितभल्लरीविशदस्वरबल्लरी किन्न
रीकरतिश्रारतिमहाऽनन्दिनी॥ दीपप्रतिबिंबजिमिबिं
बरविबारिबिच मनहुँआयेमिलनकाजनिजनन्दिनी ३
चन्द्रसुमयूषपीयूषयुतलहरबर मनहुँमणिनिकरसुखमा
सकलफन्दिनी॥ नाथनतिसाथनिजमाथनायेकहत दे
हुतटवासगुनिदासनिरद्वन्दिनी ४।१॥ चंचरीक॥मु
निमनआनन्दिनीचकोरश्यामचन्दिनीसुरेन्द्रवृन्दवन्दि
नीकलिन्दनन्दिनी॥मज्जतअतिहीअनन्दगातिमतिरति
कैअमन्दकाटतियमफन्दसकलसुखप्रबन्धिनी॥लहरति
अतिविविधबीचिलगेकरदिनकरमरीचि मनहुँखींचिगु
थितमालमनिअनन्दिनी। हिमगिरितेगिरीधारसुन्दर
वरबिमलबारि मरकतद्युतिटारिचारिफलनिबंधिनी॥
पावनतवपाथनाथपावनहितजोरिहाथ दीजैनितप्रीति

साथदुखनिकंदिनी४।२ जयजयबहुरंगिनीविशालहगकु
रंगिनी मुरारिप्यारिसंगिनीकलिंदनन्दिनी । सकलसुर
सुरंजिनिनिजजनमुनिमनमंजिनि अतिश्यामसमधुपकं
जिनिघनसघनअंगिनी ॥ विपुलविमलतरलधारपापी
हितअतिअधारपापतापतरुकरारचश्रविभंगिनी। जेतेब
हुरंगजीवकीटअरुपतंगछीवसेवतबिनुयुक्तिमुक्तिदेउमं
गिनी ॥ राखहुनिजसाथनाथहूंकौकहेजोरिहाथगैहेगुन
गाथतुवसदासुरंगिनी ४।३ ॥ भैरव॥ जयजगबंदिनिस
बसुखकंदिनि आनन्दिनिजयकृष्णप्रिये। हरिमनरंजिनि
मुनिमनमंजिनिअगतिविभंजिनिसार्द्रहिये॥जयकमला
शिनिपुण्यप्रकाशिनि ज्ञानविकाशिनिमोदकिये। सखिसु
खराशिनिपरमहुलासिनि सेवतिसुरमुनिनागतिये॥चहु
भुजधारिनिअधमउधारिनि करनिअभयबरकंजलिये।
तारनितरनिहरनिअघओघनि मरकतमनिद्युतिमुदित
हिये॥इनकेनखशिखकेसुखमाकी उपमाकछुनहिंनाथदि
ये।सुंदरश्यामसमश्यामहुइनसमलहिसबफलजलकन
हुपिये४।४॥झंझौटी॥ यमनाकहतलहतलहियमनां। जे
मनवचक्रमयुतनितसेवत ताकेभुक्तिमुक्तिकछुकमना॥
कालिन्दीइन्दीबरद्युतिके ध्यानकरतानितनितचितअम
ना। जपतपयोगयज्ञव्रततातोइन्द्रिनकोचहियतशमद
मना॥मज्जनकरतअघीसज्जनबन करतआचमनरह
तअधमना। पापीमनमृगकेविहारहित यमुनातीरसीर
जनुरमना॥ कहियमदूतअकूततरतखलखलुजनलोक
मेंजानकोहमना। सुनहुनाथभगिनीनगिनीकछु अधम

नकोवैकुंठअगमना ४। ५ अमुनारीतिसेवयमुनामन। सनकअबचनसहितहितयुतनित कलछलछोड़िमोड़िमु खजगसन ॥विषयविरागरागद्वेषहिंतजि मदअभिमान मानमायाघन । सोहकोहअरु लोभछोभनशि करुअव रोहश्रोहतजिकुलजन ॥ करुआचारविचारचारुशुचि तजतेतेजेतेनररिपुगन। शिथिलगातसबहोतजातअब अजहुंनतजहुनेकुनिजजड़पन ॥ नशिअघओघअमो घयलनकरि समतात्यागिधामधरनीधन । नाथहाथक वहींचाढ़िजैहैंसेवतनितप्रतिकुंजकूलबन ४। ६ ॥ ठुमरी लखनऊकी ॥ यमनादरसेयमनापरसेगमनासरसेसुखक्षे मना। हरिदूतजगैयमदूतभगैं भयसेकहतेहमनाहम ना ॥ परितापिहुपापिहुस्वच्छमहाजोनहायमनाविचशु ध्दमना । प्रेमीनेमीयमनाकरजै धरमीकरमीउनकेस मना ॥ मननाथकुरंगसुरंगसदा तवतीरकुटीरमनोरम ना ४। ७॥ खेमटा॥दादरा॥यमनातीरेबसोसीरेसीरे। झुं झुकिझूमरहीझूमरसी टेढ़ीतमालीलितानीरेनीरे। झरझरपरतफूलकूलनपै भिरभिरवायुचलेधीरेधीरे॥ पुंजकेपुंजमंजुखगमृगधुनिभौंरागुंजैनिकुंजकुटीरेवृन्दा रकावृन्दवृन्दावन बसैंतहँनाथैंबसावतीरेतीरे ४। ८॥

—०—

बलदेवाष्टक ॥

दण्डक॥ जयतिरेवतिरमणशरणजनशंभरण॥ दामि नीदर्पणद्युतिकुंदचंपकहरण रत्नआभरणपटसघनघन

अनुसरण १ काकपच्छाऽवलीकलितकुन्तलाऽवलीकेकि
पिच्छावलीस्वच्छकुंडलकरण। अंगसुत्रिभंगछबिनैनसा
नंगवरसकलसारंगनयनीसुसेवितचरण२ विशदबिकटी
विमलयुगलभृकुटीतरल ललितलकुटीप्रभाभूरिसुकुटी
सुगण। संजुमंजीरपदकंजरंजितसहा किंकिनीरणित
अलिपुंजगुंजाऽभरण३ मंदसुखहाससविकासकचफन्द
युत कंजपरभ्रमरगणवासकीन्हेंसप्रण। जयतिव्रजनाथ
धृतहाथवरमुशलहलंराशि ललिताकुशलयुवतिजनमन
हरण ४। १ श्रीवलदेवदेवबुधिनीकी ॥ यहव्रजवासखा
सकरिजामें होयआसयाहीअवजीकी। चरणशरणमें
रहौंसदाही तुमरेअरुतुमरेभाईकी ॥ देवनकोसेवनत
जिसवही जिसिपियसेवानितहिंसतीकी। तजिनिजधाम
ग्रामपुरवासहिं, होयवासतवकुंजकुटीकी ॥ चरणोदक
मोदकप्रसादलहि नंदलला वृषभानललीकी। तातमा
तसुतभ्रातनातहित छोहमोहतजिनिजपतिनीकी ॥ रा
खहुनाथसाथनिजव्रजमेंदासनमेंआशायहीहीकी ४।२॥
झंझौटी ॥ दाऊजीकीछविपरहौंबलिजाऊँ। कुंदनकीदमक
निहैफीकी चंपाकहतलजाऊँ ॥ अंबरनीलमनहुँअम्बर
में दामिनिद्युतिदमकाऊँ। गातलीनअलखातमनोहरल
खिविनुमोलबिकाऊँ ॥ नाथहाथसोहतहलमूशल यहछ
बिमलनितपाऊँ ४। ३ दाऊजीकेरसउपजाऊनैना। तनि
कसीकोरसिकोरओरजेहि, तेहिंकछुकहतवनैना ॥ काजर
केकाजरइनआगे जबाचितवतकरिसैना। मनहुँनीलअ
रुलालश्वेतमनि जडेफूलमुँखऐना ॥ इकटकसाथनाथ

दृगजोहत मोहतमनअलसैना ४ । ४ ॥ कलिंगड़ातालच लता॥ दाऊजीकेनीकेनीकेनैनासलोने । काहूजोसतीके तीकेवाहूयुवतीकेजीके लुभैबीचहीकेचुभैदोऊलालको ने॥सुरमासँवारेकारेसुरमासेधारेदृगसानोजगमरकरम रैयासैटोने।सोहेचितचोरीचोरीबातैंकरिभोरीभोरीहाँसी थोरीथोरीवाकेबैनननैचोनै॥जोरीब्रजनाथजीकीजलन मिटावेजीकीऐसेरूपनहींकहींभयेनहींहोनेथे४।५॥खेम्टा॥ दादरा॥दाऊतेरैनैनाहठीलेलड़ाऊऐंड़तअड़तलड़तपड़ तहिंदिठि मानोमतवारेमतंगभिड़ाऊ॥ उझकतझुकत झँपतझाँकेसे खंजनमीनमृगासेखेलाऊ॥घूमेझूमेझुकि झोंकेसेलागे धोखेसेजोकोऊआवेअगाऊ ॥ नाथसाथ सैननकेनैना प्रेमीनेमीकेहैंमनबहलाऊ ४ । ६ दाऊजी केनैनाबड़ेअलसैना । झूमतझुकतझँपतझाँकतहीझ लकतजैसेभरेमदऐना ॥ लालेलालेडोरेपरेलालेकेरे चितवतहीचितचोरेसुसैना । रेशमकेसमऐंठनजाकी उलझनतेकबहूंसुलझैना ॥ श्रीब्रजनाथसाथकीजोड़ी अँखियांनिगोड़ीजोलखिहुलसैना४ । ७॥खेम्टा॥भैरवी॥ देखोदाऊकीकैसीरिझाउछटा। ऐसाकौनजोनयापैलटा॥ गोरेगोरेगातसुहातप्रातसे थोरीरातसमनीलेपटा । नी लेबसनभूषनरतननके भोरेभोरेमानोकारीघटा ॥ भौंहें सौंहेंजिमिसोहेंसिरोही सैनोसेखेलैहैबांकपटा । बालोंके जूरेजुरेशिरखूरे नाथभोलेकेसेसाँपैंजटा ४ । ८॥

कृष्णाष्टक॥

दंडक॥ जयतिराधारमणसकलकलिमलहरण। सघन घनवरणछविकामकोटिकदरण कुंजवनपुंजविहरणसुर सिकाऽचरण १ जयतिधनपतितनयउद्धरणमुदकरणज यतिगिरिवरधरणस्वजनतारणतरण। पूतनापूतकरितृ णाऽवर्त्तादिहरि शकटरिपुविकटकरप्राणकरिविभ्रमण २ जयतिविधिमानमदशमनकालीदमन जयतिदावाग्नि आचमनकरदुखदरण। वृषभवकवकअघाऽसुरखराऽ सुरसकलविकलकरप्रचुरदलअसुररिपुशूरगण ३ रजक चांडूरमुष्टकमहादुष्टकरि पकरिकल्लनिमुमल्लनिपटाकिग हिचरण। कंसविध्वंसकरिकालनेमादिदरिजयतिश्रीद्वार कानाथअशरणशरण४।१॥खम्माचतैलंगविलावली॥नं दननँदकेजगवंदनव्रजराजराजशिरताजछाज॥मुसुका तमंदपूरितअनंद निरद्वंदकुंजविहरतसुछन्द। छलकैजु फन्दअलकैंसुसाज १ गोपीविहंगतिलदेखिअंग धावत उमंगकरिप्रेमसंग। फँसिअंगअंगनहिंसकतिभाज २ तनसुघनसघनसोहतअनंद शिरमुकुटसनहुँपूरनसुचं द। व्रजयुवतिचकोरिनकीसमाज ३ वंशीकरधरयमुना केकूल कालिंदुकूलसुकदम्बमूल। सखिमूलनाथलखि गृहकेकाज ४। २॥ गौरी॥ मोहिंमिलेरी गोपालप्यारे गलियामें। वृन्दावनकरसाँकरखोरी मोरीओरीआवेटे ढीचलियामें॥ लंपटिभपटिभूमेमुखचूमे रसेजसलेअ लिकलियामें। दीठबचायपीठमोहिंदीन्हीं कीन्हीछलज सछलियामें॥ नाथहाथपंछीमनफनगये वधिकसेजुलफ

नजलियामें १ । ३ ॥ भैरव ॥ मोरमुकुटियासुघरलकुटि यानेकुबतादेरीमैया । कितैरखीरीतोहिपरखीरी ढूंढ़फिरे सबरीठैया ॥ ग्वालबालसवपौरिपैठाढ़े टेरटेरहेसुनवल मैया । आजअवारभईसबदिनते विखरिगईहैसरीगैया ॥ सखासँघातीसवगौंघाती ऐसैयाकेकुसलैया । बन बनसघनदूरकढ़िजैहैं कोऐहैमोहिंबुलवैया ॥ गहिअंच लयशुमतिकोचंचल अचलैयाकरैअँगनैया । नाथहाथ धरिधरिकरुओरतसोरतमुखहँसिनँदरैया ४।४ निधरक नितयदुबर परघरघरपरघूमें । करिवरढबिलुन्दरतर करिवरजिमिझूमें ॥ डगरमगरमरकतसम जोतिहोति भूमें । नाथसाथगोपनकर अगरबगरदूमें ॥ पकरपकर गोपिनकरबरबसमुखचूमें ४ । ५ दिनदिननवनन्द नँदन बनवनप्रतिघूमें । पशुगनघनगगन चारिहरवन जितजूमें ॥ बीननगइफूलफूल बनघनतितहूमें । भूलि सघनकाननतरु भाँतिज्योंकुहूमें ॥ काननविचकूकमारि मोहनसुखचूमें । जोनचहतनाथतौनकरतकाकहूमें ४ । ६ छैलएककरतसैलगैलगैलडोले । सखिगनलखिकरत फैलअतिअँठैलबोले ॥ राखतमनमांहिमैलचलतपैलटो ले । चित्तवतत्रितचकितवैलकीसीआँखखोले ॥ गेडुरि तुरिफोरिधैललखिलखिलखिसखिगोले । नाथहाथधरिउतैल जिमितैसैलबोले ४ । ७ साँगरदधिदानकुँवरकान्हसा त्वारो । मुरिमुरिमुसुकानकानकरतनाहिंकारो ॥ ठाढ़ोमग मेंउतानतानभुजनिप्यारो । तरुतरजिमिवरवितानतर लतानमारो ॥ हौंतोसनमानमानवन्नसवतिहारो । तुम

कौनाहिंआननिजगुलानमानटारो आनध्यानआनबान आनरंगवारो॥मगमहिँमस्तानननाथठानहठनकारो॥४।८॥

इय आष्टक॥

ठुमरी॥ सुनिबांसुरियाकीफूँकहूकहियमामोरेपरिगई रे॥कोकिलकूकचूकगयेधुनिसुनिमूकभयेपपिहामतवारे। विरहलूकलागीतामें मानोलिमकबूकदईरे ॥ हूक ०१ खगमृगमीनदीनतनव्याकुल पावतनहिंधावतसवहारे। जड़चेतनकोचेतनहीं केतनकोछललईरे ॥ हूक ०२ एकतोहूंसखिजैसकीथोरी दूजेहूंअतिहीबिसभोरी। तीजेगमनचोरीचोरी अबकाहकरूंदईरे॥ हूक ०३ तजिकुललाजकाजसबघरके उठिधाईधनरंककीनाई। जबनाथडालदईहाथगलेसबदेहियाँफरकिगईरे॥ हूक० ४। १। कारेकारेइनअलकछलकलखि अँखियांछल किगईरे ॥ मानहुँनीलशिखरगिरिवरते कारीयुगयमुनाकीधारी। तामेंदुइसफरीजोपरी इतउततेंछलकगईरे १ कैधौंमंदसुगंधमाधुरी लेइअईमदअँधआवरी। तातेंदुइभौंरीदौरी देखतहीपुलकिगईरे २ मानोफनीफुफकारीवारी नागिनियांकारीविषधारी। ताकेहितअमृतक्षीरी दुइप्यालीढलकिगईरे ३ नाथसाथअलकनिकी छलकनि तामेंलरमोतिअनकीहलकनि। अँधियारी कारीनिशिमें मानोतरईझलकिगईरे ४। २ इननैन कीनेकहिमेरोरमारेकरोरकईरे ॥ बिषकेनीरबुभेअतिती

छन नावकतीरतनेसेईछन। पीछनहींकेओरफिरेसनम्हग कईछललईरे १ बीरधीरकोउछांड़तनाहीं होड़कियेजि यतोड़दियेरे मोड़लियेकोरैथोरे । सबसुधिबुधिहरगई रे २ लखिजाकोहरवासवहारे फबवारेयहनैनदोधारे । धारेंअंजनकीबाढ़ेंबाढ़ेलखिरुचिनईरे ३ फेरिफारअँखि यनतेसखियनघायलकरतजिलावतमारत। सुन्दरनटव रसीलीलायहनाथसाथभईरे ४।३॥ पीलू॥ ठुमरी॥ बजा देकान्हाबंशीतनिकइकबार ॥ तोरीमुरलियाओजबसुर लियाधुनिसुनिलतनमनवार। नाथहाथविनुमोलबिकैहैंये अंखियांरिझवार २। ४ लगादेमोरीनैयासुठौरेघाटरे। एरेखेवैयाभैयापैयांतोरीलागूंमोरीनैया० ॥ देखिलहरि याचढ़तिलहरिया लखिनदियाकरपाट। लगादेमोरी० १ रातअँधेरियाबहतिबयरिया लखिनपरतकोउबाट। नाथसाथकोउनाहिंनमोरेलरजतदेखिनिचाट॥ लगादे मोरी० २।५॥ कलिंगड़ा॥ मेरामनमोहेजोहे। जबहींति रीछेनैना॥ लाजशरमकुलधरमगँवाई।सुखदुखएकोना बिचारीतेरेपीछेनैना॥ अनियारेमतवारेप्यारे। नाथदो धारेइनसबहीमेंबीछेनैना २।६॥ खेमटा॥ चालदादरा॥ कैसेजीवेंतुमारेमारे ॥ एकतोअनीतनीबरछीसी दूजे भौहेंदोधारेधारे १ नाथसाथनिजरखलेबँचालेप्रेमको प्यालेतूप्यारेप्यारे २।७ जौंतूजिभियाश्यामाश्यामकह ती। तोकाहेकोदुसहदाहदहती ॥ नितनितदांतपांत बिचबसिके काहेकोड़सनासबनकीसहती। करतिबजि द्रानितपरनिन्दा यादनराधेगोविन्दाकीरहती॥ यथा

वादवककेवादसवादेएकहुकनजोभजनसुखलहती। नेकहु नाथगाथगुनगातीतोसबसुखतुमपातीजोचहती ९।८॥

—— * ——

मोहनाष्टक ॥

ठुमरी ॥ लखनऊ ॥ देखोनिडरनिठुरहरिलीहमारसुध-बुधवहसूरतिसांवरिया ॥ लखिलखिकेनैनव्यापतहैमैन-नहिंकटतरैनभईबावरिया । सुनिसुनिकेबैननहिंपरतचैननहिंसावेऐनादिनहूंरतिया ॥ कुललाजभाजगईएरीसगरीएकउनकेकाजबिगरीजतिया । गलबहियांडालछ-हियांघुमिहौं अवनाथसाथजोहोगतिया ४। १ वहचअलपेंजुलफैबिखरी सेहरासीमनौलहरैसाखियां ॥ वांकावँदराहरदसवोवना वांकीकलँगीवांकीपागिया । वांकीचितवनवांकीहैफबन वांकीवनठनकेबनीआँखियां ॥ वांकीसुरमातहरीरखिंची वांकीसुरखीलहरैधरियां । यहमानोतीनोंधारीनिकरी गङ्गायमुनासरस्वतिनदियां ॥ कैधौंकासिखंजनडोरवँधे कैधौंसफरीजुड़ियांमिलियां । वांकीहैअदावांकीहैसदा वांकीसबनाथकीहैगतियां ८। २ अलकैंभलकैंलहरायरहीं विषधारीकारीनागिनियां । जैआनिफँसीतेहिजानिडँसी कोहिनाहिंनशीयहपापिनियां ॥ देखेलहरौंसीउठैसखियां बिनुदेखेदाहततापिनियां । अधरामृतजेनितपानकिये कहैंनाथजियेसोइभामिनियां ४। ३ औंचकैश्यामसोंभेंटभई वंशीवटतटमेरीसखिया ॥ बनसघनफूलबीननकोचली धरकीछाति

याफरकीअँखिया। बिसभोरहिमोरहिकीनिकरी बिखरी चहुँओरीआँधेरिया॥ झुँकिझपटझूमझुखचूमललना न हिंलागेगलाथरकीदेहिया। कसकीछतियामसकीअँगिया यहनाथकरीहसरीगतिया ४।४ ललवलीलालने भेइदईयमुनातटमेरीचूँदरिया॥ सखिहोतबिहाननहान चली हिलिमिलिसँगकीसबगूजरियाँ। पगपरतभूमि अँखियाफरकी अरकीमरजारीडागरिया॥ होंज्योंहींअचानकआयपरी हरिधायधरीमेरीचादरिया। मोहिंठेलिनाथजलकेलिकरे बिगरीहमरीसगरीसरिया ४।५ पनिघटऔघटघटकोरदई झटपटवहलंगरसाँवरिया। चट्औचट्चोटचलायकरी ईंडुरीअँगुरीकरिभाँवरिया॥ अनवटसनवटएकोनगुने चट्चट्चढ़िधावतपांवरिया। चटपटगरनाथलगायगयो तबसेअटपटगतिबावरिया ४।६ समझकेबोलोयेबंशीवारेनहींतोमेरेतुमारेहोगी॥ बहुतसीबातेंसुनीतुमारी अनोखीचोखीसभीसेन्यारी। भलीबुरीएकोनबिचारी सनेहअबतोसम्हारेहोगी॥ गलीबजारे नदीकिनारे जहांजहांमें चलूंतहारे। वो नाथप्यारेअड़ेखड़ेरे अभीतोतुमसेवहारेहोगी ४।७ नहींजोबोलोअयमेरेप्यारे कहांतुमारेबिगारेक्याहैं॥ सदातिहारेसहारेप्यारे भलाबुराकुछनहींनिहारे। सभी जोतनमनजुआसाहारे बलाटुलारेबिचारेक्याहैं॥ एनाथप्यारेनहोतून्यारे तूतोमेरेनैनोंकेसितारे। मेरेसेपापी अनेकतारे मुझेहीदिलसेउतारेक्याहैं ४।८॥

गोपिकाष्टक॥

भैरवी॥ मैंतोभोरहिंभोरपरीगोइयाँ॥नाहकअौघटप निघटआई धूँघटखोलेहरीगोइयाँ। बरजोरीमोरीछोरी पिछोरी बहियाँमरोरीअरीगोइयाँ॥करधरपटपटकीमट कीको औचटचोटकरीगोइयाँ। नाथहाथखालीघरजे हौं लाजनजातमरीगोइयाँ ४।१ मैंतोथोरहिथोरसोई सैयाँ॥ रहसिबहसिआधीनिशिबीती रिसभिसआधी खोईसैयाँ। सगरीरैनकेनैनउनींदे मोहिंनजगावोकोई सैयाँ॥ ऐचंचलकलकरकलकरिहौं जोईकहोगेसोई सैयाँ। नाहींतोनाथसाथननिबहिहैं होनीहोयसोहोई सैयाँ ४।२ तोरिअँखियाकाहेकोलाजकरे॥लागिगईयह जानतजगभर फिरक्याओटपरे। अवजनिकानिहानि मनमानहु काहूकेदोषधरे॥ नैकनिरेखरेखविधनाकेटारे नाहिंटरे। नाथसाथनईनेहनिवाहोनाहकलाजमरे ४।३ मेरीऐसीऐसीबातेरी॥ सुनलीजैकछुशोचनकीजे औस रकीयहघातेरी। रागरंगसबखानकेछूटे छूटिगयेहिलना तेरी॥ उनबिनसाजसमाजराजको मोहिंनहिंनेकुसुहा तेरी। ज्योंत्योंदिवसबरससमबीते नाथसुहातनरा तेरी ४।४ अपनीन्यारीवारीमिलोगोइयाँ॥ बहुतदिन नैपरबालमआयेलपटिझपटिनगहोबहियाँ। नाथसाथ हिलिमिलिसबबैठहु पहलेपहलपरोपैयाँ ५ एरीमेरे द्वारेआयेकन्हैया॥ छिटिकगईआंगनलौंजुन्हैया ज्ञानि गयेजोजनैयारे॥ विसमोरेभोरेकेअवैया बारेभोरेमोरेसैं

यँरि । नाथहाथधरलोरीबलैया होगइहोनीहोवैयारे ६ एरीतोरेमोरेकोआयेरीगोइयां । करजोरतलागतहौं पैयां मोहिंबतावेकाहेनहिंयारे ॥ मोरीतोरीवालेपनकी सनेहिया सपनेहुकीनछलैयारे। तोरेनाथकेपरिहौंमैंपैयां मोहिंमिलादेनिजसैयांरे ७ मोरीगोइयांनिंदियानेकुल आई । रैनगँवाईपैचैननपाई ॥ दोहा ॥ आधीनिसरि समिसगई आधीघिसफिसमाहिं । जिसजिसरीतचले पिया तिसतिसढवचलिजाहिं ॥ कुरसमचाईसुरसन सुहाई । निंदिया० १ प्रथममिलेपयपानिसेपकरिपर सपरपानि । हंसवंसककेसेभयेअबऔरहिजियठानि ॥ मोहिंजगाईपैरसनजगाई । निंदिया० २ कलबेकल मोकोंकरीकलछलसेभयेप्रात । कलपतहीनैनारहेकल नहिंपाईरात॥ अंगिड़ाईअतिआईजम्हाई। निंदिया०३ उम्कत झुंकत स्रुपत म्रुमतमतवारेसेनैन । नाथदगन तेदगअड़ेलड़ेभिड़ेमरिरैन ॥ उलझाईफिरिनहिंसुल झाई । निंदिया० ४ । ८ ॥

गोपीविरहाष्टक॥

षट्॥ भजनकीचाल ॥ टेक ॥ जेहितरुतरबिहरेबिहा रिसँग सोनिहारिबिहरनलगीछत्ती । जेहिवनउपवनमें बिलसेनित सोइहहरतलखिझहरतपत्ती १ त्रिविधवायु परमायुदायिनी सोऊआगिसमलागततत्ती । जेमृगमृ गीलगीरहीमोसँग सोमुखमोरमारहींलत्ती २ जेफल

फूलमूलसुखकेरहे सोग्रनिकूललगतमानोकत्ती । लता पतासबफूलरहेहैं टारतजिमिमोहिंलखिमुरत्ती ३ चं दनचंदचांदनीचौदिशि तुहिनउशीरसीरसवघत्ती। ना थसाथविनुगतिसनेहतजि दीपकमाहिंवरतजिमिवत्ती ४। १ कान्हतिहारीबान्हपागकी यादकियेमनवान्हहि ये। कैसेकोउबन्हेकोवान्हे नान्हेतेजोवन्हायलिये १ तुम पुनिवान्हतग्रानरागमें भोगयोगकोएककिये । हौंतोप्रे मनेमतेवन्हिगई क्षेमअक्षेमगुनौनजिये २ उलभतजव सुलभतमोहींतिप्यारेकहतप्यारीचुनिये ॥ नइउलभन सुनिपाछलिउलभन गुनिगुनिलागतशूलहिये ३ नान्ह नान्हयुतवृंदपागगुनिनैनवूंदवहुवरसदिये । मधुकरमधु सूदनसेकहिये अजहुँनाथमिलियेजुलिये ४।२ ऊधोजू सूधोसंदेशतुम माधोजूसोजायकहो। तुमसवलाकेकाम वताये येअवलाश्रमकैसेलहो॥भोगिनिकैकिमियोगिनि वनिहैं नितहिवियोगिनिहोयरहो।तुमसँगसवसंभोगभो गश्रव विरहसोगकहेकैसेसहो २ मोतीचुगनवालीजो मराली खारसिंधुरहेकैसेकहो। सानुरागअलिमृदुपराग लहि सोकुशकांटहिकैसेगहो ३ मीनदीनशीतलजलवा सी तपेकीचविचकैसेदहो। जेव्रजनाथसाथवहुविलसे ते हिअनाथकरिकैसेडहो ४।३ सूधोसूधोव्रचनहमारो ऊधो जूमाधोसोंकहो। ब्रह्महिनहिंनेकहिंहमजानतिं एकहि कृष्णहिहीयरहो. १ अंजनयुतदृगखंजनमृगसे ताहिनि रंजनकैसेकहो। जोसाकारअपाररूपनिधि निराकारकि मिताहिठहो. २ मधुरमुरतिरसचखतमधुपचल कैसेअ

लखलखजाहिगहो ।। जोगोचरसोकैसेअगोचर जोचर
गयेनसनसमेंअहो ३ नन्दमहरघरजेब्रजजाये ताहिकहे
अजजीवदहो । नाथनिरीहअनीहकहोकिमि जोवनबन
हिविहारलहो ४ । ४ ॥ विहाग ॥प्रीतिकहिंचंचलाथिरनभई ।
प्रीतिपतंगसंगदीपकके तनमनदेजरई १ सोरमलारग
गसारंगमृग सुनतवाधिकबधई । कंजकुमुदमुदह्वैफँस
गयेअलि उखरतराखमई २ नागनादरसबसह्वैफँसग
ये जीहमीननसई । प्रेमनेमकहाराभसीयसम आखिर
त्यागिदई ३ इतउतभ्रमतिकरतियहबावरि प्रीतिकीरी
तिनई । नाथश्यामछबिधामसाथहम नाहकजानिठई ४
५ कान्हतेरेबैननमेंभरेचोना । बचनस्वरूपजादूअनूपप
ढ़े चितवनतेकियेटोना १ दाहतबिरहदवातेबचाहत
सांवरसुघरसलोना । दीठघुमाईकतहुँनहिंपाई मइजि
मिकाठखिलोना २ डोलनिहलनिमधुरअधरनकी पूरित
अमृतदोना । कलकोकिलपिकनहिंनिकलागे शुकसा
रिकहिचहोना ३ परतध्यानसुनिबानतीरशर दोउईछन
केकोना । एबादरआदरयुतकहियो अबमोहिंनाथदहो
ना ४ । ६ ॥बिलावल॥ अबहमपियपहिंचानीमधुकर ।
हमजानतरहीसाधुसांवरो अबकपटीजियजानीमधुकर
१ ऐसेप्रथममिलेथमथमहरि जैसेपयअरुपानीरे । ज
बसबसौंपिदईउनकोतब हँसबंसगतिआनीरे २ जेनिज
तातमातनहिंमानी परआपनकाजानीरे । नाहककोजि
यगांहककीन्ही यहतियबुधिनादानीरे ३ कारेहोतनकारे
सबहीं कबहीनाहिंप्रमानीरे । नाथहाथभलयहफलपाये

सुधाबीचविषसानीरे ४ । ७ यदुवरकोअबजानीम
धुकर ॥ यादवपतिमाधवसाधवदनि पैकलछलके
खानीरे १ तीनोभिन्नभिन्नइनकीनो क्रमक्रमअनक्रमवा
नीरे। कहिबोऔरहिकरिबोऔरहि मनविचऔरहिठा
नीरे २ सिंहसियारअहारकरेनहिं कोटिकियेछिड़खानीरे।
हंसवंसकांकरीनचूंगत चातकऔरनपानीरे ३ प्रेमनेम
केविटपहीरको काअहीरपहिंचानीरे। मधुकरसाधोसेय
हकहियो नाथकीयाहीनिशानीरे ४। ८॥

—०—

गोपिकरख्याष्टक।

ठुमरी॥ सजनहरछनसुमिरनतेरा ।यकवारदयाकर
देदरशन् ॥ जबसेकोलगीमालापोहन् । नहिंसूझपड़ेला
गीरोवन् ॥ कितोप्यारेमेरेतनमनकोहन् । कितोकरजाए
कफेरा॥ बरसनसेदरसनकोतरसन् । विरहाविषसेलागे
सरसन् ॥ कबनाथचरनकैहैंपरसन् । टुकपारकरोबेरा॥
सजनतनतपनबुझाजारे। एकबारप्यारकरजाओसज
न० ॥जबसेगयेप्यारेमोहन् तुमसौतनियाकेमनमोहन्॥
मोकोसपनाभयेछनभरजोहन्। एकझलकदिखाजारे॥
जबविरहकीलौरलगीधावन्। तबआँशुआलगीउरबर
सावन् ॥ ज्योंतातेतवापरहोछनछन्। टुकनाथजुड़ाजा
रे ४। २ कलिंगड़ा॥ सबबीतीजातरजनीतकतक। नहिं
आयेसजनसजनीअबतक॥ एकतोबारीसीबैसहमारी
दूजेपियाकीहियामेंकलंक । देहियांपिरातापियरातजात

शेवतरोवतसखिसूखेहलक॥ टारसकूँकैसेपहारादिन हा रगयोमेरोमनबकझक। तनभरभरातदृगढरढरात बिन नाथसाथनहिंलागेपलक ४। ३ पठवादेसैंदेशवारीउन तक। जेहिदेशवाबलमछायेअबतक॥ रातदिनाअँगि रातरहतनितखातजातबलकसकमसक। काहूकीबातक छुनहिंसुहातअतिहीजम्हातबोलतअकबक॥हियडगम गातकंपतहैगात जियधसोजातविरहाकीधसक। करथर थरातपगलरखरातकहिनाहिंथिरातरहीनाथकसक४।४ ठुमरीगजलकेचालकी॥ कुंजनूसघनूकेबीचदेखोसांवला खड़ा। क्याहीहसीनतीनवलोंसेअड़ाखड़ा॥ सजध जहैनिरालीअरीआलीमैंक्याकहूं। ऐसीअदापैकौनफ़ि दाहोनदिलकड़ा॥ होतीहैहूकफूंकसेआफतकीहैसदा। होटूकटूकदिलकेअजब हैगज़बबड़ा॥ पंछीभीकूकचूक गयेमस्तहैंभौंरे। हरफूंकमेंआतीहैगो खुशबूयेकेवड़ा॥ बंशीअजबअदासे वहहाथोंमेंहेलिये। बांकीहैझांकी नाथकी इसबुतपैदिलअड़ा ४। ५ कैसेकलपैहौसैयां कलपैहोजौं। नाहीतरपैहौछातीतरपैहोजौं॥विधनाकी रेखदेखकधीटारेनाटरे।कैसेसुखलैहौप्यारेसुखलैहौजौं॥ जैसाफलबोओगे वैसाहीपाओगे। आमकैसेपैहोबबू लैलगैहोजौं॥तेरेअनुरागबागबीचयेपंछी। आंशूझड़ पैहोप्यारेझड़पैहोजौं॥ तुमपैजोईबीतीहैसोईनाथपैसम झौ॥तुमभीडरपैहोप्यारेउरपैहोजौं४। ६तरसततरसावन सैंरी॥सुनलेरेकछुकाहूकीगरजअरुअरजमानतरसत०॥ बनठनचलनफबनतन जोबनाके।जोबनाकेछायासमछ

याहकछनके। पनवनफुलवनसमप्यारे टुकुसुभुवभूभ
गुनलेरे॥तरसत०॥चारदिनाकीचाँदनियाँमें। कलछल
करचतुरेदुनियामें॥बधिकसेवधिदानादेरे। अबनाथहा
थगहिलेरे४।७बरसतबरसावनसेरेदगमेरे। कारेबिरहुस
घनतनमनमें आजननैनाहमारेढारे॥ छतियापनारेनारे।
नील शिखरधारेजिमिझरनारेन्यारे॥ बूँदपलीननकेकन
के। गरजनप्रलापसुनलेरे॥बरसत०॥ घनहूँतेघनघनभ
येदगहरछन। छनछनछनकततावाकेबुंदनसम॥ मीनज
लेजलमेंप्यासी अबनाथजुड़ावनदेरे ४।८॥

गोपीविलापाष्टक॥

ठुमरी॥मेरादिलमलदलगोइयाँहरिलेकरगयेगयेरे।
वंशीनहींफँसीयहलाये करयदुवंशीघातरे॥ मेरामनम
छरीसेछरी यानीबिनजीयहलयेलये। सर्वसदेपरवशभ
ईगोइयाँ खोईकुलकीलाजरे॥ नाथसाथतजगयेमेरेसे
अबऔरेरसनयेनये ४।१॥ संगरेतनमनधनगोइयाँ
हरलेकरगयेगयेरे। पहलेहिलमिलगयेवो ऐसेजैसेपा
नीदूधरे॥ अबतोहंसबनगयेरेमोहन न्यारेभयेभयेरे।
जादूगरजादूकरजैसे मोहेघरघरआनके॥ नाथसाथभ
ईऐसीहलचल कलछलनयेनयेरे २ मोसोंसरवरकरका
न्हा औरेघरगयेगयेरे। रतियाँकीगतियाँसुनसखियां
कीन्हीकुछनहिंप्रीतिरे॥ टेढ़ीटेढ़ीबतियाँकह टेढ़ेवहभये
भयेरे।नाथसाथसुखऐसेजैसे पाथरपरकीदूबरे॥ सूखे

रूखउनयेनहिंजेहैं नैहैनयेनयेरे ३ सूअबूअहरिकोकुल नाहीं क्याअबूझसेरमेरमे। कहांतोयेराजामहराजा कहाँवोचेरीकंसकी भलीमिलीजोरीसुनलोरी आजनीअमें जमेजमे॥ पीरनहींबेपीरसदाके आखिरजातिअहीरे। नाथसाथऐसेजैसेपुरइनपरपानीथिमेथमे४थीलू॥ तोरीअँखियांमदसेभरी केहिकोनमाते। लनिकसीकोरसिकोरसखीरी चितवतिमतिबिसरी॥ केहिको०॥ नाथनशासबहीउतरतहै यहनसनसमेपरी॥ केहिको ०॥ ५ मोरीगलियाँनितआवेरे वंशीवाराप्यारा॥ लुकझुकरहतनबोलतचालत लखिसखियाँउरलावेरे॥नाथहाथधर नाचनचावत जोगतियाँमनभावेरे ६ मोरीमतियाँबिसरगई। लखिछबिकारी॥ कजरारीमतवारीप्यारी दोउ अँखियांगजबभँई। नाथसाथबिनुमतिगतिऐसी जैसी रतियाँचकचकई ७ मोरीअँखियाँफरकरही। गोइयाँसैयाँऐहैं॥एकतोअँखियाँदूजेबाँईबँहियाँ तीजेछतियाँधरकरही।नाथसाथनिहचैमिलिहैंरे सबदेहियाँलहकिरहीं८॥

गोपीप्रलापाष्टक॥

ठुमरी॥ तोरीसेजियाबिछुआवजे। एरीमैंकैसेकोआऊँ॥ एकतोबिछुआदूजेपयलवा तीजेमेघवाअतिगरजे॥ एरीमैं ०॥ नाथछलीछोटीछलकेननदिया लखिसखियाजियलरजे। अँखियालागगई कजरारीकारी॥ कारेपरकहिंनजरनलागे यहअचरजकर

बातैंन्यारी। चितवतकोरकीओरस्यरोरें नाथलालला खि लागेप्यारी॥ एरेतोपैवारोंनैना। तनमनप्रानसमीतोपै वारों॥ खंजनमीनमृगनकंजनकोमोहलियोहैतुम्हारे नैना॥ एरेतोपै०॥ कोरेलाललालडोरेसे नाथहिमति बांधिडारोनैना॥एरेतोपै०३॥एरेमदमाते। जातेनैनातेरे सदा॥ मदमाते०॥ निकरतभरतफुलनकलियनसेदिन दिनरंगनिखरातेजाते॥एरेमद०॥ नाथहाथकैसेमनरहि हैं रसरसरसमेंसमातेजाते ४॥ पीलू॥ एरेसांवलिया मोरीओरीआजा। सांवरिसूरतसुघरसलोनी इनआँखि यांमेंसमाजा। मोरीओ०॥ नाथसाथविनुइतउतभटके खटकेसवहीमिटाजा॥एरेसांवलि० ५॥एरीवावरियावि नुसांवरिया॥ भूषनबसनअशनहुदुराये उरलायेपांवरि या॥ एरीवा०॥ तीरथजैहौंनाथहिलैहौं लैहौंकान्हेकांव रियां ६॥ ठुमरी गजलकेचालकी॥ मोरीतोरीचोरीचोरी कैसेनिवहे तेरीसूरतिसांवरीसलोनीमोहनी। देखेबिन पलछिनकलनारहे॥नाथतेरासाथखुलेविनानरहे। भूस भरीआगकभीनाकभीदहे ७ वांकेनैनाऐसेकैसेबसेनाग री। अलकैंतुम्हारीछलकेंज्योंनागरी विछुआदोधारेवां कपटाओछुरी॥सबहीकीतेजीतेरेसाम्हनेमुरी॥ नाथतेरे हाथमेंजीचाहेसोकरे। कठपुतलीसीतेरेपालेहूंपरी ८॥२॥

प्रलाणाष्टक ॥

सोरठ ॥

ठुमरी ॥ जाओजाओहोसाजनआज वाहींजहांरहेक लकीरैन ॥ इतउतमदमातनसमझूमो केतनसवतनके घरघूमो। नयेनयेरसउपजाओ ॥ जाओहो०॥ कहुँसन मानमाननहिंजिनको नाथसाथठानतहौतिनको। उनहीं कोउरलाओ॥जाओहो० १॥जागेहोबालमसोरैरैनरही अबथोरीथोर॥ झगरतलरतकछुकनिशिबीतीकछुबीती लैनींदअजीती ॥ अजहूंतोरसपागो । चंदमंदआकाश बिकाशितअतिअनंदजियइंदनिकासत । नाथअजहुँ उरलागो २ धाओ २ होबादरआजवाहींजहांपियाक रतचैन ॥ बारबारमोतनबरसाओ मानोतवापरबूंदचु आओ। उनहींजायजुड़ाओ ॥ कलपावोनाहकतलफा ओ यहसँदेसओहिदेशसुनाओ। नाथसनाथबनाओ ३॥ लाओ२ होसुन्दरश्याम ऊधोमीतमाधोकेपरम ॥ बिनागुरूकेकैसेसिखाओ योगभोगकोभेदबताओ उन कोनेकबुलाओ। लाओहो ० ॥ हमब्रजनारीअतिहिंअ नारीयोगयुगतकहाजानेबिचारी। नाथहिंजायसिखाओ ४॥ शरनगहेकीलाजहमारी। राखोश्रीब्रजराज ॥ जैसे रखीविपदीद्रुपदीकीग्राहग्रसतगजराज॥तुमगिरिधरन खपरागिरिधररखराखेब्रजजनकाज। रुकमिनकेसुमिरन तेनेकहिबांहपकरलैभाज२अंडअखंडरखेभरदूरहिघंटा जायविराज । दीनसुदामाआठोजामाजपतभयेसिरता

ज॥ टेर करीबसुदेवदेवकीकाटेन्हिपतिसमाज। नाथसा थबलियनकोलुडाओतोतोगरीबनेवाज ५॥ बांहगहेको ख्याल हमारे। राखोश्रीब्रजपाल॥ तुमसबगुनआगर नटनागर अपनीबिरदसम्हाल १ तनिकसेकरपकरतही व्याहमें ताहिनिबाहतबाल। तुमतौचाहबांहधरेपूरे त ऊअधूरेडाल २ औरनसंगरंगरसठानत निशिदिनरख तनिहाल। कौनदोसगुनिरोसकियेप्रभु नितचितकरत बिहाल ३ कूककूकरहौंबिरहलूकते अबतोचूकसब टाल। हाहाखायपांयपरौंप्यारे अजहुँअनाथहिपाल ४। ६॥ देश॥ कांहेनाहींजाओमेघावाहीदेश॥ जहांभयेह रिनयेसिरकेनरेश। मथुराकीनवलासबलासब जिनके शिरपरबड़ेबड़ेकेश॥ हौंअबलाजानतिनकलाकछु दीन छीनतनमलिनसेभेश। बहतुवभारसम्हारसकैंगी मो हिआपहिविरहाकोकलेश॥ नाथसाथइतनीकहदीजो नाहकतुमकहलाओब्रजेश ४। ७ कौनेगुनऐगुनतेछा ड़ोहैलादेश। हौंतौगांवकीगँवारीनारी अतिहिंअनारी सीसुधारीनाहींवेश॥ हमगुजरीअबरीदुबरीसी वोसब रीहीराचकवरीकेश। सकलसतीसुमतीयुवतीसी झूठ कोजाकोकहींनेकोनहींलेश नाथसाथघनयहजाकहियो हरिहोहरिहोकबलौंकलेश ८॥

विरहपंचरत्न॥

बसंती॥ धीमीधीमीबहतबयरिया। अटरिया

बिनुपियाहियाबिच लागतकटरिया ॥ जौनेदेशवाल मबिलमेरे तौनेदेशहीकीआईलहरिया ॥ शीतलमंद सुगंधसनीसी सवतीकेअँगलगआईदैमरिया । मोरे आंगनबिचहिरफिरआली आंगनमहँलागेजिमितरव रिया ॥ नाथसाथबिनमोहिंसतावे हाथहुजोरे नमाने रगरिया । बिनुपिया ४ । १ धीरेधीरेबदराबरसमोरेअँ गना । समरथनेको सहनकोहेअँगना ॥ अँसुवनते हरछनतनभीजे छीजेवदनमेरेप्रीतमसँगना । समरथ नेको० ॥ सारीहमारीकुसुमरँगवारी पियरीसीदेहियांसु रँगरँगरँगना । समरथ० ॥ तोहितरसनहिंमेरोदरसल हि सुँदरीभईमोरीजोरीकेकँगना । नाथसाथसोहतसौति नके तिनकेपासवरसौंतोहिढँगना॥समरथ०४।२पियबि नुभावेनाहींमोरवाकेसोरवारे। निरखिनिरखिकारीरैनरट तसारी सारेठनकारीधुनिसुनिघनघोरवारे ॥ एकओर दैयादुखदैयासीकोयलिया एकओरबहेपुरवैयाकोझँको रवारे । दादुरबहादुरसेआतुरसेठनकारे झिल्लीझनका रेउठेयमुनाहलोरवारे ॥ कारेबदरारेजारेकहदेसँदेशा प्यारे नाथसाथबिलाउठेछतियांमरोरवारे । ४ । ३ बो लोनापपीहापापी प्यारेजीकीबोलियारे । बोलियासुनत तोरीछतियांदहतमोरी ऐसीबोलीबोलोजाकेसवतीकेटो लियारे ॥ मोहिंकाविरहदीन्हीसैयांमोरावशकीन्ही सव तीकेलगेंऐसीटोनवांकीझोलियारे । वदनभये हैं रूखे विरहातेंनितदूखे ऐसेतनसूखे मोरीढीलीभैलीचोलि यारे ॥ गोपिनकीसारीशैलीनाथबिनलागेमैलीसवती

सयानीभैली हमभैलीभोलियारे ४ । ४ दगबुगलभल
वरसातसे अवशातदिनवरसातहै । वरसातदिनतेंभये
सखितन मदनघनसरसातहै ॥ परसातसहिकरतेंजब
हि तवउठततनसहरातहै । हरषातलखिसखिनाथनिज
निज मोरजियतरसातहै ॥ छहरातबुँदियाहियापर तन
तनमेरेभहरातहै। तातेतवापरबुंदजैसे नेकुनहिंठहरात
है ॥ अँगिरातजातजम्हातहरखन गातसबहुबरातहै ।
पियरातदेहियाँरातदिन बिननाथअलिसियरातहै ५ ॥

मल्लाराष्टक ॥

अवसनठनवैरागलयोरी । सुन्दरश्यामधामबिनु
आली सबसुखलाभगयो १ खानपानबुधिज्ञानचातुरी
सबहिसमर्पिदयो । हरिपगधूरिभूरिकुंजनकी सोईभस
मभयो २ श्यामनामभरमूलमंत्रकर पांवरियंत्रठयो ।
आसनघनबनपातनकेकरि मालाकरहिंकयो ३ लांबी
सासाबिसासआसहित प्रानायामलयो । मधुकरनाथसा
थकैहैंजब पुजिहैंयोगनयो ४ । १ सिखीकौनयहसीख
सिखीरी । शिखरशिखाचढ़िटेरतहेरत घेरतविरहिनि
नारिभिखीरी। १ कैधौंश्यामधामतेंआये कहतजोसीख
सिखायरखीरी । रंगविरंगतिलकछापासम गिरिवरपर
जिमिपरमऋषीरी २ अपनोभांतिबनावनचाहत याही
कहतसखिबातबिखीरी। सबलासवतिदीनअबलापै मे
जीयहभेदीपरखीरी ३ दईजोदईयहचीन्हचीन्हशिर ई

गुरलीकलिखीसोलिखीरी। नाथसाथताजिउनाहिंकहांसु ख जेअधरामृतस्वादचिखीरी ४।२ बोलीबोलतमोरवि रहकी। याकीटेरहेरविरहाऽनल जागिदेखावतजोर॥ वि रहकी० १ यहराठहठधरबेडरबोलतजबगरजतघनघो र। एकतोशोरघोरझनकेरी दूजेमोरकरोर॥विरहकी०२ बहुविधिकहतनिहोरजोरकर सुनतननीचछिछोर। का सोंकहौंसहौंमनहीमन छनछनउठतमरोर॥ विरहकी० ३ जौंयहआनरहैंगेजवलग मिलतनवहचितचोर। ना थसाथपावतहीतुरिहौं सुभगतिहारोठोर॥ विरहकी० ४। ३ मोरकहैंसबहैनकिसूके। केतहुप्रेमनेमकरिसेवहु सबहूँधामरहैनकिसूके १ सबसुखदीजेतउनपसीजे पा हनभाँतिचहैनकिसूके। यहविपरीतनामकिनराखे प्रीति कीरीतिरखैनकिसूके २बेपरकरतप्रेमराखेपर अपनेजान दहैनकिसूके ३ यहचितचोरमोरमुखघूमे झूमेलामलहै नकिसूके। नाथसाथबिनुयहमनमोरत तोरतचितपरखे नकिसूके ४। ४ देखकलापीकीनिठुराई। विपिनविपिन गोपिनकेसँगइन नाच्योतालतरंगलुभाई १ जबजबबन उपवनबिचआली गायोंगुंडमलारथिराई। तबतबझुंड झुंडसबधाये जिमिघनघोरघटाघिरआई २ अबतोभू रिदूरिगियेहमते विहरतशिखरशिखापरजाई। टेरतनाम तबोनाहिंहेरत घेरतकेतहुसुनतनमाई ३ वाहीऋतुवाही बनउपबन वाहीमोरवाहीरीलुगाई। वाहीरागरंगरसवा ही नाथसाथबिनुसबविलगाई ४।५ वरहीविरहीहुँबराव तहो। पुंजकेपुंजकुंजबिचआलीमोरिनिमेंजुनचावतहो १

धीमीधीमीचालचलतहस जिमिजिमिमोरिनकोनिय
रावतहो। तिमितिमितरकिसरकिवनमोरा मानौंमोहिं
डहुरावतहो २ जौंतौंफुंकिझांकतिश्रोटनते तौतोरस
उपजावतहो । सुनतविलापप्रलापदूरतें तुरतकलाप
फुँकावतहो ३ लतापतातरुतरेहरेभरे सोउभुवतहह
रावतहो। नाथसाथविनुजड़हुदुरावत जोरहेप्रथमलुभा
वतहो ४ । ६ ॥ तालचलत ॥ मोरिलावोलतवानीक्या
ओक्याओ॥ हरितेअधिकजानी अपनेकोअभिमानी
याहीतेकहेगुमानी क्याओक्याओ। कुंजधाम आठोया
म मोरनकेसाथेश्याम नाचेसांचेकहेमानी क्याओक्या
ओ ॥ याहीकोपखशिरधारेमेरेपियप्यारे ताहीतेपुकारे
ठानी क्याओक्याओ। मैंअलवेली रटौंअपनोमोहनमे
ली कहतअकेलीजानी क्याओक्याओ ॥ जियराजरा
वेआली नियरेनआवेहाली बोलेयाहीहठठानी क्याओ
क्याओ। सखिपियेंहीभुलाये ओछनकोमुहलाये जान
तसवैकहानी क्याओक्याओ ॥ सिंहकोशरनगहि खर
कोचरनसहि नाथबिनुऐसीहानी क्याओक्याओ ४।७
पलनथम्हतदोउनैनहमारे ॥ दिवसमांझकछुसांझअ
धिकक्षै धारबहतिअतिरैनहमारे०१ नेकहुइनअँखियन
दुखियनते मेघसमानतुलैनहमारे० । घनझनजातबहु
रऊनआवत येदृगपलहुहटैनहमारे ०। २ पावसपायधा
यघनआवत आनमासअतिसैनहमारे० । येबरसासर
सारेहेसबदिन बारहमासटरैनहमारे ०. ३ वहजलवि
मलढलतनितशीतल यहतातेदुखदैनहमारे० । नाथसा

थबिनुपाथनाथसम चाहतहोनघटैनहमारे०।४।८॥

ठुमरीमल्लाराष्टक॥

एआलीमेघवारिमिकझिमिकरहे॥ चमकिचमाकि चपलाचिहुँकावति मोरिलामोरिनिसँग थिरिकाथिरि करहे। नाथसाथबिनुजियतरसावत पापीपपिहरात मकितमकिरहे १अजहूँनाबालमआये। घनघुमड़ाये॥ बिजुतड़पायेजियराडरायेहो अजहूँ०। कैधौंवहिदेशले शनाहींघनको कैधौंनाथउलझायेहो अजहूँ०॥चलती॥ सखिझमझमझमबदराबरसे। चमचमचमचपलादरसे॥ एकतोअँधारीकारी लखिडरलागैभारी दुसरेतड़पविजु रीकीउजियारीन्यारीसबसखियाँपियहियलागे यहदेखि देखिजियतरसे॥ दादुरमोरधुनिझिल्लरसशोरसुनि चकच कोर चातककी रटनिसुनि। झिंगुराबोलतझननंझननं बिनुनाथसाथलागेलरसे २ झमझमझमबिजुआझमके। तापैमेघवाझमझमके॥ घनकीगरजभारी हमरीगरज भारी लरजजातजियलखिकेअँधारीकारी। झँपकिजात अँखियादुखिया छनछनजोविजुरियाचमके॥ दुसरेप पीहापापीके शबदसुनिकाँपी जागिगयेचरकेसकलपरि तापीआपी। विधनाकरयहथमथमके ३ एरीआलीह रिआली लागेविषसी। सखिलखिभावेनतनिकसी॥ मरकतहूकेमददरकतसरकत। पवनलगतनान्हेनान्हेत रुफरकत॥ करकतकतसखिहियमेरे। वाकोलागतको

रविशिखसी ॥ हरेहरेमीननके कैधोंपसमीननके सजत गलीचनसे कैधोंगनतोतनके । नाथसाथनिदुरिहैवि रहाकरिहैंकारिखसी ४ । ५ बादरआदरयुतआवे । चा दरसीभेंटमोहिंलावे॥ कारीरंगवारीआरीजामेंनालगीकि नारीविरहाकीमारीमोहिंजानकेअनारीनारी ॥ आँगनके घेरेमेरे आँगनविचबहलओढ़ावें ॥ गरजसुनाऊँतौतो गरजबरजदे लरजजातजियमेरोधुनिसुनिके । यहनाथ करेसगरीगतियाँ सौतिनतिनकोजोसिखावें ४ । ६ घ नघुमडिउमडिरहेकारेकारे ॥ अतितड़किधड़किरहेबारे बारे । मोरनकेशोरचहुँओरघोर घनदामिनिदमकिरही, जोरजोर ॥ बदराजोबरसिरहेठौरठौर पपिहापियपियरटे डारेडारे १ तापरतेंपवनभ्भकभोरभोरतनबदनमदनडा रतमरोर ॥ गतिस्वातीबूँदसमनाथतोर अँखियनपपिय नकोप्यारेप्यारे २।७ छबिछटाछूटरहींप्यारीप्यारी । ल टपटादेखिवनवारिवारी ॥ घनघटामाँझचढ़िअटासाँझ विलसंतहुलसतगिरिधारिप्यारि । इतपटापीतउतकारि सारि मानोबीरपटारहेंझारिझारि १ कंकनकनघनज़िं गनकीपाँति भूषनसुजड़ितद्युतितड़िलभाँति । कामिनि दामिनिघनएकजातिसबनाथसाथरहेहारिहारि २।८॥

झूलाष्टक॥

सावनी ॥ श्यामाश्यामझूलतहिंडोरारे । सुघरकद मकरडार॥ एकओरमुकुटलटकिरहे एकओरमुकुटीब हार । श्यामा० १ एकओरसुघरपितांबर यकओरसूही

सारीधार। श्यामा० २ एकओरमनिमालाबनमालाएक ओरमोतिनकेहार।श्यामा० ३नाथसाथडालेगलबहियाँ रेदोउमिलिवंशीयकतार।श्यामा०४।१ प्यारीतेरीभूल कभूलतलखिजियराभूलिभूलिजाय। जैसेबिजुरियाब दरियामेंइततेउतलपकाय। प्यारी० १ मनियांजड़ीदर पनियांज्योंघुमतबहुतभलकाय। प्यारी० २ जुगनूच माकैजैसेजुगनूरे कारीसारीघटासीसुहाय। प्यारी० ३ नाथबेहाथकियेमन जिमिफनिमनितेलुभाय। प्यारी० ४।२ प्यारीतेरीअलककछलकछबि भुलतमेंभूलिभु लिजाय। मानहुफटिकफनूसमें नीलमलटकनलाय॥ प्यारी०१कैधौंढुचन्दामुखचन्दापैसुधाहितसांपसुहाय। प्यारी० २ कैधौंदोउदिशिमुखशशिकेरे दरीबदरीकीदर शाय।प्यारी० ३कैधौंनाथविरहीकेआहकीधारीयुगलज नाय। प्यारी० ४।३ सुरँगहिंडोराकोभँकोरारे। मोपेस ह्योनाहींजाय॥ पतरीछरीसीसारीदेहियारे झोंकाभूँकि भूँकिखाय। सुरँग० १ मरसाकीडांड़ीसीकिमरमोरीलच किलचकिबलखाय। सुरँग०२ ऐनासेदोउमेरेनैनारे भु मिझुमिकेभँपकाय।सुरँग०३ नाथहाथतोहिंजोरौरेबस करजियराडराय। सुरँग० ४। ४ उमड़ीसीआवेछाती घुमड़ीसी देहियांदुगुनीदुखात। आवतजम्हाईअँगिड़ा ईरे अँखियांभँपिभँपिजात॥ उम० १ पातरकमरअ वरदेही पलपलपरबलखात॥ उम० २ आँचकउच कमचकभोंके कमरलचकमोरीजात॥ उम० ३ ना थसाथझपटतलपटत जिमिघनदामिनीदुरात॥ उम०

४।५ चढ़तहिंडोलेडोलेतनसब । झूलेहियझूलेनाहीं जाय ॥ एरीघरीघरीमोसोंकहेहरी अरीदेहोंधीरेतें झुलाय ॥ चढ़त० १ बहियांधरोरीमोरीबरजोरी को राकोरीकरिकेचढ़ाय ॥ चढ़त० २ भभरिभभरिउठे रोंगटेरे छतियांभरिभरिजाय॥ चढत० ३ नाथसाथकभूँ भुलिहौंना सपनेहूभुलिहौंनआय॥चढत० ४।६॥झूलेपरकेगीत॥छंद ॥ सावननसावनसकलसुखसखि लोगहुलसावनकहैं । जगसुखदबरसावनगुनत दगदीहबरसावनअहै ॥ मनमोरतरसावनसदा इननैनतरसावनरहैं। जैसेनसावनबीचखाये नाथाविनछिनछिनदहैं १ सखि हियहिपरसावनचढ़ोईरहत नितनितचितदहैं। सरभांतिसरसावनलगे बुंदियाकीझड़ियाअतिडहैं ॥ हरिसपनदरसावनलगें कहुकौनदरसावनरहैं । तनकोनहरसावनकभूँ विनुनाथसाथसदादहै ८॥

जनकपुराष्टक॥

साखियेईदशरथकेबारे॥ भवनभवनजाकेआवनकी घोरशोरवाकेबनठनकी । छविआईशोभात्रिभुवनकी देखतहूंभोरेभारे १ कुण्डललोलकपोलनसोहैं अलकछलकतापेमनमोहैं। मनहुउगिलकिलनिजमनि जो हैं नागनकेजोड़ेकारे २ रामनामअभिरामश्यामइक लखन■खनमेंलाखनतेनिक।बंशललामलामलगिअसनहि इनकेसमएईप्यारे ३ करशरधनुभुजमूलमूलछ

बि पटअनुकूलदुकूलपीतछबि। पीतहिंगरउपवीतप्रीत करनाथजगततेंहैंन्यारे ४।१ सखियेईअवधविहारीरी॥ बिखरेबारबारसबकोरेपटउपवीतपीतचटकोरे । नैनऐन छबिजातसिकोरेथोरेथोरेहैंसिमनहारीरी १ यहधनुधा रीअधमउधारीचाहैनतेपाहनतियतारी।दरसबयाहिपर सबनहिप्यारी तुम्यापाथरनारीरी २ बड़ेबड़ेनैनामुख जिमिऐनाबोलतमैनाअसमृदुबैना।यहसैनाजेहिहीयध सैना सोपथरहुतेन्यारीरी ३ येप्यारेनैननिकेतारे दशर थजूकेप्रानपियारे । रामलषणजनसबहिपुकारे नाथसि याअनुहारीरी ४। २ गौरीपूजनसंगसखीजन जात जानकीफुलवारी । अलीपाँतसबअलीभाँतचलीं गा वतगीतप्रीतवारी १ कूजनगूजनलगेभृंगगन एकसं गधुनिसुनिप्यारी । जेगँवारिगँवरैयाचिरैया चहचहसो उचहकतिसारी २ तापरतेंकिंकिनकंकनकन छनछनबा जतरुचिकारी । नूपुरपुररवमधुरमनोहर चलततालके अनुहारी ३ जिमिबसंतबिचकामसन्तबन तिमिआये दोउधनुधारी। लताओटतेचोटकरतदृग आयेनाथजि तसियप्यारी ४। ३ सीयस्वयम्बरसंबररिपुसम बनिठ निनृपदेखनधाये । जीरनधनुषदिगम्बरकेसुनि अंबर तेंसुरहूगनआये १ देशदेशतेंमेषबनाये मानवदानवद लभलधाये । कंचनकेमंचनपरबैठे ऐंठेभुजनिजआयुध लाये २ बीचोंबीचमंचरंचकबड़ तापरमुनिवरकुंवरबि ठाये । आनन्दीबन्दीविदेहप्रन ठनघनशब्दनकहला ये ३ भलेचलेनहिंटलेमूढ़नृप तिलभरधनुधरनहिंटस

काये। महीनाहविनुसियविवाहविनु असविदेहनृपकह ताचिलाये ४ जनकमनकपरितपणकनकठे रामहिक हतविदेहजनाये। रघुवंशीश्रशीकेवीचअस परुषवच नकसजनकसुनाये ५ क्रोधानलकीआँचकाँचसम तोरों साँचनकहतवनाये। कौशिकरसिंकर्धीरवरबोले उठहुरा मभंजहुबरिआये ६ कंजनालललघुवालधनुपसमसुनत हितीनखंडकरिनाये। जैजैकारपुकारसकलसुर शंखभेरि धुवकारमचाये ७ परशुरामअतिक्रोधधामसोउ आये निजधनुदेइसिधाये। जैरघुनाथअनाथनाथहित पाहि पाहिकहिरीशभुकाये ८॥४॥ नकटा॥ सियवरतेरेनैनम तवार। फांकेभुंकेभूमिभूमिघुमिघुमिकेभंपिभंपिमों काखावेहरवार १ ऐंडतअडतलडतअकडतहै मानोम तंगकीजोड़ीतयार २ एकतोविधनाभरेमदनैना दूजेदो गोलीअफीमोकीडार ३ नाथकेनैनारसीलेनसीले देखे नशाचढ़तीधुआँधार ४॥५ येमेरेनैनावडेरिम्वार। राम ललातोरीमधुरीमुरलिया रतियादिनाएकटकहीनिहार १ रीभेरहेपरखीभेनकेवहीं भौहोंकीखावेंकेतीतरवार २ अनीतनीवरछीतिरछीसी सोहैंसोहैंकेधौंबूँदीकटार३ ना थहाथतेरेनैनाबिकाने. चाहेजिलावेचाहेकरेवार ४। ६ येओधवाराबड़ारसिया। आपीफँसतसबसखियांकीअँ खियाँ जैसेमछरियालगीकटिया १ जोहिमोहिमनपंछी फँसावे जुल्फोंकीखासीबनीरसिया २ सबहीनिरखेपरखे बराबर बोलेजीखोलेबडाजसिया ३ नाथहाथचढ़िजात जोकोऊ ताकोमारेनैनोंकीगँसिया ४। ७ येओधवारेपै

तनमनवार। जहँकोउसखियालखतअँखियाभर तहँसव सुधिबुधिदैवैबिसार १ जहँकोउअलीगलीविचनिकली धरलीतुरतभारिभरिअँकवार २ रसठानेपहिँचानेनजाने शिथिलाभईमिथिलाकरनार ३ नाथहाथधारिधरिभ्कक भोरें मोरेंमरोरेंकरेंकेतीवार ४। ८॥

रामविवाहाष्टक॥

शहाना॥ बाँकामोरासजनवाँरे॥ तापरआँजेअंजनवाँ रे॥ भौहेंसोहेंबाँकीसोहीसिरोही बाँकेधरेमानोसनवाँरे। तापरवानकमानहुँबाँकी तकितकिमारेंनिसनवाँरे। बाँकीमोतीबाँकीधोतीकन्हौती बाँकेसोहेंकँगनवाँरे। नाथसाथसबगाओरिभाओ बाँकेरागशहनवाँरे ४।१ लालीलालीअँगुलियारे। छल्लासोहेअँगुलियारे॥ व्याहनआयेरामसुहाये मोहेंसखियासहेलियारे १ लालीपगरियालालीचदरिया लालीसोहेकलँगियारे २ लाली मेहँदियाहथेलियाराची आखतलीन्हेअँजुलियारे ३ नाथललालललखिलखिमनवारत गलियागलियामेंअलियारे ४। २ कारेगोरेगोरेदोउसुखकेसदनवाँ॥ चन्द्रमन्दद्दनतेलागतहैं येसुखदाईविरहिनकेबदनवाँ १ याजोबनदेखेजोबनगये दानेहुस्यानेसबहोइगेनदनवाँ २ छूरीनयहिछूरीदृगबरछी तिरछीसीमोरेहियाकेनिसनवाँ३ नौरँगियापागियाभँगियालसे नाथसाथसबसाजशहनवाँ ४। ३ वारीवारीरेबनातीरीछबिप्यारी॥ नवतननव

रतननतेसाजे नवरँगियापटसकलसँवारी। नौरँगियाजँ चियामलीलागे पगियापिछौरीवोरीकेसरधारी॥ सिया पियानौरँगियारँगनखशिख अजवशहानावानालालति हारी। नगरीजनककीनवलनागरी अवधनाथतोहिपैव लिहारी ४।४ अच्छीअच्छीकलीचुनलारीमलिनियाँ॥ कलियाँरँगरलियविलेकीअलवेलेकोगुन्हारी।म०१ तो रवादलाविचविचलाओ दोहरासेहरासंजारी। म० २ वद्दीवनामुहवद्दीकलीकी. अच्छेअच्छेगुच्छेतूलगारी। म०३ नगजड़ियांसीफुलोंकीछड़ियां दैरतिलेनाथबनारी। म० ४।५ मोरेमनगाढ़ैपैबिराजप्यारेताजवारे॥ जेवर ज़ोड़ेशहानेहीछोड़े सोहैजनुराजाधिराज। प्यारेताज वारे १ शानशहानातानशहानाऔरशहानासवसाज। प्यारे ताजवारे २ तिछिताजतिछीचितवनियाँ चन्द शितारेवेचछाज़ाप्यारेताजवारे ३ सोहैंखड़ेमोहैंदोउजो. हैं मोहैनाथमनआज॥प्यारेताजवारे ४।६ सुहासुहासो हैसवसाजसलोनेबन्ना॥ सुहीपागसुहेवागापटुका सुहा सुहासवहीसमाज। सलोने० १. सुहारुमालसजेसु हाचोला सुहीलसेशिरताज। सलोने० २ छोटीतेरीचि तचोटीकरतुहै सुहासुहाधागाहैछाज। सलोने० ३ सुहा सुहातानवितानतहितर जिमिरतिनाथविराज। सलो नें० ४॥ ७ मोहीमोहींमोहीलोरीवालदुपट्टेवाले। पाग पेंचजिमिपेंचजटाके छोरेपीठपरडाल॥ दुपट्टे० १मान हुपातवीचकेरके लहररतनागविशाल। दुपट्टे० २कोरेरं गसंगसितबूटी छूटीकैंचुलजिमिहाल। दुपट्टे० ३आज

नाथशंभुवनिआयेलाखिलखिबालनिहालदुपदे०४।८॥

—o—

रामचंद्रजीकीविवाहकीगारीयंचरत्न॥

टेक॥ जनकराजमहराजकेआंगनभागनकीबलिहारीजी। रामजी॥ जहँछबिधामरामहितहितयुतवरजेवनारसँवारीजी। रामजी॥ खीरखीरसुभातकेसरियाशचिमहेरचटकारीजी। रामजी॥ दालचनाकरभलिरत्नाकर विविधऔचारऔचारीजी। रामजी १ फुलकाजीफूलहुतेहलकाकेरनकीपनवारीजी। रामजी॥ पूरीपकोरीमृदुलतिलौरी कोहडौरीरुचिकारीजी। रामजी २ बराबरीकीकौनबराबरीदहीमहीविचडारीजी। रामजी॥ अमृतकेचहलेमैंचुपरिके फँसिगयोचन्दमभारीजी। रामजी ३ श्रोरकढ़ीसानोमढ़ीहैकनकदल विविधरायतेभारीजी। रामजी॥ खानपानसबखानखानके बेन्हतुकीतरकारीजी। रामजी ४ पूआपापरमृदुलकचौरी घृतचौरीगोभियारीजी। रामजी॥ मुंगछीगुरछीश्रौरहुखाटीमुरताकचरीप्यारीजी। रामजी ५ मधुरमुरब्बनकीघनपांतीबहुचटनीचटकारीजी। रामजी॥ खजलाजोउजलाफेनहुँतेघेवरबावरसारीजी। रामजी ६ मोहनभोगयोगबूढ़नके सहजहिकंठउतारीजी। रामजी॥ लुचुईचुईजातजोघृतते मालपुआबिधिधारीजी। रामजी॥ ७ खाजाफेनीमृदुलचवेनी अमितअमिरतीप्यारीजी। रामजी॥ बुँदियांखुरमाचुरमालडुआ मोदकविविध

प्रकारी जी। रामजी ८ पैंड़बिरफीतबकढ़तरफी च
मकतचन्दउजारीजी। रामजी॥ जामुनजोमुनखा
यतजेंबत गुपचुपचप्रतिरसधारीजी। रा० ६ ताजीज
लेबीमृदुलकलेबी भिनभिनसेवसँवारीजी। रा०॥ सुध
रखजूरपूरघृतसौरभ पपड़ीसबरंगवारीजी। रा० १०
मेवनकीबहुभांतमिठाई देवनकीरुचिकारीजी। रा०॥
शुभ्रवरनासिखरलखुरचनघन मेवनखीरसुहारीजी।
रा० ११ रवड़ीबड़ीबड़ीलच्छनकी मृदुलमलाईसारी
जी। रा०॥ दहीघनीछितनीकीजमाई चिउराजोहरिया
रीजी। रा० १२ गंगाजलशीतलजलनिरमल सहित
सुगन्धतुषारीजी। रा०॥ विविधबरातीसकलघरातीसु
न्दरयाधिकतारीजी। रा० १३ बैठेशुचिरुचिरुचिकरे
भोजन बहुतबिलम्बहिंसारीजी। रा०॥ झूँकिझूँकि
झांकिझांकिबरनारी गावतसुन्दरगारीजी। रा० १४पी
ढ़ेचिशालललचन्दनकेहेमरजतकरझारीजी। रामजी॥
श्रीधर्मनाथसुतसाथबिराजेनारीगारीगावेदेतारीजी। राम
जी १५ गूढ़मेदकहहुनृपबूढ़ेयहिपनकिमिसुतचारीजी।
रा०॥ तुमगोरेगोरीकौशल्या रामकौछबिकाहेकारीजी।
रा० १६। १ कैसेदेउँललाजकोगारी। मोहिंलागेलाज
अनिभारीहो॥ सुनियततुमतीनोंलोककेठाकुरनिजज
नहितअवतारी। तुमहीँशिलाएकभारीतारी तुमहिंताड़
कामारीहो॥ जोसुरअसुरनशूरहिलाये सोभंजेउधनुधा
री। पूँछतिहौंएकबाततातततोहिं तुमरीछबिकाहेकारीहो॥
मैयातातभैयासबगोरे तुवद्युतिअदभुतिन्यारी। बूढ़े

बापसायहूबूढ़ी यहिपनमेंसुतचारीहो ॥ अनुजनसाथ नाथसुनिबिहँसतनारीदेतसबतारीहो ४। २॥ खेमटा॥ राघौजेवैंसखिनरसभेवैं॥ देदैगारीबजावततारी नईनई नारीनयेरसलेवैं। कजरारेकारेमतवारे अनियारेदगसे ननदेवैं॥ रघुबरराजजहाजसुखनके रूपसिंधुबिचस खियनखेवैं। अनुजसाथमुसकातनाथमृदु थमिथमिजे वैंमनहुँसुखसेवैं ४।३ राघोजीकेगोरेगोरेसबभैया॥ भर तेपरतेअनुहारितिहारे सोउनहींबहुतैया। माततातगो रेगोरेतिहारे तुमहीलहीसँवरैया॥ तुमगोरेथोरेहुमयना हीं यहअचरजमोहिंदैया। तबहूंनाहिंरहेतुमगोरे जब हींरहीलरिकैया॥ हमरेजनकमहराजराजघर एकहिरा नीघरैया। रानीएकनेकनिजघरकी देहुतोलेहुबलैया॥ रसबसहोयनाथहँसबोले हमतोधीरलेवैया। गारीदेहु लेहुयशहमते सौकोएकगिनैया ८।४ जेंवोजेंवो ललापक्कीऔकच्चीरसोई॥ सबरसदारदारभातनमें तुव घरसमनाहिंकोई। दुनियाकीतरकारीसारी कंदालेकेरात रोई॥ बराबरीतुवसैयाकीनाहीं खावैंदाररसधोई। यह अचरजतुवधामबामसब लेतीरामरसमोई॥ नेनुआं कीतरकारीप्यारी मृदुलकरेलागोई। परवररसअतिही रुचिकारी चाहैंप्रेमवशसोई॥ बाबूसुमंताअतिबुधिमंता सबरानीमिलिजोई। कारेकाहेनाथमैयानकारी यहअच रजजियहोई ४। ५॥

रामाष्टक॥

ॐझींटी॥ ठुमरी॥ रामकहौआरामचहौजो॥ रामसीय छविहीयध्यानधरि हरियालीसुखशालीचहौजो। रामहि नामकामतरुसुंदरफूलसुयशफलचारगहौजो॥ क्यारी धर्म्मकर्म्मकरप्यारी पानीप्रेमनेमउलहौजो। नारीप नारीनाथअँखियनकी अँसुवनतेनितसींचरहौजो ४।१ रामकहतसुखलामनहींहै॥ वसुसिधिनवनिधिविविध भांतिसुख आपहिव्यापहिवामनहींहै। सकलपापपरि तापतापत्रय ताकेआठहुयामनहींहै॥ जिमिमोतीसीप हिंनरियलजल आपहिआवतठामनहींहै। नाथहाथबाँधेसवहाजिर जाकेकछुधनधामनहींहै ४।२ रामकहव कछुकामनहींहै॥ तनुउपहाररसेहारज्ञातजिय दुइआख रकछुदामनहींहै। कहंतलहतश्रमअघीआलसी जेहि फुरसतकोइयामनहींहै॥ किसाकहानीअतिहीसुहानी होतभरिमलठामनहींहै। जपतपत्यागिकरतगंपझूठी जामेंनाथकोनामनहींहै ४।३ रामकहेबिनुकामसरैना॥ रामब्रह्मव्यापकसवहीमें- ज्ञापकजनहिंप्रयासपरैना। राममर्यादईजगतबनाये मनभायेकोउतर्ककरैना॥ जो डतोड़अरुमोड़बदनके रामरूपकाहिंनेकुटरैना। आख रदुइआकुरलाभनके नाथकन्ननअसपीरहरैना।४ राम कहेमनकामलहेजन॥ उरअन्तरयामीवरस्वामी सेवक अनुगामीहितत्तनमन। जाकोखासआसइननहींकी ताके पासबनेरहेहरछन॥ बिनुमाँगेएकलागेपावतभावतजोनि

जदासनकेमन। अतिआतंकरंकहूठानतनाथह्नोतातिहुँ लोकमेंधनधन ४।४ रामकहतकछुदामलगैना॥ कवहीं छदामिलैनमिलैवरु अनधनधामनामजोडगैना। ऐ सोसुगमउपाइअपायसन होतअपायसुहायपंगैना॥ मंत्र गूढ़मनमूढ़नजानत अतिअगूढ़गुनिचाहजगैना। ना ममजोमननामत्रहोजो नाथकहींकलिकालठगैना४।६॥ खेम्टा॥ रामैमनुआबिसारेकेहिकामे। यहकलिकाल करालजालमें केवलएकसहारासेनामे। जगजंजालज वालमेंफँसिफँसि हँसिहँसिखोयेरहसिसबजामै॥ हारि लकीलकरीसीपकरी दारासुतहिसकलधनधामै॥ वृथा बादबकवादभरेमुख नाथकेनामेकहींनहींठामै ४।७ जौंतूरसनारामैंरासजपती। तौकाहेकोतीनोंतापतपती॥ इनदसनकेबसनाहोती कहिकोहरछनभीतरचपती। छनछनबदनविकारखारबिच क्योंओहिओरीगोरी नि तखपती॥ एकहुबारबारदशरथके कहतीतोक्योंमुख भीतरझँपती। सियरघुनाथगाथगुनगातीपातीसबै सुखकाहेकोकँपती ४।८॥

केशवाष्टक॥

झँझौटी॥केशोमेटोमोरअँदेसो। केहिकारनतुवभक्तिको धारन होतनहींलवलेसो १ यजनभजनसुमिरनमनचा हत ह्नैनसकतएकदेसो। तनतनयतनकरतसेवनको विघनहोतकरिवेसो २ सकलपापपरितापआपही रहत

सदाछिनरैसो । अपनीओरजोरकरिऐंचत खेंचतरहत
हदैसो ३ केहिकारनयेकरलनिकरन अनकरिआनखरे
सो । नायगाथगावतमेंयहमन ऊनहुरहतनखरेसो ४ ।
१ केशोसुनियेदीनसंदेसो ।-मनमलीनतनछीनहीन
मति अतिशयरहतहमैंसो १ तापरतेहरवारचाररिपु
कौनप्रचारसकेसो । इनहिहतनाहिताकियेयतनकित
नेकहुनाहिंटरैसो २ वृथावादवकवादस्वादमें सदा
विषादभरेसो । परधनदारप्यारअतिलागत सवअघ
ओघकरैसो ३ जपतपयोगयज्ञव्रतसंयम यहविषविषय
करेसो । असअनाथजननाथतिहारो केहिविधिभजनक
रेसो ४ । २ केशोकाहेकरतअनैसो । मनवचक्रमचेरोते
रोप्रभु प्रेमनेमनटरैसो १ वसिबोरसिबोनामधामतुव
नितहिंचहतचितऐसो । चलिबोफिरिबोतुवतीरथमेंक
रिपदकोरयजैसो २ हिलिबोमिलिबोंहरिदासनतें करि
बोयजनहितैसो । ब्रतसंयमनीयमसवहीसम चाहतजी
वकरैसो ३ कौनहेतुयहहोनदेतनहिंकहौहोयप्रभुकैसो ।
तुमअनाथकेनाथकहावत करुणाकरहुचितैसो ४ । ३
केशोतुमहींकरतसुरेसो । करिचितसाँचनाचजसनाचत
जाँचतजोईलहेसो १ मनवचकरमधरमयुतअदभुत
जोप्रभुटहलकरेसो । लौकिकपरलौकिकसुखदोऊपावत
हैसुरवेसो २ जिमिशवरीकुवरीउवरीहै प्रेमहिनेमधरेसो ।
गोपीजेचोपीरँगरसकी बरवसतरिएकदेसो ३ साँचेरँग
राचेप्रभुजाँचेकाँचेकोनमिलेसो । अशरणशरणचरणर
तिदीजे नाथचहतलुवलेसो ४ । ४ केशोहौंतोदासतिहिके

सो। तेरोईसेवनमेंक्षणक्षण जोजनरहतभिरेसो १ डोल तचलतउठतबैठतह्न सोवतजगतअरेसो। उमिरनबीत नदेसुमिरनतेराखहिसन्तनवेसो २ नितनुवपौरिदौरि शिरनावै नैनअड़ायलड़ेसो। करतेंकरपूजाजपतपनित तुवहितदानकियेसो ३ उरपुरवीचखींचरावरिछविध्यान धरैलवलेसो। पगजगतीरथअरथनाथके करैजोमोद लहैसो ४। ५ केशवकेशवनहिंजगआई॥ रावनका लयमनबानासुर सहसबाहुसमुदाई १ पांडवयादव सगरसुघरनृप वेणुवलीसुरराई। शिविदधीचहूमीच नछाड़े ऋषिमुनिगनबहुताई २ अतिअभिरामरामब रतीनिहु श्यामकामछविछाई। देवदनुजसबमनुजनि रुजजहँ सपनसमानजनाई ३ आयेगयेनयेपुनिहोइहैं रहिहैंकोउनथिराई। नाथभक्तिकरशक्तिजासुकर तिन पाईअमराई ४। ६ केशवकवनउपायपायतुव पद्मुम पायमनमधुपमिलै। तरसतकरिशतजुगतजगतबिच नाहिंदरसतदुखबहुतभिलै १ अतुलितकंटकमिलितकं जजग ताबिचमधुकरपुंजपिलै। वहनितअगनितगुन युतअदभुत तासोंसपनेहुनाहिंहिलै २जेहिथलअमलक मलकोमलभल तेहिचंचलअलिदेतढिलै। वहजलजा तजातनहिंहेरन मृगजलइवहारेपहिले ३ ज्ञानभानुको भानहोतजब तबवहबारिजनिजहिखिलै। पुनिनकठिन दरसनपरसनहूनाथरहैजोसंतनिलै ४। ७ केशवभव कूपारपारकिमिहोइहैमनमतवारबड़े १ जाकोवारपारन हिंसूझतजड़तारेतीमाहिंगड़े १ घूमतअतिभूमतबहु

मतमें बिषविषयादिकतेजकड़े । खबरनकछुअघघोरनि शाकी मोहनशार्मेमेंतेपड़े २ कामक्रोधअरुलोभमोहम दमत्सरकच्छमच्छडमड़े। अतिअगाहजहँग्राहअोघअ घद्वीपसमीपसमानअड़े ३ चितचिन्ताआवर्त्तगर्त्तजित मनतरंगबहुरंगघड़े । जितबिराजप्रभुपदजहाजनित नाथआसतटमाहिँखड़े ४ । ८ ॥

—※—

माधवाष्टकसंस्कृत ॥

भैंभौटी ॥ माधवमाधवलीकुरुहृदयम् । उरसितव च्छायाकिलविलसति अन्यसुरागोऽनुदयम् १ नानाव र्णाकर्षणघटितंमृदुलविमलवरवसनम्। कृष्णकम्बलोप रिवरवर्णं कापिकदापिनलसितम् २ यदपितमोमयश्या मलवर्णं मंजुलवर्णमनेकम् । यथाहिफेनादिकविप रक्तो नैवसुधादिनिपीतम् ३ यथाऽभिरामापतिरतरामां त्यजतिनपतिमिहपतितम् । कलयसिनैवानुचरन्नाथं तवहृदयादविभक्तम् ४ । १ माधोतुमहिंकवनबिधिसा धों। भजतमजतगतभयेअनेको हौंनिकोनअराधो१ स ज्जनमज्जनयजनभजनठन कीन्हेजतनअगाधो।अति नतियुतरतिसहितभगतिबहु करिसतसंगतिसाधो २ तबहूंनहिंपायेअतिधाये जेनितरहतअबाधो ।हौंतोमं नमलीनमतिहीनहु तीखेतापउरदाधो ३ तुमपरिपूरन कामधामगुन पूजनयूसनसाधो। अतिअनाथकेनाथसु नीप्रभु बूढ़बैलकहँनाधो ४ । २ माधोकौनजतनतन

साधों। यहचितचपलपलहिंबिचधावत कइजोजनकि मिबांधो १ कानचहतमृदुगानसुननको सैनचहतदृग आँधो । मुखसुखचाहतखानपानको रगरभगरकरधाँ धो २ करचाहतकरनीसुखवारी नारीअनुपअराधो। पदचाहतपदमिनिधरघूमन कहुकैसेसवदाधों ३ तनत नपतनहेतुमनजानत तबहुँनमानतगाँधो। तुमअनाथ केनाथनेहनिधि हठीहयहिंहठिबाँधो ४। ३ साधोमिल हिंकवनविधिमाधो । जपतपयोगयज्ञव्रतसंयम नीयम नेकुनसाधो १ धर्म्मकर्म्मकछुज्ञानध्याननहिं प्रेमनेमन हिंआधो । जसबंचकरंचकनटलीला परहितपशुसम नाधो २ परमारथकोनहिंपुरुषारथ स्वारथनिजनिरबा धो । सुतबनितादिआदिकारनहित सहतकोटिअपरा धो ३ सुनियतसतसंगतिगतिनिकी फीकीलगैपलआ धो । नाथहाथधरिऐंचहुखैंचहु बूड़तसिंधुअगाधो ४। ४ माधोसँपरतमैतनआधो। आजकालकरिकालगँवा यें कालकेयौसनसाधो १ करमधरमकोमरमनजाने यों हीरहेजिमिआँधो । दानाघासदेखिहयहींसे तिमिदीसे जगधाँधो २ नातबाँतसुतभ्रातआदिके सहतरहतअ पराधो। वादविवादस्वादरसमाते आदिदेवनअराधो३ बनठनरहतीनपनबीते तजतनजगतउपाधो। अबतो नाथहाथचौथैपन प्रनठनकरनिरबाधो ४।५ माधोतुमत जिक्काहिअराधो। असजगदीसदीसनाहिंतुमसम छमत जगतअपराधो १ परितापीपापीकरआपी हरतरहतभ वबाधो । जेलवलीनदीनचरननमें तासोंअतिहितसा

धो २ तारनतरनशरनअशरनके हरनदीहदुखगाँधो। हेरततुमहिंजोटेरतदुखमें तुरतकरतनिरबाधो ३ जेभृगुलातगातविचराखे सहतजोकहतअसाधो । विविधअनाथकियेजोनाथहि नाथहुकोकरआधो ४। ६॥ रागखट॥ माधवसाधवकौनसकैबनिजौलौंरावरिकैनदया॥ कोऊकनफटाकोऊघनजटी कोउमूढमुड़ियाजोनया १ कोउफुटीतूमीलैकुटीमें कोऊतीरथअटनगया। अंगअंगकोउछारलगाये कोउचन्दनचरचितमलया २ कोउकोपीनपीनतनधारी कोउनगनजारीजोहया । कोउफलाहारीजलधारी कोउआफूपीवतविजया ३ काहूऊर्धबाहूइकदोऊ एकपादकोउशीशनया । साधुवहीजोससाधअचलहै जेहिपैंनाथतुम्हारिमया ४। ७ माधवक्योंनअराधवरे मनबाधवजगतउपाधिसबै। आठौजाममाहिइकनामहु जपहुहोयअवकाशजबै १ सतकीरतिगतिमतिअतिपैहो होइहौसुन्दरसाधुतबै॥ दिनबीततनहिंलगतबारकछु कालकरंतेकरहुअबै २ हियलिखरखहुविषमविषविषयहिंयहसिखवेदकहतअजबै। निजरिपुचारप्रचारजुगतकरि इनतेसबसंसारदबै ३ बारदेतपरिवारपैतनमनवहतोवारकरैंकुढबै। प्रीतिसाथनिजनाथनचीन्हीं मिलतविशदपदतोहिकबै ४। ८॥

—०—

कदमपंचरत्न॥

चुरिहारीलीला॥सोरठा॥ दोहा॥सदाबसनिहारीअरीहौंम

थुराकीनारि।मनहारीप्यारीजुकेलाईचुरीसँवारि॥ टेक॥
प्यारीतिहारीमनहारी टुकलखजारी। भांतभांतकीचुरियांलाई जोगकलाईकीसारी॥ प्यारी १ एरीसुनहरीरंगरुपहरी छन्दवन्दकरकेन्यारी। लालगुलालीजरदजँगाली ढुबियामनमोहनवारी २ चटकचुहादन्तीगजदन्ती शंखचूड़अतिछविवारी। चुरीजैपुरीअरुजैतूनीढूनीललितलहरियारी ३ तारबादलाअरुपरकाला जोब्रजबालाकीप्यारी। धानीसुघरबखानीसबकी कलितकरौंदीरुचिकारी ४ लहठीललितमरहठीआवी पंजाबीसुपोतवारी। जालदारगोखरूदारजो सबैदारकीमनहारी ५ इनतेअधिकऔरजोचाहो तोघनदामनकीभारी। मनिमयजड़िततड़ितआभासी नौरतननकीरतनारी ६ महलमहारानिनकेयोग्यये औरनलैसकिहैंनारी। जाकेतोलअतोलमोलना अतिअमोलचुरियांसारी ७ सुनतबिशाखावचनविशेषेबोलीदेखेंचुरियारी। औंचकिउचकिलचकिनिजनेरे सुघरपिटारीकोटारी ८ हाहाखायधायवहखेंचे इतउतऐंचेंब्रजनारी। भेदविभेदगुनैनगँवारी दहीदूधवेचनहारी ९ नगरनगरघूमनहारीहौं महलमहलडोलनवारी। जैसीयानगरीमेंऐसीलखीकहींनहिंवटमारी १० अलीफलीसीभलीतुदीसे कहाछीनलीतीहारी। नाहकरोसदोसक्योंलावे तुहीअनोखीचुरिहारी ११ गुनीनतूतातेनगुनीकछु दूधदहीसबतेंभारी। ऐसीकोमलाईकेआगे औरकौनकीसमतारी १२ इन्दुरेखअवरेखवेखयह सांवरसूरतिसीबारी। बोलीआ

रीतूनमनहारी पैमनहारीदैवारी १३ हौंतोदीनमलीन छीनतन गलीगलीघूमनहारी । कछुनसहूरधूरतर वाकोहौंचेरीसीचुरिहारी १४ चंपकलताकहतबनितातू जाप्यारीकोपहनारी । मुहमँगेपावेगीदामतूबोलीबाम अलिबलिहारी १५ चटकचुरीअँगुरीकीलखिलखि मटकआंखकीअनियारी । नाथहाथपहिनावतचीन्ही उघरगईकलईसारी १६ प्यारीतिहारी० ॥

इतिषोडशपदीचुरिहारीछद्मलीला ॥

ठुमरीलखनऊकीचाल॥ दोहा॥ सुनसुखसेजिनलाडिली हौंरँगरेजिननारि । लाईतुवहितदूरतैंचटकचूंदरीसारि॥ सुनलेरीमेरीछबीलिनियां । मथुराकीहौंरँगरेजिनियां ॥ नीलेपीलेविविधरँगीले बिचबिचमनहुजड़ीमनियां । तू लाडिलिराजाधिराजकी समैसमैपटधारिनियां॥ हरीचो पमेंकालीकोपमें पीलीमानशुभसुरखनियां। हौंब्रजनाथ साथकोसखिया लेतदेतपटगहँकिनियां ४।२॥ झंझौटी॥ दोहा॥ एरीमेरीसुगंधिनीगंधिनिकीहौंनारि । धारीप्या रीप्रीतिपैअतरपिटारीसारि १ ॥ टेक ॥ गंधिनिएरीसुगं धिनिआई ॥ सुयशसुगंधतिहारोउड़िउड़िफैलीचहुंआ ई । सुनिकैनामग्रामगोकुलतें अतरसुघरलाई ॥ तोहि सखीसेवतीमोतिया जुहीहियेभाई । नाथहाथकेतकीम लतहीं प्रियाचीन्हपाई ४ । ३ ॥ ठुमरीलखनऊकीचाल ॥ दोहा॥ बीरविसातिनहौंअरीपरमबिसासिनिनारि । स बभांतिनकीचींजभलिलाईपांतिनसारि ॥ टेक ॥ बनि ठनिइकआईबिसातिनियां । सबभांतिनतेरीटहलिनि

यां ॥ धारिसूरसाओरमिसीकर श्यामवंदनीलटकानि यां। कंघीसुघरखिलोनेलोने चकईमौरेफिरकनियां ॥ विविधविन्दियारँगरँगगुड़ियां अंजनमंजनदरपनियां। नाथहाथदरपनदिखरावत पहिचानीलखिमटकनियां ४। ४॥ विहाग॥ दोहा॥ गोदनहारीगोदनाहौंफुरतीली नारि। बीरपीरकैहैनकछुगोदिहौंगातसम्हारि ॥ टेक॥ अरीप्यारीगोदनहारी ॥ वारिबधूटीनान्हीनान्हीबूटी सुन्दरभांतिगोदाजारी। तिलप्रसूनगोदनाकनातिल रच नारुचिररचौंसारी ॥ सुबुकचिबुकअरुकमलकरनिपै मधुकरशिशुकरछबिन्यारी। नाथहाथपकरतहीचीन्ही प्रियाबोलिअलिबलिहारी ४। ५॥

सांझीपंचरत्न॥

ईमन॥ सांझभईसांझीचलदेखनसबसखियांबरसानेरीगोइयां॥ निजनिजकाजआजतजआलीउठचलका हूबहानेरी गोइयां। भलीभांतवृषभानललरिची निज मुखबहुतबखानेरीगोइयां॥ रचतखँचतनवरतननकेरी गजमुकनकेदानेरी गोइयां। लैचलसाथनाथहूंकोउ त जोसांझीकेसिहानेरी गोइयां ४। १ सुघरसखि सांझीराचीरे गोइयां॥ सजिखासीसुखरासी मथुरार वाईवृन्दाबनहूंबनाईप्यारी गोकुलासजाईछबिसांची॥ नाथसाथगोपनकेकुंअरकन्हाईमाई करतबड़ाईरचीजांची। सुघर० २॥ झँझौटी॥ सांझीसांझरचाईराधे। अलबेलीसबसंगकीसहेली मिलिजुलिसकलसजोई

राधे०॥ वंशीवटयमुनातटपनिघट जेहिथलभलाविलसाई राधे०। ब्रजवनविपिनकुंजपुंजनके ग्रामनगरहुवनाई राधे०॥ जेतिकहैंअभिरामश्यामकी लीलासबसुख दाई राधे०। तिकतिकतेतिकरचतिखैंचतिअतिठीक ठिठीकनिकाईराधे०॥ दोहरीतेहरीविकटचौहरी बेल कलिलामिलाई राधे०। आयेनाथसाथगोपनके धनधन करनवड़ाई राधे० ४।३॥ कलिंगड़ा॥ बरसानेमांझ सांझसांझीकोरचाईराधे। कवहूंगोवरकररचतिगोबर धन कवोंवृन्दावनतनमनतेबनाई राधे०॥ कवौंमथुरा पुरीकवहुंगोकुलापुरीहूँ कवोंवरसानेनन्दगाँवहूसजाई राधे०। हाथकीसफाईअधिकाईसुघराईआई कहूंहरु आईगरुआईनजनाई राधे०॥ कहुँपँचरङ्गीबहुरंगीरंग धूरिपूरि रचतसुरङ्गीअतिहितचितलाई राधे०। कहीं खिलेअधखिलेमलेफलफूलमिले कहींखुलेपातनकीर तनजड़ाई राधे०॥ सांवरीसुरतिमृदुसुरतिसखीकेरूप धरिकेअनूपआयेकुँवरकन्हाईराधे०। नाथनिजहाथकी निकारीकारीगरीसारी लखिनिजरंगइकसंगमुसकाई राधे० ४।४॥ खेमटा॥ सांझीकीमोरवेहार चलमोरीगोइयांनिहारभले॥ सांझमांझकछुफुरननीके तीकेजो पीकेविहार चलमोरी०। रातबजावनगावनकेरी फेरी मचीहरद्वार चल०॥ बिलगबिलगबिलगैहौंवतैहों तोंदे होतनमनवार चल०। इकटकसाथनाथछबिलखिहैं ये अँखियांरिझवार ४।५॥

बारहमासापंचरत्न॥

आलीरीवहमोहन मूरतिनिपटनिठुरमोहिंजानिपरी री ॥ लगतअसाढ़गाढ़दुखव्यापे मनहुंसघनघनबाढ़ करीरी। काढ़कटारटारदैहौंदुख बिरहतपनतनमाहिंभरी री १ सावनशोकनसावनसुनियत मोहिंनसावनहैरगरी री। आवनलगेसखिनकेभावन हमरेवामनक्योंनिदरीरी २ भादौंयहभादौंरिपुसजनी रजनीसाँपिनिसीनिकरीरी। निशिभरि भभरिभभरिनींहिंसोवतिरोवतिअतिरतियांगु जरीरी३ करीखुआरकुआरधारहठ बिनुवहनन्दकुआँरह रीरी । रचिनहिंसकतिसाँझसाँझीकछु साझीयदपिति यासगरीरी ४ कातिककातिकमारतशूलन तापरल खिलाखिजोतिजरीरी । दीपशिखासमसीसधुनतिअति फरफरातिदेहियाँदुबरीरी ५ अगहनगहनलगेसखित नतन छनछनविरहअगिननिकरीरी। कांपतिअतिहांफ तिव्यापतिबहु तपनतेजतेहिपैनजरीरी ६ पूसदिवसस बफूसअगिनसी युगसमानमोहिंलगतघरीरी । रैनबि हातसिहातसिहातहिं कबहींनसोईसेजसुथरीरी ७ माघ निदाघभांतिमोहिलागतजागतबीततरैनखरीरी। बहुत जम्हातथिरातनकतहूँ अतिअँगिरातरातगुजरीरी ८ फागुनसगुनछाड़िनिर्गुनभज अजउपासनाकौनकरीरी। उतसबबाललालसाजनयुत इतव्रजबालभसमगुदरी री ९ चैतअचेतकियेचिन्ताचित रचिनसकतिसिरकी कबरीरी। मदनभुआलहालअसकीन्हे सकतिउड़ायन

सुखभँवरीरी १० यहबैशाखशाखरूखनके लागतहीक रीहरीभरीरी । मोतनझारझारकरिडारत निजछायातर राखिछरीरी ११ ऊधोसूधोजेठसेआये जेठनामयहसुफ लकरीरी । भोगिनिसबाहेबनावतजोगिनि होइहैंनाथसा थसबरीरी१२॥ठुमरीलखनऊकीचाल॥सखियाँहमरीअँखि याँदुखियां ॥ सपनेहुनहींकबहींसुखियां । बिलपैंकलपैंदि नहूंरतियां नइनेहसेदेहकियेगतियां ॥ यहमासअसाढ़ सेंबाढ़बिथा झरनासीझरैसगरीरतियां । दिनमेंछिनहू नथम्हैंअँखियां लहिस्वेदप्रस्वेदबहेनदियां १ सबकेम नआवनसावनमें घरआवनमेंनटरैमतियां । हमरेपिय हियतलफावनमें तरसावनकीकरतेघतियां २ भादौं यहभादोंवैरीबड़ोकड़कैतड़केसबहीघड़ियाँ।रतियांभरि मोहिजगावतहैं डरपावतहैंसूनीसेजियां ३ यहमासकु आरखुआरभये बिनुनन्दकुअाँरसुनोसखियाँ । साँझी हुनसांझसजीकबहीं सबहीछनकांपतिहैंदेहियां ४ यह कातिकघातिकसेसजनी- रजनीनसुहातरुजीभाँतियां । जियतंगपतंगकेरंगभये लखिदीपकजोपतियांपतियां ५ सखिलागेगहन्अगहन्तनको जिमिकांपतिफूलन कीछड़ियां । कड़कैहैरदनफड़कैहैबदन् ताहूपैमदनकी लगीघतियां ६ यहपूसमहामनहूससखी अतिहूसकी जानिपरैजतियां । मैरीकूससीफूससीदेहँकरी जोरही सहीफूलनकीभँतियां ७ यहमाघनिदाघसेमोहिलगे रँगवाघसेपीतपिछावरियां । सरसोकरफूलनलगेसरसो वरसोंसेयहीजोसहीगतियां ८ यहफागुनकेगुनक्या

बरनों मरनोभलोयाहीमेरी मतियां । तनबीरअबीरल
गेचिनगी वहलालगुलाललगेअगियां ६ चितचेत
अचेतकरेहमरो यहचैतमेंकामकीहैलतियां । निक
लीजोकलीबनबागनमें चहुँओ रहरीभरीसीपतियां
१० बैशाखसुशाखरखेसुथरी हरीमोरीहरीसगरीछ
बियां । कलकोयलियाकरकूकहिया बिचहूकभरेयह
पापिनियां ११ यहजेठसेजेठजोआयगये हरशेजउ
मेठरहेदेहियां । सबहीसुखहेठकियोहमरो अबनाथ
केहाथसबैबतियां १२।२॥ सोरठ। रेखता॥ सनमृदिल
सेनजाताहै अइकमोतीढलाताहै ॥ दोहा ॥ चैतहिंचि
ततेंचेतहरि चहुआईबहिपौन । बिनाचतुरचितचोरव
हचिन्तामेटहिकौन ॥ जबीसेचैतचढ़आयातबीसेतन्
जलाताहै । नोकीलाबौरआमोंका जिगरबर्छीचलाता
है१॥ दोहा ॥ साखनकोसूखेकरतयहबैशाखविशेष । मो
तनतनरूखेकरत दूखेप्रानहिशेष ॥ सुखाताशाखसात
न्तन् सिफतबैशाखलाताहै। बड़ाहीतेजआलिशसेजि
गरशोलाबढ़ाताहै२॥ दोहा ॥ कठिनकसाईसेभयोदुख
दाईसबहेठ ॥विरहीजनजारननिमित सबमासनतेजेठ॥
सुराहीबर्फखस्खाना सजेजबजेठआताहै।मगरभीतरन
हींतरहैसिरिफ़ऊपरजुड़ाताहै३॥दोहा ॥ यहअसाढ़दुख
गाढ़दे बाढ़विरहकीवेग । डरपावतिचपलाचमकि बाढ़
धरीसीतेग ॥ चढ़ाआसाढ़मनमेराबड़ाहीगाढ़पाताहै ।
सदाशामोंसहरचश्मेंदुधारासाबहाताहै४ ॥ दोहा ॥ शो
कनसावनसावनहिसुनियतकतमुखबैन । पैमोहिंतरसा

वननिमित सरसावनहितमन ॥ यहीसावनसुहावनमें हिंडोलासबसजाताहै । विरहहिंडोलमनभावन सदाह मकोभुलाताहै ५॥ दोहा ॥ जादोजूकेजनमको सुखदसु-भादोमास । सोतड़पतडरपतहिया अबभादौरिपुखास॥ लगाभादोविनाजादोमँगादोविषसुहाताहै । अँधेरीरात मेंएरीतड़पनाजडिराताहै ६ ॥दोहा ॥ क्वारसखीरीक्वारस म क्याजानेतियभेद । क्वारकरलसखिसुखसवेदेदेबहु विधिखेद ॥ महीनाक्वारकासारा हमाराख्वारजाताहै । बदनमेंचाँदकासाया फफोलासापड़ाताहै ७॥दोहा ॥ का तिकतिककरमारही विरहवानधरबान । घातकमेरेगात के पातकजातकजान ॥ हुईआशिकमैंकातिकपर शमा रौशनकराताहै । जिगरवेपरकापरवाना कहींनाहैंउडके जाताहै ८॥दोहा ॥ अगहनगहनलगेहिया जियाकँपाव तमोर । गहनसघनकोपवनसम सहनक्केनदुखघोर ॥ ल गाअगहनगहनमेरावदनविलकुलकँपाताहै । जिगर में नेवलागाडाअजवजाड़ालगाताहै ६ ॥दोहा॥ पूसवड़ोमन हूससोतनतनदेजकड़ाय । कूसफूसकोसोकरतदिनदिन देतसुखाय ॥ महामनहूसकानावरमहीनापूसआताहै । रुकाताश्यामकहनेको जोदँदाँकड़कड़ाताहै १०॥दोहा॥ विरहअगिनकेदागते मानहुँबाघनिदाघ । पीतपीतरँग प्रीतबिनु लगतचीतधौंबाघ ॥ महीनामाघलगतेही व सन्तीसबसजाताहै । मेरीतोकुदरतीज़र्दी मुझेयह रँगनभाताहै११॥ दोहा ॥ फागुनफागुननामअसकसहो इहैंपियसाथ । ऐगुनतजिकछुगुनगिनौ दरशदेहुव्रज

नाथ॥ यहीफागुनकागुन्सुनलो हरेक्तन्तड़फड़ाता है। हमेशागमकोहमखाते औरयमहमकोखाताहै॥ कहोतोनाथयेहोरीतूकिसकोअबखेलाताहै। जोखेलोआ केमेरेसँगतोरिश्ताओरनाताहै१२।३॥बारह रागों का बारह मासा॥चांटो॥ टेक॥ अँखियाँपियासीहो बिनुदेखेहरिब्र जवासीहो। चैतहिचेतवानाचितवाहो॥रामाबिनुचितचो रवाहो। चिहुंकिचिहुंकिचहुँओरियाहो॥रामा॥ चितव तइतउतसूझतकोउनाहींहितवाहो १॥ देश॥ तनशाख सासुखलावे बैशाखयेसुखलावे मोकोहरीकलपावे सुन केसवतकलपावे॥ देहींमदनहलकावे दुखकोनकुठहल कावे २॥ शहाना॥ जेठहिऐंठेजियमोरारे पियारेबिनु॥ बैदहिलाओदुखविरहामिटाओ तपनबुझाओविषघोरा रे पियारेबिनु ३॥ मल्हार॥ दुखगाढ़असाढ़लाये घन घहराये॥ जियरडेरायेहरिनाहिंआयेहो। मानहुमैनको सैनजोधायेविरहिनिनैनझँपायेहो दुख० ४ सबकहेसा वनसुहावनहियहुलसावनहार।मोरेलेखेसुखकोनसावन बिनुमनभावनहमार सब० ५॥कजरी। टेक॥ जादोबिनु भादोदुखव्यापेरेसहेलनी॥ एकतोआपेजियकांपेमोरीस जनीरजनीअँधेरीदृगढांपेरेसहेलनी६॥रेखता। सोरठा॥ महीनाक्वारकाआया कराया्क्वारजोबनको। हमारेमीत मोहनजी सिधारेहन्कोजोबन्को॥ दोचन्दादाहताच न्दा नचन्दाँपावतातन्को। बिनावोयारब्रजचन्दा सो मन्दाफबनहींतन्को ७॥ ग़ज़ल॥ माहकातिककासुनो घातकगोयासैयादहै। मुर्गेदिलूविस्मिलहमारा मिलते

हीबरवादहे ॥ इश्ककेगुल्शन्मेंये गुल्सामेंरागुलगुलं बदन् । गुलकरेगुलसाजरे उसगुलसेयहफ़रियादहे ८ ॥ पूरबी ॥ अगहनलागेगहनसमआली सहिनसकतदुख प्रानरे । अँसुअनगातनहातहमारो करनचहततनदान रे ॥ करकोमालवनायजपौंरी करगोपालजीकोध्यानरे । विरहराहुयहकाहुनमेटेविनुवहश्यामसुजानरे ६॥खेमटा॥ पूसेकूसेसथरियासोऊँ सपन्यौनाहींसेजरियाजोऊँ । एक् तोसर्दीविदर्दीसतावे दूजेसथरियामेंअँसुवनधोऊँ १० ॥ वहारकाख्याल ॥ माघमनोमोहिवाघलगेविरहदशनचि न्तानखवाको । पीतपीतरँगप्रीतनसावे कांपिहांफिजिय देखतजाको ११ ॥ होलीजंगला ॥ फागुनकेगुनगाओरी मोरीसखियांसहेली । नाथसाथपायेमनभाये अवसब रंगभिगाओरी मोरीसखियां० १२ ॥ पूजीमनकीआ सहमारी । गइदासीकीउदासीहो॥दरशनआसीहो० ४॥ बारहमासी । लावनीचारचौककी ॥ सजन्विन्कैसेरहूं न्यारे । तन्तन्मेंरेतपन्बढ़ेकहोंकौनजतन्टारें ॥ लगा आसाढ़वाढ़दागन् । सुन्सुन्केगुन्गुन्केजुदाईलगा धीरभागन् ॥ लगेसावनदृगबरसावन् । तन्तन्मेंरेम दनअरी लागेवहसरसावन् ॥ भादोजादोनाथकेलखि सुनोजनम्केमास । दधिकांदोकेखेलकीसुध हेलमेल कीखास॥यादआतेही हूलमारे तन्तन्० १ करेयह क्वारख्वारतनको । सरदचाँदनीकरदसीलागे भावेन हींतनको ॥ कातिकघातिकप्रानको विरहीजनकेखास । आलीदिवालीदेखकेवोयादआवेसुखरास ॥ दीपसबजा

रेकेरेजारे तनूतनू० २ लगाअगहनूजोगहनूतनत नू। सिसकूसिसकूजीरहेहियाधकूधकूजोकरेछनूछनू॥ चुआअँसुआजोहियेठनूठनू।हुआहालअधमुआसामे राकाँपेबदनूगनूगनू॥ पूसफूसकीआगज्योंदिनत्योंमोहि लगेपहार। मनूकोकरेमनहूससातनचूसचूससुखसार॥ जिगरलागरसाकरडारे तनूतनू०३ ॥ माघयहदागजि गरदेवे। विरहानलकीप्रबलअनलपलकलभीनहींलेवे॥ सगुनफागुनमेंरंगभेवे। मेरेअंगबदरंगहोरहे श्यामरंग सेवे॥ चैतअचेतीमेंबिता अबआयरीबैशाख। साखदे उँमैंनाथकीराखूंगीप्रानभरपाख ॥ जेठनहिंमुझ्लेजेठ प्यारे तनूतनूमेरे०४।५॥

निर्गुणाष्टक॥

भैरव॥ समुझबूझकरचलोमुसाफिरयहँबसतेसबछली छली। झिलझटोपगढ़तोपकिलापर भुलोनहींसबदली दली १ जीतोगेजौंमलीछलीको चारबड़ेहैंबलीबली। इनतेंजीतसकेनहिंकोई येतोड़तहैंनलीनली २ यहसं सारअपारविपिनसे पापफुलेहैंकलीकली। तोड़तकरत बहुतविधिशासन रखवारेसबझलीझली ३ इकइकर्फ रतछलीहरकारा नगरनगरकीगलीगली॥ भजहुनाथ रघुनाथनिरन्तर तोहोइहैंगतिभलीभली ४।१ एकीया रआशकहजारहाँ कहकिस्कावहहोवेरे। करेप्यारजोयार उसीका दुखगठरीसिरढोवेरे॥ आलेप्रेमप्यालेकोपीकर

यहदिल्कहांगिगोवेरे २ यकोजमसोजकेमाफिक श्रश्कोंसेदिलधोवेरे। धागेसत्रकेकरचौतागे मल्कासन् लापोवेरे ३ खुदवुतहोउसवुतकेऊपर फिरवहनाहिंकुछ गोवेरे। उसीनाथकेहाथमेंविल्कुल् लब्वेवहीजोवोवेरे ४। २॥ परजा॥ दमृदमृउसरवकोयादकरो। ऐनचैनहोजिस कीयादसे उसहीसेदिलशादकरो १ क्योंनाहकजंजाल जालसेंशवोरोजवरवादकरो। दुनियांकेविल्कुल्फ़सादसे श्रपनेतईंश्राज़ादकरो २ अपनीबेहोशीवदहोशीकी साह वसेफ़रियादकरो। कोईराहमालिकके चाहकी सोचसम श्रईजादकरो ३ चाहदुनियवींचाहमेंडालो उसपैज़रा एतकादकरो। हाथजोड़कहेनाथसबीसे इसमेंजरासी दादकरो ४। ३ अवकवदसरवकोचेतोगे गरीबगुर्बोंके हक्नाहककबतकगर्दनरेतोगे १जरजमीनहरकसीनमा फ़िक कितनेदिनलौसमेटोगे। दुनियांकेश्राजावस्वाव सेंकवतुमकानउमेठोगे २ झूठेजगजंजालजालको कब लगखूबचपेटोगे। श्रकसरवाज़ीगरकेलूतसे कितनावैठ लपेटोगे ३ हरहमेशमीयादयादकीउसेस्वावमेंमेटोगे। नाथऐशोश्राराममेंलेटे आखिरकोफिरलेटोगे ४। ४ भैरवी॥ श्रजहुंनयाजगकोपहिचाने। सर्वससौंपिदेहुका हूको तवहुँनहोतश्रपाने १ सुतवनितादिश्रादिजे श्रपनेतेऊनिजहितठाने। परमारथकेश्ररथनहींकोउस्वा रथबिनुनदिखाने २ खानपानसुखखानखानके जोड़देत तेहिमाने। नातरुभगेसगेहूजनजे हियतेहितहिठा- ने ३ जिमिखगमृगसुखदुखकेकारन एकहिथलनथिरा

ने । लिमिअसारसंसारकेवासी देखिनाथघवराने ४ । ५
जगतकीऐसीउलटीरीत ॥ साधुसन्तगुनवन्तनकेसँगक
रतकबौंनहिंप्रीत १ कपटीकूढ़मूढ़कायरतें निशदिनरा
खतरीत । जोदाहकनाशकआगमको लिखवतनितहिं
अनीत २ अतिअनुरागरागसुनिवेको नृत्यदेखिहग
शीत। श्रुतिपुरानसुनिसुनिगुनिहरिजिन लागतविषसम
तीत ३ अरिकोमीतमीतअरिबूझत ऐसीबुधिविपरीत।
अजहुँभजहुनाथनकेनाथको तौतुमयहजगजीत ४।६
सँपरतहीदिनजातहमारे ॥ हरिगुनगायेनपायेजगतसु
खयोंहींजन्मसिरातहमारे १ आजकालकरिकालगँवाये
अन्तकालनियरातहमारे । बीसोबीसईशनिजभूलेखी
सकरतदिनरात हमारे २ पीसपीसनिजदाँतरीसबल
सबहीपैझुँझलात हमारे । सुतदारासाराकुलजनकेखा
तरहतानितलात हमारे३ वृथाबादवकबादससखरी झूठ
हरघरीबात हमारे । नाथगाथगावनकोगुनतमनअबहिं
बहुतदिनतात हमारे ४ । ७ ॥ सोरठ ॥ प्रभुमेंपरमप
तितप्रधान । मोहिंसमाननआनकोऊ दोखदुःखनिधान
१ गुनगुनतनहिंऐगुनहिंगहि रहतअतिसुखमान ॥
पुन्यकथलशून्यपापाहि गुन्यगुनकसमान २ धर्मकर्मके
मर्मनेकहु कबहुँनहिंपहिचान । उचितकोअनुचितहिमा
नत नितहुचितचितबान ३ परमहितहितेहिअहितबूझत
कछुनसूझतज्ञान । नाथगाथसुहातनाहिंन योंहींजन्म
सिरान ४ । ८ ॥

अथनाथपद्मसञ्जरीफाग॥

सिंधुभैरवी॥ आजसुदिनचलोफागखेलनसखि श्रीग नपतिजूकेद्वाररी॥जूथकीजूथअलीनिकलीसवगूंथसुम नगनहाररी १ साजसमाजसाजपूजनलेभरिभरिकंचन थाररी२लैकररंगरंगपिचकारी सवरसरंगसँवाररी ३ श्रीगननाथसाथवरमांगतनितयहफागवहाररी४।१॥ सोरठ॥ देखोविंध्याशिखरगिरिपराविहार। रचीहैअंवहोरी वहार॥लोहतसंगसुखमोगिनिजोगिनिजोगिनगिनगुन कीश्रृगार १ निरतततततथेइथेइथेइपुकार इतश्रीमहा देवदेवनसँगभैवतदेकेसुरफुहार। उतजोगिनगनपिचका रीमार २ सजतरजतगिरिपरजिमिश्रविवरकंचनकील तिकावहार। पुनिकनकलतामेलतानिहार३ महाराजम हरानीभवानी आजसजीसुखमाअपार। भयेनाथसुदि तचितछविनिहार४।२ विंध्यशिखरगिरिवरपरहोरी। खेलतश्रीगिरिराजकिशोरी॥अमरीअमरसुघरकिन्नर नर मुनिवरअरुसखियांसँगगोरी। सजिरंगलालगुला लकीझोरी १. धरजोरीशंकरगनकरसवधरधरकरसखि वरझकझोरी। तवसवडारीगुलालकीझोरी २ अंधका रअतिभयेपहारपरहिलिमिलिएकमिलायदयोरी। मा याजुतजिमिब्रह्मभयोरी ३ नाथसाथतेअंवतमकिजव चमाकिकिरनसमतमहिनस्योरी। जिमिमायातजिज्ञानि नकोरी ४।३॥ सिंधु॥ कालौंकीकालकालीकराल हो रीखेलतजोगिनियनसाथरी। अंजनगिरिसमानछवि

छाजत पहिनिअसुरकरमाथरी १। २ बोरदईरंगवीच मातुकी गावतिअतिगुनगाथरी ३ मृगलोचनिदुखमोच निश्यामा जयतिसिंहाअतिनाथरी ४। ४ जयतिजयति जयजगतमातु श्रीअम्बूरनमाथरी ॥ दहिनेकरकरछी तिरछीहै बटुवावामसुहाथरी १। २ स्वर्णछत्रसिरपत्रलुम नकेसकलशिंगारबनायरी। गावतिगीतअप्सरानाचति राचतिगतिअतिभायरी ३ उड़तगुलालललमयमंदिर नाथलखतनअघायरी ४। ५॥ काफी ॥महरानीभवानीके द्वारफगुआआजहैं। साजसमाजसाजसुरमुनि आ येकोटिहजार। शोभाछाजहैं १ विद्याधरगंधर्वअप्सरा सुंदररूपअगार। गुह्यकचारनसिद्धआदिगन रचि रचिविविधप्रकार। साजेसाजहैं २ नारदअरुतुम्बूर बजावत गावतसुयशअपार। जागतमैनवैनसुनजाके कोकिलमोरहुहार। धुनिसुनिलाजहैं ३ मंदिरलालला लआँगनभो लालहिसकलशिंगार। लालमयीह्वैरहीहैं श्यामानाथलालदरबार।सुखदसमाजहैं४।६॥ जंगला॥ होरीखेलतहुलसाईहो जगपावनिगंगा। एकओरगौरि गौरिसखियनसंग एकओरशिवसमुदाईहो जगपा० १ एकओरगंगसंगसखियनकेरंग विविधबरसाईहो। द हिनेगौरिबामदिशिसुरसरि शंकरबीचसुहाईहो जगपा० २ मारेपरस्परदोऊकुंकुमा निज निजदांवबचाईहो। हरहरकरहरहरतनधोवत फिरिफिरि रंगभिंगाईहो जगपा० ३ उतडमरूसिंहीइतढोलक तालऔरसहना ईहो॥ नाथसाथगावतऔबजावत नाचतहरहरपाई

हो जगपा० ४ । ७ ॥ होलीचंद्रकेशकी। सिंधु ॥ श्री कर्दमेशगिरिजेशजू आजवनेओरहिसुमेश । फूलमालकेझुंडविराजत शिरत्रिपुंडबहुवेशहो १ लाललाल सबहाथरहेहैं औरनरंगकोलेशहो २ गायवजायरहेपुलकितमन वासीदेशविदेशहो ३ नाथहाथजोरेयहमांगत दीजैदरशहमेशहो ४ श्रीभीमचंडिकेआयरी । आजु औरकछुछबिसुहाय चूंदरलालललालगलमाला भालगुलालल गायरी १ मृदुमुसकनियाबँकचितवनियाँ लखिलखिहियहुलसायरी २ मंदिरसकललालमयकीन्हेलाल गुलालउड़ायरी ३ नाथसदाअसदरशातिहारो मांगतमाथनवायरी ४ ॥ काफी ॥ श्रीरामेश्वरजीकेद्वार फगुआ मांचेहैं ॥ बजतचंगमुरचंगमृदंगनि करकरतारसितार। सुरसबसांचेहैं १ रंगगुलालउड़ावतगावत सबकोप्रेम अपार। मोदसेनाचेहैं २ आजकोमेखदेखडुखभागत ऐसोसुखदशिंगार। सुन्दरराचेहैं ३ नाथलालमयशंभु कृपामय देहुदरशहरवार। भक्तिकेसांचेहैं ४ पांचोपंडन केदरबार खेलोफागहो। गावहुफागवजावहुबाजन गति सुरसकलसम्हार। अतिहिंसरागहो १ इनकेधामश्याम सुन्दरनिजजातआयबहुवार। बसअनुरागहो२ जोये पांचसांचहरखेहैं देहैंपदारथचार। जगिहैंभागहो३ नाथ साथहिलिमिलिखेलहुसब सुन्दरफागबहार। सबदिन मांगहो ४ वरदेवकपिलमुनिदेवं फागमचावनको । लै करसाजसमाजफागको आहीबहानेधाय। दर्शनपावनको १ सालकोसालदेहुमतिऐसी तनिकनमनअल

साय। तुवढिगआवनको २ मैंमदअंधमंदमतिपापी सूफतकछुनउपाय। प्रभुगुनगावनको ३ नाथसाथस्वा रथकेधावत तुम्हरेहेतुनजाय। आसपुजावनको ४॥ सिन्धु॥ भैरोनाथभूतनकेनाथहोरीखेलतजोगिनियन साथरी। रंगअबीरबीरमरिझोरिनलटकायेबिचहाथरी १ कुंडलगलअलफीभलिसेल्ही सोहतशशिबिचमाथरी २ चोवाचन्दनकेसररँगमें भूतमभूतहिंपाथरी ३ औढरढ रननाथअलबेले कहतनाथगुनगाथरी ४ महाबीरबी रोंकेबीर सुतअंजनिऔरसमीरके। खेलैंफागअडबंग संगले बानरभालुनबीरके १ उलटिपलटिभूषनअँगसा जे तरपरसजिसबचीरके २ लोललँगूलकूलसबबोरे छिरकतरंगसनीरके ३ पीटतढोलनाचिगनथेइया नाथ चिघारगँभीरके ४॥ परज॥ होरीखेलतशंभुभूतनके संग। मृगछालामुँडमालातनराखलाय अरधंगगौरिभू षनभुजंग १ डिमडिमडिमडमरूबाजे असवारीवृष भारीकरासिंहिनाद सिरचंदजटाबिचलसीगंग २ डाकि निशाकिनिसंगसबै द्युतिकारीकारीभारीभारीतनदिखा य छविअतिभयावनीदिहनंग ३ नाथसाथसबगीतनई गाईऔबजाईभड़तिल्लनाचि धूरिनसमेतअतिउड़तरं ग ४ होरीखेलतपवनसुतवरकुमार। घिरिआईचहुंआ ईबहुताईसुहाय दलारिष्यमूकगिरिपरविहार १ संगबनर वाभालुबली किलकाईपुलकाईफटकाईलँगूरसबपरतरं गकेशरफुहार २ नाचैंसबमिलिनाचनई। गणथेइथेइथे इथेईसुहायअतिकरतशोरहूहूपुकार ३ नाथनईयहफाग

भई। कपिराईसनमाईहुलसाईबनाय सुढपिटतढोलपट पटउचार४॥ काफी ॥ रामसियादोउखेलैंफागरी।साजस माजसाजअतिसुंदरमहाराजदशरथकेबागरी १ इतरघु नाथसाथशिशुगनकेभोरीलियेहियेकियेलागरी।उतमि थिलेशकुँअरिकुँअरिनसँग भरिभरिकेसररंगगागरी २ तरलतरलचितकियेपरस्पर डारतरँगदोउसानुरागरी। वोरीजनककिशोरीपिछोरी जामाओैररुमालपागरी ३ कलासहितदमकलाललाभरि मारतहीउमग्योतड़ाग री। चोवाचंदनदर्गअंजनबहि मनरंजनिसीत्रिवेनीला गरी ४ तरिवरताहिनिकटसोअक्षैबट माधवमूरतिनिज उजागरी। केकीकीरकोकिलाकुहुँकत कहतकथामानोमु निसरागरी ५ करतकलोललोलपंछीपशु होंजबीचजु तमोजभागरी । भेसविसेसधारिसुरनरमुनि मज्जतती रथराजप्रागरी ६ हुलासिहुलसिसबरहसिरहसिजिय धा रतजिमिमाटीप्रयागरी ७ बजतचंगमुरचंगमृदंगनि गा वतफागअनेकरागरी ८ सियरघुनाथसाथकोखेलनि बर निनाथअतिप्रेमपागरी ८॥ टोड़ी ॥ धम्मार ॥ होरीरचीहै रामरनधीरबीरसागरकेतीर ॥ इतहनुमानमानप्रभुसास न उतसुजानदोउभाई। तहँरावनरनराजसाजभटटूटेवा जसमधाई। मानोसमरनहींहोरीगँभीर १ कटतरुंडसेमु ण्डपरतमहिधरत्तभुंडतैंधाई। बानरभालुशिवाशिवदान वफेंकतगहिचहुँआई। जिमिउड़तकुंकुमारंगसनीर २ अतिहिंउतंगअंगघावनतें बहतरुधिरकरधारी । मान हुलालरंगजुतसुंदर छूटिरहीपिचकारी। पगरेनुउड़त

तससमअबीर ३ चारनकोकड़खेतउचारन गानसमान सुहाई। बजतजुभाऊबाजनकहिकहि जैजैजैरघुराई। दससमाथसाथरघुनाथभीर ४ ॥ जंगला ॥ फागुनकेदिन आयगयेचलो श्यामसुंदरकहुँहेरीरे। पहिलेचलोपिय धामनासले बंशीकेधुनिविचटेरीरे १ होरीकेसाजसमा जसजेसब गलिनगलिनकरफेरीरे २ जाहीठांवपावहू चंचल वाहींसबैमिलघेरीरे ३ नाथसाथतुरतहिंमिलिपू जी मनकीआससबमेरीरे ४। १० ॥ पीलूजंगला ॥ मग मेंचलननहिंपैहेरे कोउसंगलागिजैहैं। जेहिजेहिपथतु मजैहोसहेली तहँतहँतोहिसबअधिकछैहैं ॥ श्यामसँ घातीबड़ेउतपातीबहुविधिधूममचैहैं कोउ० १ जानेहु अनजानेबनजैहैं जानेनपैहोफागखेलैहैं। जौंमिलिजैहैं नाथसाथकहुँ तौअतिनाचनचैहैंरेकोउ० ११ यानँदला लासखिछैलबड़ोरी मैंहोरीखेलनकैसेआऊँरी ॥ फागकी रीतप्रीतनहिंजानत। मचलतजबसमझाऊँरी १ जोजोहालललालमेरोकीन्हो। सोसबकहतलजाऊँरी २ ऐसेनिठुरलँगरसँगआली। फागखेलनकोडेराऊँरी ३ नाथसाथनाहककोफकफकक्राहेकोलाजगवाऊँरी ४। १२ ॥ झंझौटी ॥ बनिकेआयेबलबीरफगुआमांगनको ॥ झुंडकेझुंडबामदिशिलीन्हे। सुन्दरबालअहीर। मतु आलागनको १ घूँघरवारेअलककीछलकनि दमसुरमा तहरीर। कामहिंजगनको २ कटिकछनीकछिआछेसब ललितलपेटेचीर। दौड़नभागनको ३ नाथसाथगोपन केघुमत गोपिनघरघरभीर। घेरेआँगनको ४। १३

तियवनिआयेनँदलाल । प्यारिहिंसावनको ॥ अपनोरंगरंगपतियकोदे आपवनेनइवाल । सवहिंवुभ्मावनको १ गावतफागवजावतवाजन डफमृदंगनितार । हियहुलसावनको २ गोपिनघरघरघूमिघूमिकर भेंटतदेअँकवार । उरपरसावनको ३ नाथहाथडारतगलवहियाँ लखिचीन्हीतियचाल । हाथनपावनको ४। १४॥पीलू॥ वरियारीसेविहारीकरधारीरे । मुरुकिजेहैं मोरीनरमकलाई होइहैअयशनोहिंभारीरे १ निपटचहीरपीरनहिंजानतऐसीकरतहठियारीरे२ नाथहाथमेरोछांड़ोलाँवरो नाहींतोदेहौंअतिगारीरे३।१५ मोरीचोलीउमलतनुखरीरे । नीचीनजरियाशिरपैगगरिया।चितवतनाहिंकाहूओरीरे ॥ औचकउचकमलोमुखमेरो अविनगिराईभरझोरीरे। यावजनाथकोहाथकहालगे मगविचकरतछिछोरीरे १६ सदमातीअँठिलातीवहजातीरे। चलतउतानतानदोउभौंहैं यौबनमानजनातीरे॥ यानइवालकोकरधरलाओ कोउमोरग्वालसँघातीरे। नाथसाथअतिहोरीखेलाऊं तबमदकोफलपातीरे १७ नँदलालमेरोमालातोरडालारे । यामालामेरीमालादीन्हींनंदासेअतिउजियालारे ॥ डालगुलालडालभरिभरिकै कीन्हींअतिअँधियालारे । नाथहाथधरिलिपटिझ्कपटिउर बरबसजसमतवालारे १८॥ कर्लिंगड़ा॥ सारीभेवतसांवलधायधाय । आपलगतऔरनकोलगावत ग्वालबालसँगलायलाय॥ घूमघूममेरोइडिगहरकन घूममचावतआयआय। धरिफटकी पटकी

झटकीकोदहीमहीसबखायखाय ॥ माखनलैताहूपरलाखन गारीदेतमोहिंगायगाय । नाथहाथधरिछेड़त छांड़त मोहिंअकेलीपायपाय १९ सारीहमारीनबोरो । सुघरमेरेकरकेदोउकंकन याहूपकरिजिनतोरो ॥ येतोरीझरीझपियेंदीन्हीं अबहींवनोयहकोरो । कहूनसुननतेंदुगुनछकावे यामथुराकोठिठोरो ॥ नाथहाथदोउधरिधरिमेरोबरबशकोभ्रूकझोरो २०यारीहमारीनतोड़ो । जोयहबाततातनुमकीन्हीं तोतुमहींफिरजोड़ो ॥ जानोसांचकांचसी यारी आंचदेहजनिफोड़ो । सबदिनआसदासमनराखत याहिपलहुजिनछोड़ो ॥ चन्द्रचकोरओरसमदेखहु नेकहुमुखमतिमोड़ो । नाथसाथजियछांड़तनाहीं प्रेमकोनेमनिगोड़ो २१ ॥ जंगला ॥ कमरीवालालाला नाहककंगमिगाईहो । रंगगिरावनजवहमधाई कामरिमाहिंलुकाईहो ॥ लपकिझपकिरँगडारतमोपर अपनीदांवबचाईहो । याअजीतकोजीतूंगीकैसे कामरिल्योंजोछिनाईहो ॥ नाथसाथयहीबालबनैगी औरनआनउपाईहो२२ ॥ झँझौटी ॥ तुम्हरीपिछोरीकोछोरीहोलाला । शिरकीपगरिया उजरीचदरिया अबहींतोहमरंगबोरीहो ॥ बीचमेंखींचगयेकहांलालन कौनकियेबरजोरीहो । नंदमहरकरडरकछुनाहींलाजभाजगईतोरीहो ॥ नाथहाथतुमकाकेविकेहौं छिपिनसकतयहचोरीहो२३ कमरीकोहमरीचोराईरीआली । याकमरीहमरीदईमैया गैयाकीनिजचरवाईरी ॥ हरिहिहरिडरभारीमहरिके जातहिंभवनरिसाईरी । कबहूंयाकमरीकरदमरी धोबीनपाईधुलाईरी ॥ नाथसाथ

झीकारीकमरिया त्रिभुवनवशमेंकराईरी २४ हमरीबेस रइन्नेतोरीहोलोगो । केसरसेरँगवेसरमोरी अवहींवनीयं हजोरीहो ॥ यावेसरगजमोतियनकीहै लाखहुदामतथो रीहो । बीचगैलयहछैलमहरिको खींचकरीवरजोरीहो॥ नाथहाथभरिअविरमलीमुखटूटीजबैझकझोरीहो२५॥ झँझोटी ॥ ठुमरी ॥ वहुतनमलहुगुलाल जोवनाकेरंगढर कि जैहें ॥याजोवनाहमबहुतादिननतेराखीयत्तनतेपाल। छांडोगरजअरजसुनमेरीयाविचहाथनडाल॥ नाथसाथ विनुवालाजोवनवां कोऊनपूँछतहाल २६ अवनमलो मुखलाल गालोंमेंलालीउसडिऐहैं । परसतहींमोरीसा सुननदिया ,घरसेंतेदेहैंनिकाल ॥ पैयांपरनहूंतेसुनत नसैयां परिगइकठिनकुचाल । नाथतवैयहलालीरहेगी लालीनहोयजवाल २७ घरवालगाओनलाल चोलिया केवंदउखडिजैहें । याचोलियामोरीलाखनकीहै राखत बहुतसम्हाल ॥ चहुंदिशिवेलिटँकीमोतियनकी विच विचेहीरालाल । नाथहाथहमजोरिमनावत यापररंग नडाल २८ धीरेमलोमुखलाल झुलनीकेदावाउखडि जैहें ॥ याझुलनीमोरिलहुरीननदिया सँगनीदईमो हिंकाल ॥ एककोतीनसैयाँसेलगैहै देयानतोगेहिंकछुख्या ल । नाथहाथटूटतहीझुलनियांकरिहैमेरेबुरेहाल २९ ॥ देश ॥ क्यावडीसीझलकेरेमोतियानथियामेंग नान्हीना न्हीमोतिनसेमुखऊपरबुंदप्रसीनाकेझलकेरे॥ढुरहुरमुख परढुरहुरमोती इतउतानितआतिछलकेरे । नाथसाथते रेलखिलखिमोतीमेरोहंसमनललकेरे ३० बालारीतेरेका

नोंदावाला । झोकाखातदिखातहमेरो मनुआनूझोंके मेंडालारी ॥ बालरातसीताबिचबाला चंदासाक्याउजियालारी । नाथसाथरखलेलछलीमन बालेदाहोयबोल् बालारी ३१ दाहकरेतेरोजोबनाहीदोई । दूरसेदेखतएकनजरिया छतियाजरावतनाहकरे ॥ जियतलफावतनियरेनआवत ताहूपैसबकोऊचाहकरे । नाथकहेंजौलौंबालाजोबनवाँ तौलौंसबैकोउगाहकरे ३२॥ ईमन॥ ससुरारीकोरेजा लखिकेहुलसानी । गौनेकीबातसुनातसुहानी जानिपरतनियरानी ॥ यहकपड़ादिनधरनकोआनी याहीगवनकीनिशानी । यहपियरीबिनुमैंपियरानी अबतोभईसुरखानी ॥ सगजोहतमोरीअँखियादुखानी दिनगिनअँगुरीघिसानी । नाथसाथकबहोइहैंसयानी होरीबहुतनियरानी ३३ पथरेकाकरेजा पसिजेनसयानी । भीजतचीरपीरनहिंआनी ढरिढरिअँखियनपानी ॥ जबबिरहाकीआगिनधुधकानी तबक्योंनहिंटहकानी । चारदिनाकेरूपदिवानी नाहकपरइतरानी ॥ नाथबातसुनिकछुमनमानी घूँघटमेंमुसकानी ३४॥ पद। धमार ॥ आलीनाहकमानकरावतरे सदानचाहरहेगीबनी । जबलगितेरोजोबनरँगराते तवलगिसबाहिमनावतरे ॥ जोबनगयेवनठनहूरहेकोउ सोउशिंगारबिरावतरे । पैयाँपरनअरुबिनतीकरनते फेरिनकोउढिगआवतरे ॥ नाथसाथहोरीखेलोरीगोरी नाहकजियतरसावतरे ३५ ॥ काफी ॥ रूपकेओरभुलोमतिकोई अबूलोअजानभुलोसोभुलो । यहरँगरूपसुमनकलियनसी जोब

नहूँकीलखीपतिलोई ॥ एकहिनरफूलोसोफूलो। एक
सेएकबढ़यलढ़विचारे धारेंहिएगवरनीपरजोई ॥ उनहूँके
नंगरफुलोसोघुलो। अपनेहुहोतविरानेजोदिनआये जो
रीतिनिगारसलेनहुहोई ॥ कलईकोरंगखुलोसोखुलो। ना
थसाथमिलखेलोरीहोरी मानकरतपतोदिनखोई ॥ अ
बनेरोरंगतुलोसोतुलो ३६ ॥ कलिंगड़ा ॥ तुमआजसा
जदिनबनरीधायके श्यामसुंदरनोहिंबुलवाये। सक
लसिंगारसवांरवहीचलि कीजोसखिनिजमनभाये ॥ छां
ड़नहेलीनलरीअकेली कान्हकेनिनुबतलाये। आजकुं
जनकुंजनमें कहैदोउनकेमनभाये ॥ खेलफागअनु
रागभागसरि नाथसाथमनउमगाये ३७ सबलालला
लछविन्नाछीछाजिके चलरीलालजीहरषाने। सबअ
पराधक्षमावलिहारी जियसेंलालनकछुआने ॥ आग
लिबातलैबकरिपाछलि मानगुमाननवहआने। सुंदर
श्यामसंगतुमनाहककामानकरीसखिविनुजाने ॥ नाथहाथ
वृषभानललीधरि लेइचलीलखपरसाने ३८ ॥ परज ॥
आसनकरअवभंग आलीहोलीकेदिननमें। सा
जलसाजआजसखिखेलहु हिलिमिलिकेपियसंग ॥ ता
लमृदंगउपंगसंगलै बीनचंगमुरचंग। नाचहुतालस
म्हालसुधारहु सबरागनकरअंग ॥ धूपसेरूपजातयह
बावरि जसहरदीकररंग। नाथसाथहोरीखेलौरीगोरी
अबसबछांड़िकुढंग ३९ चालनचलरीउतंग। आली
होलीकेदिननमें। मानहुसीखनीकहिततोरे चलहुसि
कोरेअंग॥ ग्वालबालमोहनकेसाथीनिरखतहीयहरंग।

करडरिहैंडरिहैंनकोऊको यहजोवनमदभंग ॥ याव्रजमें लखिहैलछबीलोनन्दनँदनसरहंग । नाथहाथधरिनाच नचैहैं लैजैहैंतोहिंसंग४० ॥झंझौटी ॥ आईचंदसीवाला ऐसीभेषबनाई । जैसीभेखदेखहमआली लुधिबुधिस कलगँवाई ॥ चोरीकरनचितआईहैगोरी होरीकेसाज सजाई । शेरीआड़आड़वीळूसम चोटीसाँपडसाई ॥ नाथहाथधरप्रीतितेप्यारी अधरसुधातेजिलाई ४१ लटनागिनसीलटकायआईप्रानप्रिया । आवतहीलप कायधायकर दीन्हीसांपडसाय मुरछाजोरकिया ॥ कुच परश्यामजहरमुहरादोउ वाहीहियपरसाय विषसबखीं चलिया। होरीमेंयहगोरीअटपटी नटीकलामनभायना थकेसाथकिया ४२ किनबामामोहिंमारीकुंकुमा एहि खिरकीतेनिकरिके । वहचपलाचपलासीचमकगई जि मिघनश्यामहिंघिरिके ॥ औचकउचककचलायोपागपै हौंभौचकरहीडरिके । झाँकिगईजोलौंहौंझाँकी झाई सीलखिपरिके॥ नाथहाथकहींजोचढ़िजैहै पैहैफलाजिय भरिके ४३॥सोरठ ॥ तुमबड़ीकरतनितचोरी छिपछिप केरंगमहँबोरी । पिचकारीभरिधरिरखतपहिलहीसे चि तवतमगचहुँओरी ॥ कुंजनकीओटचोटकरितेरिखरच ढ़ि अबिरगिराइभरझोरी । अबधरिपाईकहांजाओगे बचाईलाला करहुदोहाईकरजोरी ॥ नाथहाथछोड़ोंगी जोतातमातसौंहैंकर ऐसीफिरकरहुनहोरी ४४ तुमल गेकरनबटमारी ब्रजराजलाजतजिडारी । पनियाँभर ननखशिखअभरनसजि निकरतिहैंब्रजनारी ॥ ताकेतु

मछयलगयलबिचधरिधरि दरवलकरसेठारी। बिन तीसुनाईकछुननहिंनआईसाई लिपटकन्हाईहठकारी॥ नाथमोरीसुधरहजारीसारीफारडारी बरजेतेलाखनगा री ४५ मोरीवड़ीसुरतबिसमोरी सुधिबुधिनमोहिं कछुथोरी। कालिएहिमगआईवाकोमलफलपाई वहि यांकन्हाईझकझोरी॥ आजफिरवाहीपथधाईआईएरी सखि कुमतिलेआईइतमोरी। याहीमेंबिलासीहरिकह ततरासीदेरी अवहींहेरानीमोरीहोरी॥ नाथयाहीमिस मोरीअँगियामेंहाथडारे हँसिहँसिअतिटकटोरी ४६ हमनहीं करतबरजोरी तुमधरिकेबांहझकझोरी। माईकी दोहाईबहुतहिगमखाईहम अजहूंढिठाई कर थोरी॥ सुनरेकन्हाईजियमोरडूरिसाईकाहिं तुरिहौंक लाईबरितोरी। यहनईचालीकीखेलाइनसुहाईमोहिं तु मअतिकरतबिरोरी॥ नाथसाथपाईफलहोरीकीखेला ईकल वहियांकरकिगईमोरी ४७ दांवलियासँगमोरे तु तोकरसेघरके। भारीहमारीसारीफारीकिनारीपिचकारी लेबोरे॥ बोलतबैनचैनकेमीठेहँसिहँसिहमरीओरे। झक झोरीमरोरीपरतोरीननाथहाथ धरतलोटिपरोरीगहोरी मोरी लरिलरिचूंदरछोरे ४८ नागरियारँगघोले सोपै लपकेझपके। नारीपियारीसारीगवांरीहठवारीसीडोले॥ मारतसैननैनकीओटैं कछुकछुघूंघटखोले। चहुंओरीघि रोरीपकरोरीनजातहाथचपलछोटवडोरीसुनोरीगोरी य हब्रजनाथनभोले ४९॥ काफी॥जबसेलखीजुलफनकील टकमोहिंडसिगैलीनागसेएरीदैया। तबसेभई अतिहीरी

बावरीअतिहीभईपुरबातनमैया॥ यंत्रनमंत्रलगेकछुया मैंऔषधयाकोनकोउदेवैया। बिषकीदवाबिषहीहैचटका॥ जुलुफलखी बहुतेरीसांवरी बहुतलखीनखशिखकेपुहें या। नाथश्यामछविधामतुम्हेंअस जगविचकोऊनराम दुहैया॥ जासोंरहैमेरोमनुवांअटक ५० तेरीजबसेल खीमुसकानमिठैया तबसेभयेमनबशासेअवश। एकसे एककुमारलखेहम सकलशिंगारसवांरकरैया॥ एकसेए करूपइनआँखन औरलखेलाखनमुसकैया। असन कोऊमोहिंकीन्हीसवश। बहुतसम्हारिह्योनाहिंसम्हरत चितहमारअबकाहकरैया॥ नाथहाथसेवेहाथभयेमन साथश्यामसुन्दरजीकेदैया। चाहेसोहोयसुयशाओकुय श ५१ जबसेचखीअधरोंकेलुरस मेरोमनगयोबहँकित बैसोंदैया। ऊखदाखमिसरीनपावती जैसीअधररसमा हिंमिठैया॥ भूखप्यासकछुनाहींलागतीअधरसुधारसमे रोअचैया। परममधुरइनसबसेसुरस॥ सेवाअरुपक वानआदिको येसबहींकबहींनछुऐया। नाथसाथयहनेह निबाहो तुमहींतोयाकीकुबानिलगैया॥ अबनहोयकछु रसमेंकुरस ५२ मेरोमनबसेवाहीमेंगोपमैया परत मनकनूपुरकीझनक। खासीबनीतियनवलनागरी खासे हंसकरचालचलैया॥ एकएकपरगनपरसुन्दर मधुरहं सधुनिकीनिकरैया॥ सुघरपांयपायलजोझनक। मन्द मन्दगतिमन्दहँसनिमुख मन्दरूपरतिकीकरवैया॥ ना थप्रियाछबिऊपरतनमन वारतसबअरुलेतबलैया। छां डिसकलजननजननीजनक ५३॥ झंझौटी॥ सांवरोगवां

ईलाजरेमोरी । घरबाहरकेलोगनिहारत डारदईरँग आजरे॥नाथसाथगोपनकेहँसहँस छेडतमोहिबिनुकाज रे ५४कैसोईकरैतोसोंप्रीतिरेकांधा ॥ तनमनधनअरप नकरिआपन तवहूंकरतअनरीतिरेकांधा॥ नाथसाथको मेलसखीरीपानीतेलकीरीतिरेकांधा ५५॥ सोरठ ॥होरी होरीअरीअँखियानितरोवेरी । मुखपरपीतप्रीतकरदागी निशिदिनधोवेरी ॥ लालगुलालमलैंगेजबहीं नवरँगजो वेरी।नाथसाथहोरीखेलोरीगोरीक्योंहगगोवैरी५६॥देश॥ खेलाकासोंमैंखेलोंगीफाग।तुमलोचलेपरदेशपियारेजब यहफागुनलाग ॥ तुमबिनुकोयहसींचनहारोमेरोप्रेमको बाग। जबयहप्रेडअघेडभयेरे नाथसाथतजिभाग ५७॥ काफी ॥ बरसानेरँगबरसानेहो । केसरधारफुहारपरत हैं कीचअरगजाकेसानेहो ॥कामिनिमनहुँछटादामिनि सी घनअबीरउमड़ानेहो । सुघरकलापकलापिनसे नचि गरजमृदंगसुहानेहो ॥ नाथसाथसबसाथिनकेत जि उठिचलोकाहूबहानेहो ५८ करजारीहमारीबेगारी आज नाहींजानैनपैहौबेगारीप्यारीघर । गारीभीखे हौविगारीभीजैहौ पैहौदगारीसारीडगरवगर ॥ नाथअ गारीनाचगारीकछु बजिहै नगारीनगारी जिनडर ५९ बावरीसीभईहैराधे ॥ कबहींकबहींकुंजपुंजमेंजाययहीर टनाधे । श्यामसुजानजानअपनेकोरटतसुराधेराधे॥ ना मअपनोहीअराधे १ कबहींमुकुटलकुटपीतांबर पाग सुघरशिरबांधे । बनिनटवरघरबाहरघूमति झूमतिच लतिअबाधे ॥ डरैनहिंलखिकोउबाधे२ जेतिकेहैं अभि

रामश्यामकोलीलातेतिकसाधे।करतखेलअनमेलविवि धविधिबारहिंबारअसाधे॥करतिसबमनकीसाधे ३ कब हुंवहभोगिनियोगिनिबन बनबिचबैठिसमाधे।नाथसा थबिनुविषमबिरहकेबूड़तिसिंधुअगाधे ॥ रहे अवसबत नआधे४।६० लाजकीबतियांनसहूँगी। जोतुमछोटीख रीहरीकहिहो एककोलाखनमैंहूँकहूँगी १ जोअँचलातु ममेरोगहोगे मैंहूँतेरोशिरपागगहूँगी॥ चोटीपकड़चलो टीबनैहो बाहीकरूँगीमैंजोजोचहूँगी २ जोतुमलोलक पोलपरसिहो तौचुटकीभरिनाकधरूँगी ॥ जोअँगिया परहाथचलैहो हाथछोड़ेबिनमैंनरहूँगी ३ दूरसेबातक रौमनमोहन सबसुखमैंयाहींमेंलहूँगी ॥ जोलखिलेहैं नाथसाथकहूँतौयमुनाबिचजायबहूँगी ४।६१ आज कीरतियानरहूँगी ॥ होरीकेदिवसठिठोरीमचैहोरारबढ़े होंजोकोरीकहूँगी १ रसमेंकुरसअवसकैजैहैबरबसदु खाहियमाहिंलहूँगी ॥ बरजोरीतुमहोरीखेलैहो गारीसु नैहोसोनाहिंसहूँगी २ आपदहीऔरनतेदिवैहौंगा रीलारी सुनिजियमेंदहूँगी ॥ तुममाननवारेनहिंप्यारे बाहीकरोगेजोमैंनचहूँगी ३ लखिमेरोरंगकुरंगलोग सब अनखैहैंदुखतातलहूँगी ॥ नाथहाथमेरोछांडोसाँ वरो नाहींतोसबतेपुकारकहूँगी ४।६२ ॥ झैझौटी ॥ होरीखेलतहैपियप्यारी जियकरिउमंग॥ मोतियनमाँ गसनहुँबकपंगति केशघटाअँधियारी ।१। दामिनिजो तिहोतिभामिनिके बेसरनकीउजियारी ॥ गरजनमृदं ग १ झिरझिरझरतझीनझीसींसंग पिचकारीकी

धारी। केसरधारकुहारपरतहैं कीचम्बरजाकीसारी॥
दरसतजोरंग २ कुसुमितचीरकोरधुतिनहिंपरशोभित
सजनजनारी। चीरबहूटिनकीअवलीभली छूटरहींदि
शिचारी॥अतिहीसुरंग ३ नाचतमोरससानगानमानो
कोकिलकीधुनिप्यारी। होरीकरीवरपासमगोरी नाथ
सारदसिहारी॥ लखिछकिअनंग ४। ६३ तेरेजोबन
कीछबिन्यारी दिनदिनउतंग॥ श्वेतमहीननवीनकंचु
की कसकररुचिरसवांरी। मानहुँशिखरसंगमरमरके
तनिकनहींजहँछारी॥अतिशयसुरंग १ हरितहरितबूटी
तारेवरसम जालविशालसँवारी। मानहुँलतापतासब
सुन्दर सूपनगनजियधारी॥वनचरविहंग २ टँकीबेलि
चहुँओरकोरपर विविधसुगंधनिडारी। चंदनकीडारी
सोहपधारी अलकछलकछबिवारी॥ मानहुँभुअंग ३ म
रनालगतअतिसुन्दरचहुंदिशिटँकीकिनारी। ताबि
चखासीनिकासीलहरियालहरतिअतिरुचिकारी॥ लह
रीतरंग ४ अँगियाजोबनजोरकोरते मसकिगईजहँका
री। सोइमुघरागिरिवरबिचसोहत मनहुँगुफाअँधिया
री॥लागतकुरंग ५ ललितश्वेतगलकेजुगजुनकीइतउ
तकीदौरारी। अस्ताचलउदयाचलपैमनो विहरतगगन
विहारी॥चंद्रिसगतुरंग ६ यहगढ़अचढ़चढ़नचाहतम
न कैसेचढ़ैडरझारी। पैड़ीबेड़ीरोमराजकीखंदकनाभि
अँधारी॥लखिअंगभंग ७ गोरीतेरेजोबनहारीमें रंगि
रहूँकीछबिटारी। गावैयहगुनगाथकहाँलगि नाथजात
बलिहारी॥ तननतनउमंग ८। ६४ छबीलीजोबनवा

ली मनमेरोहरी ॥ गोलकपोलकेऊपरकारे तिल कीरेखपरी १ दानाजानडहेपंछीमन तुरतहिंलपकिधरी २ बैठतहीफँसरीजुलफनकी बाँधिकैकैदकरी ३ नाथ साथतजिजायकहांअव फँसरीकठिनपरी ४ । ६५ नोकीलीअँखियनवारीजियमेरोहनी । भौंहकमानवान अँखियनकीतीखीकोरअनी १ तापरकोरहुहुंनहतियन की बरछीमनहुंतनी २ करतविहाराशिकारमृगासन मा रतचोटघनी ३ नाथसाथगोरीहोरीमें बधिकसेअधिकव नी ४ । ६६ ॥ चोटीलीचितवनवाली जियमारचली । आंखेंबिशालबँदूकबनीअतिसुन्दरसीढुनली १ पुतरी दोऊस्याहसुथरीसी गोलीमनहुंढली २ कोरपलीतारंज कअंजन चीताचितहिछली ३ नाथसाथबनिप्यारीशि कारी होरीमेंनिकली ४ । ६७ रसीलीसैननिवारी हि यछेदकरी। रोरीआड़आड़बीछूसम अँखियनकोरखरी १ तापरतेबरुनीअरुनीजो सूईसुभीबिषरी २ कांटालाग फनीसीअनीहै सांगसुसानधरी ३ नाथसाथएहिहोरीमें गोरी साजसिपाहीभरी ४ । ६८ तोरीलाली मोहिंनीकी लगतुहै कहांमलायेहोगाललाल । मनरंजनअंजनअ धरनपै खंजनदगनिलगायेलाल १ तापरतेनखरेखदेख सखि ताहिगुलालछिपायेलाल २ बालकीबेंदीभालबिच सोहैदिनहींमेंचंदउगायेलाल ३ नाथतुम्हेंब्रजवाललाल कहैं नासुफलकरवायेलाल ४ । ६९ मोलीभालीयहबा लीसुरति हियेसांवलियाकीसमाईआज । सोहैगुलाल भालबिचबेंदी चमकजुन्हैयाजनाईआज १ रदछदविश

दकपोलगोलपैचंदद्रुचंदकीनाईत्र्याज २ दिवसहिनिशि करदीन्हीलखाजू बोलतलेतजम्हाईत्र्याज ३ नाथतुम्हैं कोउगोरीनेहोरी बरजोरीतेखेलाईत्र्याज४।७०॥ सोरठ॥ कालिंगड़ा॥ लरिकाईतैनेत्र्याजकईरे। घरवाहरहरजनके सोंही तिरछोंहीचितईरे १ हौंतोगईकरगईपुनितापै त्र्यँ चरामेरोगहिलईरे २ मटकिमटकिमटकीभररँगते नख शिखतेभिजईरे ३ नाथसाथगोपिनकेगारीदैदैतारीदईरे ४।७१॥ सोरठ॥ लज्जामेंपेंमतिरँगडारोजी सासुह मारीलरैगीत्र्याज। ननदजेठानीबड़ीदुखदानी नेकबि चारोजी १ सारीहमारीहजारीनईहै एहिनबिगारोजी२ नाथहाथजोरनतेनमानै जसमतवारोजी ३।७२ यमु नातटपनिघटपैत्र्याज जाञ्जोजनिकोईरी॥ ग्वालवालसँ गलालकेलागेचहुँदिशिगोईरी॥कोईपिचकारीसारीकोई रंगसजोईरी२सोईकरतधरतहठजोई नंइतियजोईरी३ छेड़छांडबिनुनाथनछांडत लाजहिखोईरी, ४। ७३ लागीरीकहींडफबाजन। नईनईगतिजतिसाथसखी री औरहुसुंदरसाजन १ थापसुनतमोहिंत्र्यापब्या पगइ आपीबजावतसाजन २ चलसखिदेखपरेखमेख धर होउभागाकीभाजन ३ नाथसाथसबहिलिमिलित्र्या ली खेलोफागतजिलाजन ४।७४ सखीरीकहींबाजत हैडफताल। वृन्दावनकीत्र्योरशोरयह धुनसुनगुनकर ख्याल १ खेलैंफागत्र्यनुरागसहितनित क्यायुवतीक्या बाल। हमरेश्यामश्यामउरकीन्हें त्र्यौरनकोकरिलाल २ त्र्यतित्र्यनुकूलकूलयमुनाके गावैंबजावैंग्वाल। सुनिसु

निमोहिंविषमूलशूलसम उठतहूलउरशाल ३ होलीके
तरसनबरसनते दरसनहूकोअकाल ।। नाथसाथकब
हीतोमिलैहैं लैहैंकसरनिकाल ४। ७५ येरीयेरीच
लोखेलियेकहिंहोरी । जहांमिलैंछबीलीगोरी ॥ यमुना
तटपनिघटकीओरी । आवतुहैविसमोरी ॥ सखियांबे
सकीथोरी । कसमसैंसबैबरजोरी ॥ रंगगुलालडालभ
रझोरी । पकरपकरझकझोरी ॥ अँगियामसकिगइको
री। तोरीघातैंहैंनाथकरोरी ७६ येरीयेरीचलोघेरियेवह
काला। जहांमिलैं अकेलेलाला ॥ कुंजनपुंजनमेंकहिंआ
ली । छैहैफिरतबनमाली ॥ लीजेपकरकरहाली । सिजस
जीघुसोव्रजबाला ॥ लपटझपटझटपटपटतियकोलटप
टवाहिबनाओ । सबहीजोनाचनचाओ॥ करैंहाहातोना
थगोपाला ७७ जोरीकरतनँदलाल लालमोरिबोरीपि
छोरी । छोरीहैनीबीहमार भारकुंकुमझकझोरी ॥ ओ
रीअरिकेअबीरबीरससनाथसजोरी ७८ चोरीमलतमुख
लाललालकरधरबरजोरी । जोरीमिलेवोअकेल केलस
बखेलकरोरी ॥ रोरीभरभरडाल डालकरनाथखिचोरी
७९ मतिनिकसोआज कोउघरकेबहर । रोकेटोकेश्याम
बिचबिचनगरिनकेरीडहरडहर ॥ लालग्वालबालनकर
मगपर होतसैरआलीटहरटहर। लैकरतालतालडफबं
शीनाचैनाथनितठहरठहर ८० बलिहारीबिहारीतिहारी
धनधन। अलबेलीफबनकिननारिसँवारिबनाईबनठना।
चूनरघनीओढ़नीशिरपै चमकेलालघनतारेछनछना।
होहोहोरीपुकारतगोरी नाथसाथदौरीबौरीबनबन ८१

किनैमारीआजपिचकारीतकतक । पियतनकजावलाखि
जैहैंकहींलखिआतीधकधक ॥ दृगअलसातगातकंपित
अति डगमगातपगतेरोथकथक । सासुननदनदलैनव
नैहैं नाथवहुतहीमचैहैंझकझक ८२ ॥ सिंधु ॥ वरजोरा
कान्हमोतेकरेझकझक । मानोझकलींचढ़ीनाहककोदे
तमोहिंगारीवकवक ॥ पनियांभरननिकलीरीघरनतें घू
घटपटतेरीमुखढकढका घुमाघुमाकरगेंदकुंकुमामारतना
थसोआतीतकतक ८३ जोरीकरतकान्हमोरीसखियनसे
चोरीमलतगुलालकरेछलपैछल ।कसिकसिफेटेलपेटपा
गकोहँसिहँसिमांगतदानफागको ॥ होहोहोरीकहतमोरी
ओरीग्वालबालधायेरीदलपैदल ।सैननतेसवहीसनका
रीरंगनभरिमारीपिचकारी ॥ नाथहाथधरिधरिझटकारी
खोयगईरीसखीवलपैवल ८४ पियाफागमचावतगैरनसे
लखजहरसीलहरचढ़ेदमपैदम् । गायबजायरिझायस
वतिको नयेनयेभावबतायसुगतिको ॥ आपनचैंसौतिनं
कोनचावैं तालकगावेंउठैसमपैसम् । उनहिंकरततर
मोहिंतरसावत हमधनघनअँशुवनवरसावत ॥ नाथ
साथसपनेहुनखेलावत याहीवातपैउठैंगमपैगम् ८५
होरीखेलोआज वोचंचलपासचल मतयामेंकरो नेक
हूचलविचल । मानगुमानकरतदिनबीतेकातेरेहाथ
लहेरहेरीते ॥ निजहितमानमानमोरीबतियांछतियां
लगाओनजाओमचल । जोबनबीतेजोबनवनऐहौं
वनहूंकेऐहैंनजोतूबुलैहो । नाथसाथगोरीहोरीसेऐहौं
पैहौसबैसुखकैहोअचल ८६ मेरेमुहँमेंगुलालमलेद

म्रबदम् । जहांश्रपनेबेगानेसमीथेश्रादम् ॥ शोखीश शारतकरलबहुतसी । छेंड़छांड़करठानेजुगतसी ॥ कोई बातनहिंमानेतनिकसी । सरकोमूँकायामैंउस्केकदम् ॥ जोशकियेहुयेरंगकोडाले । होलीकेजोशचढ़ेहेंनिराले ॥ ढंगबेहोशहोशमेंश्राले। नाथसाथतेराश्रवतोश्रदम् ८७ बनकेबौरीसीदौरीफिरूँबनकेवन् । बेवतनदेखश्रायेहिर न्गन्केगन् ॥ बेखबरदेखकरमु भकोशेरेबबराबोमीलूता नहींछोड़तासूँघकर ॥ श्राहेस्वालाकादेखाउजालाइधर। जांचकरश्रांचकोतजदियातनकेतन् ॥ हारकरबैठूंगर पेड़ोंकीसायातर। सरसेजरतकवोजरताहैश्रालाशजर॥ नाथफागुनकेगुनतोस्हेमन्केमन् ८८ बनकेयोगिन्फि रूँगीशहरदरशहर । सारेसहराबियाबाँवहरदरबहर ॥ श्रबतोतेरीजुदाईकीछाईश्रसर । जानलेनेमेंतूजानकी नाकसर ॥ कहोकैसेकरूँजिन्दगीकोबसर ॥ रोज़चढ़ तीजहरसीलहरदरलहर ॥ सेलहीश्रलफीगलेकानोंकुं डलहले। खाकतनतनमले करमेंखप्परजले ॥ नाथके ध्यानलाऊँगीपेड़ोंतले । मैंजगाऊंगीश्रबतोश्रलखहर पहर ८९ प्यारेहमसेखफाहोकेक्याहैनफा । हमतोमा नेवफातेराजोरोजफा ॥ बदकलामीतेरीखुशकलामीगि नैं। नेकनामीसीऐगुलगुलासीगुनैं॥ नाक़दरतुभकोपाक रकेसरकोधुनैं। चाहिनाखुशहोखुशहोकहेंगेसफा ॥ बोल नेकाजोखायाकसमऐसनम् । प्यारमुखकानहींकुछयही हैकरम्॥ होलीखेलोवहमछोड़दोसबवहम्। नाथपरकर रहमऐतबीबेशफा ९० ॥ जंगला ॥ मनरंजननैनासवांर

काहूकोमारोगी । भौंहैंकमानतानकरकांकीचितवनतीरसु
धार। अंजनगुनडारोगी॥ अलकफंदगुंदनदानारुख
पटपरपरडार । पंछीमनधारोगी॥ अंजनरेखदेवअसला
गेजिमिखंजनदुमदार। काकेदुखटारोगी॥नाथसाथगोरी
होरीमें अवमतिखेलशिकार । चितठनिक्यामारोगी ६१
दोउखंजरभौंहैंचलाय कापैअजमाओगी ॥ वीरअवीर
गुलालधरीहै म्यानगुलाललगाय। काकोडरपाओगी॥
रूठीअनूठीआडरोरीकी जीभीरेखवनाय । जंगीचसका
ओगी ॥ तापरकोरजोरछातियनकी दोहरीबरछीसजाय।
दर्पचढ़धाओगी ॥ बरजोरीहोरीमेंगोरी नाथसाथनसु
हाय। यामेंक्यापाओगी ६२॥ गौरी ॥ लालनअवजनि
सिधरसाओ ॥ होरीरहीअवथोरीहीप्यारे चोरीही
आजखेलाओ। केसररंगअंगभयेतुमविनु हिलिमिलि
चटकबनाओ ॥ घरकीराहलईसबदुर्जन साँझभईअ
बधाओ । नाथसाथसुखलीजेदीजे फागकोरागसुना
ओ ६३ लालनशालनहियकोमिटाओ ॥ बहुतदिनन
तेछिनाछिनकसकत अवजनियहअधिकाओ । भागुन
दहफागुनसुनप्यारेजियकीजरनजुड़ाओ ॥ नाथसाथहो
रीखेलनकी अवतोआशपुजाओ ६४ लालनअवजनि
फागमचाओ ॥ दिनभरफागखेलकरहारी नेकठहरिह
रिजाओ । सांझभईअवशीतसतावे नेकतरसनहिंखा
ओ ॥ फड़कतअधरदंतकंपतअति छतियांलगिगरमा
ओ । सांझमांझसबसाजसजाये यहश्रमसफलकरा
ओ॥ नाथसाथदिनहीदिनखेलिहौं सांझमांझमतिआ

ओं ९५ लालनजोरीसेहोरीखेलावे॥ काहूमिसप्यारेका हूढरेलैलैनामबुलावे। आवेजोनारिअनारीवेचारी वा हरहारिधरिलावे॥ पायइकंतकंतसमवनिके नयेनयेरस उपजावे। नाथसाथपरवशपरवरबश सबहीनाचनचा वे ९६॥ सिन्धु भैरवी॥ दैयाबरबसफागखेलावतरे। नं दमहरकरकुंवरकान्ह॥ होंसासुरेजातरहीप्रातही डग रवगरहिकवावतरे। औचकउचकधरीमोरीबहियां छ तियांसेछतियांलगावतरे॥ सगरेरंगइकसंगडालकरअ बिरगुलालउड़ावतरे। नाथसाथऔरनकेछनछन लाख नगारीदिलावतरे ९७॥ भैरवी खेमटा॥ रातपैयांपरी ताहूपैनमानीरे॥ बरजोरीमोतेहोरीखेलाईजागतननद जेठानीरे। बहियांमोरभ्रूकभ्रोरजगाई करिकरिऐंचाता नीरे॥ भुंकिभुंकिजातगातसबफिरके छिरकेगुलाबके पानीरे। नाथसाथकेसेनिबहेगी नितउठकीहलकानीरे ९८ आजपैयांपरोंसैयांमोसेबोलोना॥ जागजागमोसे फागखेलाई सारीरातकहींडोलोना। सगरीरैनकेनैनउ नींदे पटतेघूंघटखोलोना॥ उठहठछोड़तोड़जनिनिंदि या तुमहुँनींदएकसोलोना। नाथहाथदोउजोरिमनाऊं भोरहिरंगहिघोलोना ९९देखोभोरेभिगोईमैंगोईबदन। बरजोरीकोईनन्दनदन॥ गोरेगोरेसंगछोरेछिछोरेचहुं ओरेमोरेवोधेरेसदन। नाथहाथकेसरपिचकारी मारीहै तकितकिमातेमदन १०० देखोदेखोभोरेभोरेरारकरे। बरबसअँचराहमारधरे॥ होतप्रातयहघातलगावत गलोमेंज्योंबटमारकरे। करअरकहतचलोकुंजनमें हो

दीकेगोरीबिहारके ॥ दैनिधदजानन्देनदेसियाबा तेंबरेज्योंकैंदारकरे । नाथहाथबरजोलकारों तो पसुकानपुकारकरे १ जागोजागोरेवल्लसाजोन्नयेरे । वृन्दकेलोगवाजागगयेरे ॥ मोतीबिलरकीरश्चकन पर कतियांकिजोबनाजुड़ायगयेरे । दीपकजोतिहोतिच्च निंदी चहचहचिरैयासचायदयेरे ॥ चंदलंदआकाश दलगा नागभीनिजनिजराहलयेरे । नाथसाथतेरोजा ननझोहो ऐगानिगोड़ानयेनयेरे२ ॥ खेमटा ॥ काहूकश्री कन्नीननिनोड़ेरे ॥ येकलियांकिहेंरँगरलियां प्रेनकोपा ई.निनोड़ेरे । यानूरहितेदेखनलायक सानेंहाथजिन छोड़ेरे ॥ खिलिहैंलोपिलिहेंरसनीके घरधीरजदिनथो ड़ेरे । नाथहाथखालीगहिजहें रसंकुरसानिगोड़ेरे३ ॥ काफी ॥नवारीबनीपियप्यारी। उमगतउमंग॥ प्रेमकी मदमातीअँगराती करकंचनपिचकारी। कनकटोरां गनघोरा अतिफुरतीकरिडारी केसरसुरंग ॥ उभकति झुँकतिमूदिअपकतिभट झाँकिझाँकिहरवारी । रंग होजविचमोजसहितलित झाँकिझाँकिदेतारी नईनईल रंग ॥ बडीबडीलैछड़ीकरननें कसिकसिकांछसँवारी । सखियनसंगउतंगचलतिअति घूमतिझूमतिप्यारी मानहुंमतंग ॥ रोकतिटोकतिसबहिबीचमग उमागड मगिदेगारी। नाथसाथमिलिगयेरीअचानक भईहैअस दमदवारी करिशिथिलअंग ४ ब्रजनारीअनारीलीडो लेंरी। होरीकेउमग ॥ काछेकाछआछेकपड़नके कोड़न करनसुधारी। भौहैंतानकमानककड़ीसी नैनसैनशरधा

री चढिमदकेतुरग॥ हाटबाटचौहटपनिघटलट औचट चोटनिमारी । कहीसुनीकाहूकीनमाने हाहाखिलावत सारी एकसँगलगलग॥ जोकोउबैनचैनकेबोले तोस खिसैननिमारी। तुरतहिनारिसँवारिबिनावै नाचनचावै इरबारी सबरेसगमग॥ लैडफढोलबोलकरिऊँचेलाख नगारीनिकारी। चलियेनाथसाथमेरेउत करियेबातरु चिकारी लावेंइतठगठग ५॥ जंगला॥ काहूकीदरदतुम्हैं कहा।खेलिबेतेगरजहै॥ कछुनहिंअंगरंगपाहिंचानत ना तोहिंढंगकछूरहा। साहितअँगूठीगुलालकीमूठी मलल अंगजोईलहा॥ सुधिआछतछतडारतजोबन जोबनके बासीमहा। नाथहाथकहिंजोचढ़िजैहौतौतोललाखैहौह हा ६ अबनरंगडारोलला।मोरीइतनीअरजहै॥ पीतरंग भयेअंगशीतसे यामेंकहातेरोभला। कंपतगातबातन हिंआवत नैननहूँतेरंगढला॥ हितसँगअनहितप्रीतिरी तिनहिं यहउलटीचालीचला। नाथहाथहौंलगिगइतेरे अजनफेरलगिहैंकला ७॥ भैरवी॥ बीरअबीरगुलालन केकननैननमाहिंसमायरही। अँखियनमाहिंफूँकदइस खियन ताहूपैबेदनपायरही॥ तकितकिकैसखिनीरकेत की उतकीउतछिरकायरही। खुलतननैनचैनलहेमोह नछतियाँछुवतधरकायरही। तापरनाथहाथधररोकत घरकेडरनडेरायरही ८ आजलालकीरँगीलीफवनमेरे नैननिमाहिंसमायरही॥ कुलहीलाललालहीबागा ला लीचदरियासुहायरही। लालअलकरेशमकेजालसम मनपंछीकोबन्हायरही॥ लाललालडोरेदोउकोरे मनम

छरीकोफैंनायरही। तासैंननाथैं रिदिताः लालीवद रियामैंआयरही ८ ॥ सोरठ ॥ लाजभरीमोसोंहौंलीकरी नोनैंसहौनजाय ॥ तापरतेगुरजनजनआगे वाकीकथ नवैननरसपागे। ताहूपैमौंहौंकीतेगैंचलाय मारेनैनाघु नाय ॥ पूँछततेरोनाथकौनहै पुनिपूछततेरेसाथकौनहै। ज्टकिमटकिनटकावैलला अँगुलीकोनचाय१०वैननते पुन्कारीदईपिचकारीचलाय ॥ बीचगैलयहछैलमहरि के सैल्कर्तनितटहरटहरके। निरखतहीनइनारीअना मीसाआवेजोघाय ॥ देखततियहियमाहिंलगावे गालन गुलालमलावे। घूमेंभूमेंनाथचूमेंपकर दोउबहिँ याउमाय ११ सैननतेसनकारीसवैरँगडारीबुलाय ॥ प कपकरकस्तोहिंचुमावे मूठिनमूठीगुलाललगावे। ल पटिझपटिमुखचूमैंलला छतियाँसौंलगाय ॥ मरदिमर दितननेरोवेदरदी छायरहीछततनतनजरदी। कसकि मसकिमोहिंमारीछकाय नाथछारीथकाय १२ मैनन कीमदमातीलखै अँठिलातीगैंवारि॥ नखशिखसकलशिं गारवनाये रँगिरँगिसुघरमहावरपाये। अकड़अकड़स वडोलें कलोलैंकरैरँगडारि॥ देखतहीपरदेशीदेशीकैस हुकोउकुभेशीभेशी। नाथसाथमेरेवाहींचलो धरलावँगँ वारि १३ तूकहापावेमोसोंअटकके आपीथकके॥ भाग जाओगेलाला नहींपाओगेबाला। तुमआओगेकाला मिलधाओगेग्वाला ॥ दुखपैहोविशाला देहौगालीगा ला। नँदलालानैंमोहिंपैहौहालीहाला ॥ नाथआपीतूजै हैंसटकके १४ कैसेजाऊँमैंयासौंनिकलकेजियाढलके ॥

केहिश्रोरीभजोंरीकाकीपौरीलगोंरी जोराजोरीकरत्मो सोंछोराछोरी। सारीबोरीपिछोरीछोरीदहीमोरी ॥ सखि साथतजोरीनाथकरेढिठोरीकहोकैसेबचोंगीसँभलके१५ ब्रजनारीशिकारीसीडोलैंरीहोरीकेदिवस ॥ मौहैंकमान तानवरबाँकी बरुनिनबानसुधारी। अंजनलेखरेखसुर स्नकी मनहुंदुगुनगुनडारी॥ मारेसबकसकस १ ताप रतेअलकनकीछलकन फंदनमनहुँसँवारी। गुदनाबना कनादानासा मनपंछीगतिहारी॥ करेसबहींबस २ छतियनजोमरोमराजीयुत कोरजोरअतिभारी। माला विशालादोफलवाला जाकीचोटचटकारी। जायँसबही हदस ३ चढ़ीतरंगतुरंगतरलपै अतिउमंगजियधारी। जाओननाथकुंजपुंजनमें लगिहैनकछुहुशियारी॥ जैहो परवसफँस ४।११६॥

हरिअष्टक॥

झंझौटी॥ हरिनभजैवाकोमुखकारो। जोबसुयामनामन हिंलेती जीभनहींपनहींसीविचारो १ अधरत्रिशंकुस मानअधरवह जोनहिलतसुमिरतइकबारो। वाकीआंख पांखतितलीसी जोदीसीननहिंनन्ददुलारो २ नरियरके खोपड़ेसदेसे जोशिरफिरफिरप्रभुहिंनडारो। सोकरगुनहु पंचशाखासमजोकरकरतनपूजनप्यारो ३ जोपदपद्मप्रभु धामनडोलहिं। सोपदपाथरकठिसभारो। तजिकुसाथक रिलेसुसाथअबभजहुनाथअजहूंमतवारो ४। हरिनभ

जैमुखवाकोपनारो। सर्वहिंप्रकारविकारसरेसुख अतिअ
पकारअगारनिहारो १ पावनहोतनामपावनते पावनप
रिसतसंगसुधारो । नातरुयहपातरुसवहीते कातरु
रुजोनामबिसारो २ वादविवादवृथावकवादहिपरुषवच
नघनखादसेडारो । निन्दाचुगलीमिलीमलिनसी नीच
वाताजिमिकीचड़कारो ३ कुरसकुजसजसपूतिगंधके को
धपवनमनभवनविगारो । कृष्णअँगारडारकरुनिर्मल
नाथयहीउपचारविचारो ४ । २ हरिनभजैवाकोमुखबां
बी। निकसतवचनभुअंगअंगतेडँसतनसततेहिकोउन
थांबी १ धामिनिसीकामिनिजगजानो वेनीजासुलुमहै
लांबी। बजैनजिमिबांसुरीसुरीली सनमुखतासुजोचाख
तआंबी २ रीझखीझजसबीजवोयहो वैसहितरु तोरेहि
तजांबी । हरियहवीजकल्पतरुवरके जिभियायहडिबि
याजिमितांबी ३ आननआननहींजेहिआगे सुथरीसी
पथरीगुरुयांबी । सुनुअनाथकेनाथभजेविनु असमुख
परुषविमुखदुनियांबी४।३हरिनभजैवाकोमुखरूखो। ते
लफुलेलमेलचिकनाये चमकायेचिरचामसेसूखो १ ते
जदुचंदचंदराकाते हासविकासलसैजोमयूखो। तबहूंन
हिंकवहूँपावनको बिनुहरिभजनपुनीतपियूखो २ अधर
सुधररसकीउपमालहे कविजनबरननजोगहैऊखो । सु
मिरनबिनुऊपरकेगुनसम अन्तरगुनजबहरिरसचूखो ३
भूसिभूसिश्वाननकीनाई बरिआईघरघरफिरोसूखो ।
प्रीतिसाथव्रजनाथअजहुँभज बकतवृथा मुखहूनाहिंदू
खो ४।४ हरिनभजैमुखवाकोअँधारो। जाकीछबिरबिसी

फबिजगमें ताहुराहुअघअतिहिविगारो १ जपतपसंय मनेमप्रेमजेहिदानमानयुतदेतभँडारो। गुनगनग्रामधाम ज्ञानहुंके तनमनतेजोतजतविकारो २ परमपापपरिताप तापत्रय दापसारिपुनिइन्द्रिनमारो। विशदविषादस्वाद जगकोतजिसद्गतिसतसंगतिनतिधारो ३ पूजनभजन साधुसेवनपै बिनुहरिभजनकहूँनसहारो। वृथावादबक वादस्वादफँसिएकसाथनिजनाथबिसारो ४। ५ हरिनभजै वाकोमुखमारो। चिकनिचुपरिचमकायेबनाये जिमिक लईठिकरापरसारो १ अद्भुतजोतिहोतिहीरनकी पैवह डांकलगेद्युतिधारो। जातेमंदचंदहूलागै पैदिनकरकर बिनुनउज्यारो २ दरपनबिचआपनमुखदेखत मानोकां चमेंकांचनिहारो। काईजिमिछाईतडागबिच तेलमेल करिखेलसेन्यारो ३ आनयतनरहेआनयुगनमें कलि महँकेवलनामसहारो। असनरतेसुन्दरशुकसारिक नाथनामजोपलनबिसारो ४। ६ हरिहरिकहतलेत हरिअघहरि हरिआलीपैतुखारसे। जिमिकुटकीकुटकी जोतपैहैंतीनतापकेबुखारसे १ जिमिजवासपावसपाव तही सरसिजनिजकेकुखारसे। ज्योंदिनकरकररसची जनकर आकरषतनितविकारसे २ कालकालकरिकाल गवांवत निकरिगयेदिनशिकारसे। धनहरिनामग्राम उरअन्तर भरेसूमकेबखारसे ३ दुइआखरखरचतका लागत भागतक्योंहरिउचारसे। कबहींकहींनाथकेका नन मनकपरैगोपुकारसे ४। ७ जोहरिजनहरिहरि कहैंहरिछन तौरहेहरिपुरठौरनहीं। ऐसोसुगमउपाय

पायनर फिरअपायक्योंगुनतमही १ टेरतहरिहेरत हरिकिंकर करधरधरलैजाततही। पापीपरितापीद्रूसुरा पी आपीआपभजिजातवही २ थिरहरिनामधामसव सुखके जौंअकामभजिजायकही। रतिमतिअतिगति होतिजोतिजग इतउतऔरठौरसबही ३ यहकलिकाल करालव्यालसम जगजंगलविशालजितही। एकहुबेर अवेरसबेरहु भजहुनाथसुखसवजगही ४। ८॥

अथगोचारनपंचरत्न॥

भैरव॥ मैयागोचारनकोजेहौंतूनउचारनकछूकरे। शुभसायतलहियतभागनते रोकटोकतेअशुभसरे ॥ मोहिंवहुवातसुहातनमैया भोरसमैयारामहरे। ग्वालबाल सँगतापेदाऊ हाऊकहाउतहूनिकरे॥ नाथहाथधरिमहरिकिहतकर ललाभलाजोइजानिपरे ४।१ जानेदेमैयागोचारनको कहाविचारनमाहिंपरी। बहुतसबेरोभयोउजेरो हरजनबोलतरामहरी ॥ क्योंचुपसोईसुनिमुखगोई हौंगुपचुपनहिंवातकही। लालपागसजिग्वालबालसव निजनिकेतसंकेतभरी ॥ छोरनसाथनाथविनवृझेकिमि जेहौबहुरातपरी४।२॥भैरवी॥मैयामोरीगैयाबिछुरीजात। ग्वालबालसबहालगयेरीतूतोकहतकतरात॥गैयातुराये जातरीमैया मोबिनुसुनुअफरात। बलमैयासुखदेयासँग करऔरहिजैनपत्यात॥ मैयाबलैयालैमृदुबोली नाथहि कहिलेबात४।३॥ खेमटा॥ मैंतोगैयाचरावनजैहोंरी मैया

लिहारीपैयांपरूं ॥ भयोसबेरोअतिहीअबेरो ग्वालबाल किमिपैहौंरी । अतिरोकतटोकतनितनितही अबनमि ठौतोहिदैहौंरी ॥ केतहुफुसलावेबहलावे तेरीसीखनहिं लैहौंरी । अवब्रजनाथसाथहीस्वैहौं तोरीपौरीनहिंऐहौं री ४ । ४ ॥ ईमन ॥ गोधूरीभूरीभरिमोहन आवतगोधूरी कीसमैया । श्यामसुघनपरमानोबादरी निदरीजिंगनलग नहिजुन्हैया ॥ लसतबुलाकचलाकबकीशिशुविंबअधर रसकेजोचखैया । कारीभूरीधौरीधूमरी गोहरावतआव तनिजगैया ॥ मृदुअंचलपोंछतमुखचंचल मातसाथ सुखलेतबलैया ४ । ५ ॥

वृन्दावनपंचरत्न ॥

मह्लार ॥ वृन्दाविपिनविराजराजब्रज नितनवऋतु दरशायरहीरी । थोरमोरऋतुराजविराजत दुपहरग रमीछायरहीरी १ सांझमांझपावसरसविलसत निशि ऋतुशरदसुहायरहीरी २ निशिआधीलसिहिमऋतु हितुसम शिशिरभोरशिरआयरहीरी । ३ अतुलित ललितमिलितमुकुलितन लखिरतिनाथलुभायरही री ४ । १ ॥ चंचरीक ॥ वृन्दाबनसघनकुंज गोपीगनपुहु पपुंजमातेमधुमातिगुंज गुंजमालधारी । सुन्दरअनु रागबाग राजितरसकेतड़ाग गुनगनघनवनविभाग आनँदनदभारी १ तरुनीतरुलताबांह शोभितजि तवसनछांह रंगराहमांहमें किनारीछबिनारी । साधु

सन्तऋतुवसन्त कुसुमजलखगमृगलसन्त एकतन्त
मारुतमृदु सुखकरसुखकारी २ शारदचन्दतेहुचन्द ल
सतविमलयुगलचन्द वृन्दावनचन्द वन्दनीयपीयप्या
री। बालीजनप्रेमपाल खासीकृतिग्वालबाल ज्ञानध्यान
वरविशाल वक्षड़ावनचारी ३ मोहमंजुविपिनमुंज सज
तसुकृतसुरभिपुंज दावानलकुरितलुंज भंजपीमडारी।
गोपीगुनगाथनाथ गावतिअतिप्रीतिसाथ धरिधरिहरि
हाथ सदारासमुखविहारी ४।२॥ ईमन॥ वृन्दावनप्रेमी
नेमीवन विहरोमनक्योंविलसकरोजू। अनधनजनवारहु
सवआपन पनकरिजायवहींविचरोजू॥ अचपलकैहरि
पलभजुहरिहरि तौचारोफलगोदभरोजू। कुंजकुटीरसी
रयमुनाके नाकेपैवासितापहरोजू॥ नाथहाथचढ़िजैहैं
अचानक तौवानिकवनिहैसगरोजू ४। ३ धनधनजनवृ
न्दावनवासी नन्दनन्दनसुखसदनउपासी। जेहिदरसत
परसतसुखसरसत सतसंगतिगतिपावतखासी १ छूट
तचौरासीयमफांसी सुखरासीनितरहतहुलासी। बरसत
अमीकमीनकहूजित तरसतसतसुरधामनिवासी २ सप
नेहुलेशकलेशकोनाहीं जेहिचहुँदिकअणिमादिकदासी।
बिलसतसन्तवसन्तनिरन्तर जासुअन्तनाहिंअतिअवि
नासी ३ जोधावतपावतचितचाहत जेमनवचरचरहत
सुआसी। नाथहाथलगिजातकभीके नीकेजोसेवतबिस
वासी ४।४॥ बंगालीभापाकभैरवीवामल्हार॥ वृन्दाबोनेजा
बोआमी भालीफलोपाइबोरे। गोविन्देरगुनोगाइबो तार
भालोभोगपाइबो खोनेखोनेदोरोसोनोदे वेनराधामाधो

रे१ शकुलीबैकुंठेरफलो शेइथलेलेबोअचल अन्योकिछु कम्मोधम्मोमनेनाहीभाविबोरे २ इन्द्राशनेरसुखो एना रआगेलोघुमानिबोरे जोमुनारजलोपाने अमृतलजाइ बोरे ३ श्रीब्रजनाथेरसाथे भालोसुखआमारहाथे कीको रबोरे आमीसोगेयदिजाइबोरे ४। ५॥

—०—

कज्जलिकाष्टक॥

देखोश्यामाजीकेपायलबाजरही॥ एकएक्वोरकेओ रकशोरनि हंसबंसगतिलाजरही। कोकिलमोरशोरसब भूलेधुनिसुनिमोहिसमाजरही॥ भुँकिभुँकिओंकिभुला वेतअतिहीपावनतेगतिसाजरही। नाथसाथसुखसरसत बरसत घनविचविजुरीसीभाजरही४।१ सुरंगहिंडोलना भुलतमोरिश्यामा। हुलसिभुलावेसबदेवताकीबामा॥ पावनतेअतिउचकतिमचकति लचकतिकमरसुघरवर छामा १ कालीलालीनीलीपीली चटकचुँदरियासांभेव नमांझेविजुलीसीअभिरामा २ मानहुँमायाकीकलावि मलासीसोहैंसंगमोहैंसंसारीब्रजबामा ३ सबब्रजनाथ साथसुखराचैं माचैंअतिकजरीबिहारकरैंभामा ४।२ बनवनकरहुविहार सुनूरेसांवली॥घनअमरैयाछैयाँसि यरीकदम्ब की दमकीदामिनिउजियार सुनूरेसांवली बन बन० १ एकओरमांचेघनघोरवाकेशोरवा एकओरमोर वापुकार सु० बन० २ एकओरझरनाझरतागिरिवरतर एकओरयमुनाकीधार सु० बन० ३ नाथकेसाथसबैहि

लमिलके खेलहुकजरीबहार सु० बन ४। ३ विनिजैहैं कजरीबहारसुनरेसांवली ॥ यहदिनबहुतदिननपरऐहै पछितैहैजियरातुहार सु० १ जोबनधनघनसारसेहोइहै उड़िजैहैं दैहैंतोहिखार सु० २मानोबातमोरीगोरीमानत जोरी चाँदनीथोरीदिनचार सु० ३ नाथकेसाथडारगल बहियाँ छहियाँछहियाँकरहुबिहार सु०४।४ अनियाँकाहे कोतूतानेमोरीओरीधनियाँ ॥ सौहैंकरिभौहैंदोनोंसजि केसिरोहीसीजियरासिरोहीमारेविनुपनियाँ १ खोटीबि नुकीन्हेकरेचोटीतोरीचोटीरे बोटीबोटीफड़कैतोरीसुख दनियाँ २ छतियाँकीकोरेतोरेदोहरीबरछियारेआँखिया कटरियाबूँदीकीखनियाँ ३ गोदनाकनासावनासोहै मानोंदानारे नाथमनपंछीकोफँसावैबनियाँ ४।५ तो रीआँखियाँकीकोरेमोरेचुभैछतियाँ ॥ छुरियाकटरियाब रछियाकीअनियारे विषकीबुझाईतिरियाकीगँसिया १ एकसंगजोरेकोरेतनिकसिकोरेरे सूईदूईतनीनागफनी जतिया २ कसकसकसकैरेधँसधँसहियरारे धसकतजि यरामोरादिनरतिया ३ अमृतसीगोरीतोरीछतियाँकी बुँदियारे नाथउरलागेभागेदुरगतिया ४।६ बरसोंसेकहै आलीआऊँगीमैंपरसों॥ भितराँसेकहैनाहींकहतिऊपर सों। सावनसुहावनकेसुखमनभावन यहसुखआवनके नाहींपियपरसों १ कुंजनकुंजनबिचगुंजनभँवरके कूल नकूलनभरेफूलनकेदरसों २ यहहरियरीआरीफिरनाहीं लैहो तरसैहोपैहौनपवनहुसुघरसों३ नाथकेसाथमिलि हुजैहैंकबहूँ यहसबसुखनाहींऐहैंतोरेडरसों ४।७ साव

नसुहावनकीतिजियाहैकलसों ॥ अबमोहिंझुलुआझु लाओप्यारेकलसों । कोरवांबैठायपियामारतझकोरवा शोरवाकरतउरलागतहैकलसों १ वेदननजानैनिबेद नहुमानै खेदनपहिचानैबकतबिकलसों २सैयांगुसैयांपै यांपरेहुनमानैजियाविचजानैकरैलखशानकलसों ३ नाथ केसाथवेहालभईरेजियामोराउड़तरहतहैतुकलसों ४।८

बिरहकज्जलिकाष्टक ॥

टेक ॥ मोकोसावननासुहावनमनभावनकेविना ॥ नितसांझभोरवारेमोरवाकेशोरवारे नेकोनीकनाहींतल फावनकेविना १ लखतहिंडोरासोरेउठतमरोरारे कल नाहींथोरातरसावनकेविना २ तापैउठेदैयापुरवैयाको झँकोरारे तनतनछोड़ैनाकपावनकेविना ३ सखियाके झूलनकजरियाकेखेलन विषसमलागेनाथ आवन केविना ४ । १ मोकोभावैनाभवन मनभावनकेवि ना । वरुघनबनविचहरछनबसिये होघरनाहींछांड़ेतल फावनकेविना १ रैनअँधेरियातापैकारीरेबदरियारे रहे नबिजुलियाडरपावनकेविना२ उठतिलहरियादूनीलखि सूनीसेजियारे नाहींमानेजियातरसावनकेविना ३ दवर दुवरमनभँवरनमानैरे नाथकेकमलपदपावनकेविना ४।२ अबतोकूवरिहोइहैंहोसगरीव्रजकीगुजरी । निहुरिनिहुरि ब्रजकीगलियाँ कँहँरिकँहँरिडोलिहैंअलियाँ १पहिरिपहि रिसुन्दरसारियाचादरियाउजरी २ मधुकरहरितोरीजति

था कहुउनसेसोरीवतिया ३ नाथहाथअजहूंतोलागो गुजरीसोगुजरी ४। ३ पियविनुवाउरिमैलीहो दगरोजग केलेखवाँ। सँगकीहेलियामेलिया ॥ पियसँगलबअल बेलिया १ मिलिजुलिवोलियामारेलखिलखिमैलेभेख वाँ २ ढीलीभइलअँगियासुँदरीमैलीभैलीचुँदरी ३ नाथ साथविनुनसनसएसेजैलेरेखवाँ ४। ४ आहाहोसावन वरसेपियाविनूतरसेजियामोर। जियरातरसेअँखियाव रसेहियराबेदनसरसे १ बीतेरीतेरीकईवरसेंसपन्योपि यनाहींदरसे २ मेघवाहरिसेजानिहोरछनछनबुंदियाछन केजैसे तातेतवाकेपरसे ३ तैसेअँसुआउरऊपरसे नाथ साथबिनदरसेबिनापर्सेचितचोर४। ५ आहाहोदामिन् दमकेपियाबिन्चमकेजियामोर। एकओरदामिनदमद मदमकेएकओरमेघवाघमके १ एकओरवदराझमझम झमकेएकओरबिछुआछमके। थमथमउठतमरोर२ ता पैयहपुरवैयादैया दुखदैयाझकझोरे ३ वहतरसैयानाहीं अवेयानाथसाथकिमिहोरे॥होइगोनैनाघनघोर४। ६॥

रामकज्जलिकाष्टक॥

चहहुअरामतौतोरामरामजपरे। नाहींतोहरामखो रीजिभियाकोतपरे॥ परनिन्दासेकबौनाशरमिन्दा रि न्दारिन्दादाँतनकेतरेपरेचपरे १ चुगलीचटोरीकरतिब रजोरीपापिनिसापिनियाँसीकरैलपलपरे २ वानरगीधअ सुरसुरकीन्हेचीन्हेनिजजनतेहिदीन्हेफलतपरे ३ केते

अनाथसनाथभयेरे ऐसेनिजनाथहितजिकरेगपूरे ४। १ जसअभिरामजोचहोतोकहोरामराम । जगकेजंजालसे रहौहौमनलामलाम ॥ तनहैनिकामजामेंभरेसबचामचाम १ अवगुनकेग्रामयामेंदेखेसबठामठाम २ प्रीतिसाथभ जोरघुनाथहिकेनामनाम ३ जनमजनमपैहौमेहनतिदाम दाम ४। २ जौपैजानकीजीवनको जीवनसेतूमान। तो राजेंहैंदुखहोइहैंसुख जगबिचमान ॥ रखवारीभारीकरि हैंलेके बानऔकमान । यशदेहैंतोरेजियाके पुजेंहैंअर मान १ सन्तनमेंधनधन होइहैंसनमान। सबसुरगनहू में कबौंहोइहोमेहमान २ इहांपालकीपेचलिहौउहांचढ़ि होबिमान। होइहैअनधनजनसुनसुखहूअमान ३ जग केबिषयबिषतजहुगुमान । नाथहीकेसाथरहिहौनित हितकेसमान ४। ३ रघुराईकीहिताईसोमिठाईसममा न। नरनारीकीमिताईसोतिताईसीनिदान॥ हरिजनगु रुजनहलुवाईसेसुहान । तुलाआगमनिगमबटथिरता दुकान १ बिरदबताशाबरआशाकीअमिरती यशकीज लेबीसेवसेवाकेसमान। बुधिकरबुंदियासुखकरघेवर बिश दबिमलताकीबालूसाहीजान २ खेमकेखुरमाख्यालके खाजा भक्तिकीफेनीमोदमोदकप्रमान। गुनकेगुलाबजा मुनप्रेमकोपेड़ा चारोफलभलबरफीसेपहिचान ३ मोह केपैसादेवेंलेवेंजोसुजान । सौदाहांथहीकेहाथयेहीनाथ जूकीबान ४। ४ सीतापतिकहेतोरीपतिरहिजाईरे। जिभि यातूएतीसीखचीखज्योंमिठाईरे ॥ नयेनयेपापतापजो व्यापेसोउसबआपहिआपनशाईरे १ सबअपराधअगा

धबिलैहैं साधुनमेंहोइहैतोगीनितहींदढ़ाईरे २ जिमिकुव
रनसुवरनघनतायें कुंदनबनायेचमकतचहुँराईरे ३ ति
मिरघुनाथगाथनितगाये भजनखटाईसनासिटिहैखोटाई
रे ४ । ५ सीतापतिरटेकटेआपातिबिशेखे॥सीधीसीधीजु
गुतिकरेनकेहिलेखे । मेहनतिकरकछुकामहुनाहीं प्रभुर
तिचहतजपतकररेखे १ केतेपरितापीपापीआपीआप
तरिगये भयेबहुव्यापीनामजापीजगदेखे २ जपतमरा
मरालहेउअमरपद रामनामकेजोकामकोउनपरेखे ३
नाथसाथहितभजतनकबहीं ठगतफिरतजगसाधुनके
भेखे४।६ अबनबनीतोबनीकौनेपनमें ॥ लरिकाइखेलखे
लाइमेंगँवाइरेसारीतरुनाइकोबिताइतियगनमें १तेरअ
धेरपनाघरकाजैंकहतअबहिंतौअबेरभजनमें २ छाईबु
ढ़ाईतबौंनहिंसूभीरघुराईजूकीनभजाईहैसपनमें ३नाथ
केकबौंगुणगाथनगायेहाथनआयेकछुरहिदुरजनमें४।७
तोसेनकहीतोकहीकौनेजनसे ॥ सुनियततुहींतीनोंलोक
केठाकुर तोहिंतजिकहौंकौनेधनीगुनीगनसे १ चिन्ताम
नितजिहेरतकचमनियाँ चन्दाकीचँदनियाँनहोइतारा
गनसे२अमितअमृततजिचाहेचितमाहुर सिंहकेशर
नतजिहितकुकुरनसे ३ नाथहाथकवनहुविधिपकरहु
नाहींअबहाथधोवहुनिजपनसे ४ । ८ ॥

—०—

धनुर्यज्ञमोहराष्टक ॥

आजजनकमहराजके राजतमखसखि। सुफलकरहु

दोउअँखियन सखियनलखिलखि ॥ धनुषयज्ञविचरन्न सकलसुरनरमुनि । सीयस्वयंबरशुभवरआयउसुनिसुनि ॥ देशदेशकरनृपवर सुरवरनरजहँ । बदलबदलनिजभेषदेखअसुरहुतहँ ॥ नृपअनुशासनआसन दासन सबदिये । उचितउचितचितहितयुतअतिआदरकिये ॥ अंचनबिचकंचनकरवरआसनइक । मुनिनाथहिदोउआतहिबैठारेउनिक १ सहितसनेहबिदेहजूभाटबुलायऊ । पनआपनहितभाषनभलेहिंबुझायऊ ॥ बंदीजनप्रतिजन प्रतिअतिपुलकिततन । भुजउठाइसमुझाइबुझाइसमाजन ॥ यहशंकरकरधनुबरजेधरभाँजई । जानअजानहुजानकीतेहिबरसाजई ॥ सुनिसुनिगुनिगुनिनिगुनिहु भूपति धायउ । तमकिचमकिधनुपरसहिंनाहिंटसकायउ ॥ जेमेहमानसुजानसेदूरहिंतेलखि । नाथहिहाथहिंजोरिसोरिसुखपतिरखि २ जनकठनकयुतबचनहिसबहिंसुनायउ । आहिमहिनहिंकोउबीर धीरनतुजायउ ॥ घरहिंजाहुसबकाहुलाहुयहकाहुन । हमरेजानअजानसुजानहुपाहुन ॥ बैदेहीकरब्याहचाहनहिंविधिवर । बरुरहेंबारिकुँआरिआरिलहिंकछुडर ॥ अनमनमनभयेलछिमन बचनरचनसुनि । बालनलोधसक्रोध कहतचुनिचुनिगुमि ॥ किंनरघुनाथकेसाथ कुरुखमुखखोलेउ । जनकसनकबसअनरस कसअसबोलेउ ३ जौंअनुशासननाथके नेकहुपावहुँ । जन्तुतन्तुसमसाँचेहु फूंकिउड़ावहुँ ॥ जगतउजागर आगर शीलकेसागर । रामसकलगुनधामकामप्रदनागर ॥ प्रभुनिजअनुजहिंतुरतहिं नैननसैनन । हेरेउफेरि

लेरेउ बोलेउहिलसन ॥ आनन्दोउदकवानहु आनन बोलेउ। सूरदसूनचकितचित जितनिदितबोलेउ॥ कौशिकहीनिकलगेउ जनकलजायउ। शनिनकौहेरानिन नाथकुरायउ ४। ६ कौशिकनिकवानीसन कहेउसुराम हिं। तनिकनलावहुबेर हेरनिजकामहिं॥ सुनहुरालगु नरान कसरिपुचापहिं। तूरकरहुसवदूर जनकपरिता पहिं॥ निजहाथहिरघुनाथजू धनुषउठायउ। तीनखंड करिडारेउ केहुनलखायउ॥ घोरशोरचहुँओर मेघघह रायउ। जयतिजयतिनतिसाथ भुवनभरिछायउ॥ स मनजननन आनँद सूढ़नकेमन। नाथसाथकरसमर सीबलैहोंठन॥ संगसहेलीनवेलीसीअलिअलबेलीसी। जनुकिगुदनकोसिंगार सँवारसकेलीसी॥ मानसहितजा नकिहिं अलीसबलेचली। सकलसभामनमोहिनि सो हिनिर्मिभली॥ दारीवदरीदरीकीसी मंडपनमसम। ज नुकदेपूरनचंदकिरनयुतचमचम॥ प्रभुहिंडालजयमाल देहालपरसपर। वरसावतसुरसुमन जयतिजैजैकर॥ ४। ३२ करजयमालविशालसे फविकविरीवसी। ना थकेगावतगाथ शगरसनींवसी॥ धनुषभंगसुनिभुनिवर परशुपतंगसे। रंगभंगकरिवेकहँ आयेकुरंगसे॥ अंग अंगवरफरकत जंगकरनहित। फरसाकरधरचोख जरो खचपलचित॥ कूरकुटिलखलहरषेउ भलनृपडरपेउ। तातसहितकहिनाम प्रनामहिअरपेउ॥ आठोदेहविदेहजु आयनवायऊ। सियकरशीशभुँकाय अशीशदिवायऊ॥ सबसखिसंशयमोच शोचपितुवरतजे। लखिभृगुनाथ

हिंकुपित कँपितसबनृपमजे ७ मुनिबरठनकजनकस न बचनउचारेउ । दृगविशालअतिलाल कुठारसुधारे उ ॥ कहतकहागंभीरमीरबीरनकर । नतहोइविधिव तबरनेउ जनकनृपतिवर ॥ कौशिकतिकउतआयउ मि लेउमुदितचित । बोलेपरशुप्रचंड खंडधनुलखितित ॥ जेशिवधनुषअनुषदले तेममरिपुसम । सहसबाहुसम बाहु तासुकाटबहुम ॥ लाखनवचनलखनलखिमाखन तेंकहे । सैनसाथरघुनाथकहे तबचुपरहे ४ । ६ युग लहाथरघुनाथजूजोरेआयउ। अतिनतिसाथवचनवरमु निहिसुनायउ ॥ यहअपराधअगाध भयउकोउदासतें। कीजियजियजोइभावहि खासहुलासतें ॥ कीन्हेउबाल कुचालजे क्षमियमहामुनि । लालनपालननयोग भोग युतशिशुगुनि॥मुनिनिजधनुदियेरामहिंअबहिंचढ़ावऊ। तबजानबमनमानब प्रभुमहिआयऊ॥ छुअतटुरतधनु चाढ़िगये नतियुतमुनिगये । जैजैजैरघुनाथजगतधनि धनिनये ४ ॥

रासपंचरत्न ॥

चंचरीक ॥ वृन्दावनघनमझार झारफूलफलसुडार नन्दकेकुमारमार मूरतिगतिनांचे । सुन्दरयमुनाकिनार नारनदअनँदबहार थलविहारदेखिहार नन्दनवनकां चे ॥ राकाशशिनिशिविकास ब्रह्मकेप्रकासभास ताराग नसारानिजमायारचिसाँचे । वनचरनभचरसुवासचहुं

दिशिनिशिलासिसुवास द्दाहीतियहियहुलास रासखास राँचे ॥ थलकलोलरचितगोल दूजोविधुजनुअडोल फटिकवेदिकाअमोल मंजुलमनिखांचे ॥ झुमरततिततलता छाहँ घुमरतरततियनिमाहँ बिचबिचगलबांहनिजअनूपरूपजांचे ॥ धुधुकटधिधिकटधिलांग धिटिकिटिधाधाधिलांग तिटिकिटिकिरतालताल रवविशालमांचे । तीनग्रामसप्तसुरनमुर्छनइकईसबरन ऐसेतालकौनजौननाथसाथवांचे १ खम्माच ॥ यदुवरनिरततताथेई । थेइथेइथेइथेइथेइततत्तात तत्तत्थेइयाथेई ॥ झननन् झननन् छननन्छननन् रुनुझुनुरुनुझुनुनूपुरसुहात झमूझमूझमाक छमूछमूछमाक छमछिरछिरछेई । गतिरंगरंगबाजतमृदंग धुधुकटधिधिकटधाधाधिलंग धुक्कटधिंटिकिटिधिटिकिटिधिलांग किटिकिटिधाधाथेई॥ गाधीमुखगाधीमुखकुण्डकुण्डकिणकिण बजंतबीनअतिगतिलीन तिटिकिटितिटिकिटिकिरतालतालअतिहीउताल गतिदेई । युगजोरिहाथसखियनकेसाथ गावतहैंगाथप्यारीकेनाथ केकीकलापधौंइन्द्रचापऐसोमिलापरसलेई॥यदुवरनटवरबनिनांचे।थेइथेइथेइथेइततताथेइथेइताताथेइयातताथेइयाथेइयातताततततत्ततततततत तत्थेइथेइपटतारतारपगजांचे १ झमझमकिझमकिछमछमकिछमकिछमछमछमछम् झम् झम् झम झमझनन् झन् झनाकछनछन्छनाकनूपुरपुररवअसमांचे झुनुनुं झुनुनुं झुनुनुं झनाकछुनुनुंछुनुनुंछुनुनुंछनाकसननंसननंसननंसनाकमंडलसेरेखजनुखांचे॥झुनुझुनुछुनुछुनुघुटु

रुनुकेनांचलोटनकपोतदंगहोतजांचलक्काकीभांत पक्षा सुहातश्रसनाथसाथगुनसांचे ४ संगीतगीतनटगावै। ताताथिन्नातातान्निाथिन्नातताथिन्नाथिन्ना तताथिन् ताताथिन्थिन्तताताथिन्ताता ताताथुन्नाताताथुन्नाथु न्नाथुन्नातालाथुन्गातिनवीनउपजावे १ धुक्कटधुमकटधु धुकटधा धिलांगकिटकिटधाकिटकिटधाधाकिटधाधाकि टधा । धिटिकिटिधिटिकिटिधाधिलांगधाधिलांगमुख परनमृदंगबजावे २ ताताधिन्ताताधिन्धिन्ताताधि न्ताताताताधिन्नाताताधिन्नाधिन्नाधिन्नाधीन्धीन् । ता धिनाधिन्ताधिनाधिन्धीन्ताधिन्धीन्ताधिन्ढोलबो लसिरजावे ३ तिटिकिटितिटिकिटिकिटितिटिकिटिलि टिकिट्किट्ताकिट्किट्ताकिट्ताकिट्ता । किटिकृताकि टिकृता ताकिट्ताताकिट्ताकरतालनाथचटकावे ४ च लुरँगरँगरँगहरिगावे। तानादिरतानादिरदिरदिरदिरादि रतानानाना दिरनादिरनानादिरनानादिरनादिरेनादिरे नानादिरेनादिरेसारीगमश्रगमबनावे १ नूम्तनूम्लन् म्रतानानूम्रतानानूमूनूम् तानानूम्ताना नूम्ताना नाना नाना । तननूम्तननूम्नूम्तननननन झुम्झूम्उपज उपजावे २ सारीगमपधनिनिधपमगरीसासानीधमनि निधपसपमगमनिधनिनीसानिपधधपनिधप धपनिध निपनीधातीयहीयहुलसावे ३ निसासानीनिनिरसरस निसरनिनिनीनिधपनिधनि पधमपधमधीधीनिनिनिनि धधनिधधधानिनिनिनिधिपधनि नाथविभेदबतावे ४।५

गजेन्द्रमोक्षपंचक ॥

राग खट ॥

इन्द्रद्युम्ननरपतिसुरपतिसमयदुपतिकेइकभक्तभयो। सतयुगरसमेमलैपरवतपैसवतजिकैतपहेतुगयो॥जितह रिभजनयजनमेंबिरम्योऋषिअगस्त्यतितआयपयो। लख्योनकछुपरख्योनृपमुनिकोतातेऋषिवरकोपकयो॥ तुवमतंगलसमअंगनडोलत होमतंगमुनिशापदयो। हा हाखायधायनयविनयो किमिईहैतनफेरनयो॥ पैहोपर सपदवहपदताके जाकेप्रेमनेमउनयो। सोईभयोगज ग्राहग्रस्योजेहितेहिनाथहिनिजधामलयो१॥ दंडक ॥स र्वगन्धर्वकोएकराजारह्यो । हेतुजलकेलिकेगयोजलहे लिके डूबिकेमुनीदेवलहिकेपगगह्यो ॥ नामहाहाहुहूकि धोहाहाहुहूतियहिंपरिहासहितहासअपनोकियो । ध्या ननिजईशकेध्यानसुमुनीशके आनजलबाहरहिंहँसत लवकोलख्यो ॥ बोधकरिशोधकरिक्रोधभरिऋषिकह्यो अरेहमतोडरेग्राहकोउपगधरयो । तासुगुनिपापमुनि शापदीन्हीतुरत जाहतोहिंग्राहतनलाहकैहैकह्यो ॥ ह्वै यलयविनयनयसाथवानेकियो तासुउद्धारनिरधारमुनि असकथ्यो । कबहिंजेहिपगुधरेहु त्यागजानितेहिकरेहु कह्योसोइग्राहबनिनाथहाथहिंतन्योर ॥ ठुमरीलखनऊ॥ जलकेलिकोहेलिगयोनदमें इकबारगयंदअनंदभरे ॥ परिवारसमेतविहारकियो इकग्राहउग्राहतेपैरधरे । भ रिजोरकरोरउपायकियो परिवारकोहारपुकारकरे ॥ पति

वारनहींकेउबारनकेगजपेचतखैंचतहारपरे । गजडूब तलाथहिनाथभज्यो इकबारकह्योप्रभुपाहिहरे ३ गजटे रकोहेरनदेरकियो प्रभुनाँगेहिपावनतेनिकरे ॥ गजटेर मेंबेरलगीसोलगी प्रभुकोनअबेरज्योंवाहीखरे । निज जानकोजानबिसारदियो प्रभुधारसुदर्शनवारकरे ॥ नद तेइकसंजुलकंजलिये गजशुंडलपेटकोभेटधरे । निज रूपअनूपसथाहधरे विनतीकरिनाथकेहाथतरे ४ गति ग्राहकीचाहकरीहुकरी प्रभुकीविनतीनलितेअतिहीं । पतिराखहुमोरिहुश्रीपतिजू मतिश्रौरकरौहमरीअतिहीं॥ निजपापतेशापकेतापतपे प्रभुआपगुनीजियकीरतिहीं॥ अधमोंकेउधारनकोप्रनजो तबवारनहूँकीकरौगतिहीं५

बहारपंचरत्न॥

अमवनअमवनबोलेकोयलिया फुलवनफुलवनगुं जेअलिया । मानोकहतसँदेशवामितवाकोदेखोठहरठ हरबोलेप्यारीबोलिया ॥ डरियनडरियनबोलेलपकिफ पकि निजरंगसेसोचावतसांवलिया । छनछनछिपिछि पिछेड़ेछाड़े सखिनाथकेसाथकोहैछलिया १ कलियन कलियनअलियनकीझपट । पतवनपतवनजोबनाउम गे डरियनडरियनमेलुनाइकीजमट ॥ बनबनबनबनन वरंगलगे खेतवनखेतवनउमगेमघवट।सखियनकीलप टनिजपियहियेरतिनाथकोतननतनमेरेदपट २ मेरोउमँ गिउमँगिउठेबालाजोवना।सखिआंउनसेजोबनासोबना किमिहोइहैंविदेशअँदेशयही जियमोराघुमिरहाविरहा

केजोवना॥उनबिनदिनदिनछि[illegible]केनासदना केजवनातवना । बिनुनाथदेखेयाहियाकलकेंअसकै घासवाकरघोरतना३ फलफूलनफूलनाहिंपरैआँखियाँ। वस न्तलवसन्तकीहैरतियाँ ॥ तरुवरतरफरतपरतपतियाँ। सुधिआवैनिजप्रीतमकीपतियाँ ॥ पीकहाँपीकहाँपपिहा जोरटै नहटैसारीरैनकरैघतियाँ।सबसन्तअसन्तवसन्त रचैंकलकन्तकीनाथकरीगतियाँ ४ उनबिनदिननदिनव हैंअँखियां। रतियांछतियांनसुखेसाखियां॥ बिरहाकरधा रचपारवहे धिरजाकेकरारकदेपतियां। मनकेजोउमंग तांगघने नुरछासोइचादरकीभँतियां॥ घुमड़ीउमड़ीसी लसैदहियां सोइभँवरीकीभईगतियां । निजनाथकेनाँव सोनावसई याहीइकजीवनकीवतियां ५॥

ग़ज़लपंचरत्न ॥

सुनसखीहरिचन्दकोचइमैंचकोरोंनेचहा॥अवबहीसे यादवनकर क्याबिरहिनीकोदहा। देखतेहीचन्दअसली रवअलीअकसरजली यहतोबिनदेखेसदा दोचन्दबि रहिनकोडहा १ दूजकेहरिचन्दसेहरचन्दयहमैंनेकहा। आपदाहरिचन्दसीमेरीनक्योंतुमनेदहा२ चन्दरोज़ीचां दनीयहतोतनीहैशानसे। मेरेतोब्रजचन्दकेसायाकाढल सबदिनरहा ३ चंदकलसानाथसेतूकहदेजाकेऐभँवर। अबतोहंमदहचन्द हरदुखियोंसेदुखनिसादिनसहा ४। १ सुनसखीयहश्यामका पैग़ामवरभौंराहुआ। आवनू सीरंगजासूसीकाअबदौराहुआ॥ सबबिरहिनीकेजिगर

से आहकाशोलाउठा इसलियेइसशोखकाफिरका वद
नूखौराहुआ १ बिधगईकांटोंसे आंखेंकेतकीकोजी
तकी । तौभीमुँहमोड़ानछोड़ा गोवदनूखौराहुआ २
श्यामअम्मृतकीनजर इसपरजरासीफिरदी । इसकेदर
नाजुककमरपर रंगकुछधौराहुआ ३ छोड़करसाराऔं
देशा सुनसँदेशानाथका । भोगतजकरजोगलीजेब्रज
मेंयहहौराहुआ ४ । २ उसबुतेसंगीपैलहरेएकजोड़ा
साँपका । क्याशिवालेमेंजोटहरेएकजोड़ासाँपका १ प
रीशाँहोवोपरीरू समेटेजुल्फैंदुता । मारपड़नेसेजोदहरे
एकजो० २ शोलयेज़हरीकोलेनेमाहँसेआबेहयात । फ़
ल्कमेंभीजाकेठहरेएकजो० ३ किसअदावोनाजसेजुल्फैं
कोजोऐंठेवोशोख । शाखसन्दलपरजोछहरेएकजो० ४
सब्जयेरुखसारपर जुल्फैंहैंजोड़ासाँपका । रहगुजरपर
किसनेछोड़ा जहरेजोड़ासाँपका ५ लालयेरुखसारपर
गेसूकेहैक्याहीबहार । हुस्नकीदौलतपैबैठे पहरेजोड़ा
साँ० ६ पिस्तयेदोहरेजहर मोहरेलगेजोहाथमें । इसलि
येपकड़ेहैंगहरेएकजोड़ासाँ० ७खाकेवहपेचावोबलछल
कैहैकानोंकेजोपासानाथसाकुंडलहैपहरे एकजोड़ासाँ०
३ । ८ यहआपकेलबोंपै जोमिस्सीसीछाईहै । रंगतह
मारीआहने इसपरजमाईहै १ आमेजरुयांहोसुर्खयहैल
बुजोआपके । जामनकीइसमेंसाफहीलज्जतसमाईहै २
शीरींकामजासिर्फरक्मीबोंकोहैनसीबबन्देकोदोनोंएकसी
तुर्शीमिठाईहै ३ फ़क्रहोगयाहैरंग शफ़क़केनकाबका ।
जबसेंहुसारेमाहने मेंहँदीलगाईहै ४ घटताहैनहींजोर

दिखेनाथवांकाश्रब । जबसेतुम्हारेइश्ककीनाजूनखाई है ५ अबतुहर्थीठहरीमेरी अन्नूकोदेखकर । तनशीख ह्रश्वतेमेरेपैआजमाईहै ६ आशकभीनाथबनगयेतेरी तिराकमें । क्याधूमतूनेइश्ककीऐसीमचाईहै ७ । ४ दा नीहोवनेंदीनकेतोदानयहीदो । दर्शनहोतुमारासदाऔ घ्यानयहीदो ॥ मंदिरमेंयहमुरादजोपूजाकरेंहररोज । चू मकरूंकदमोंकोमेंअरमानयहीदो १ हाजिररहूंखिदम तमेंतेरीसुबहसेताशाम । सिजदाकियाकरूंसदाफ़र्मान यहीदो २ जोकुछकलामनिकलेवोआपीकानामहो । ग रनामहोतोआपकाफ़र्मानयहीदो ३ जोजानमालतुमपै सदकहोवहहो क़ुबूलटुक्एकनजरदेखियेयहसानयहीदो ४ कुछकामहोतोनामगरीबोगुलामहै । आसीकोपुकारा करोहरध्यानयहीदो ५ हाथोंकेदोपाँवोंकेदोबोसेयहीदो दो इनहिजकेगरहनमेंमहादानयहीदो ६ ऐवुततूजरा आँखेंजरासुहँभीतोखोले । सौबारनएकबारतोआसान यहीदो ॥ बुततेरेसिवानाथकहींहाथनजोड़े । काफिरका होनसाथकधीशानयहीदो ७ । ५ ॥

जगन्नाथाष्टक ॥

महाराजद । भजन ॥जगन्नाथनाथनकेनाथतुम केतेअना थसनाथकिये । दीनमलीनलीनतनहीनहुँ भयेपीनजि मिअमृतपिये १ अवसबरंकनिशंकपरचिरचिधायधा यवरत्नसेदिये । जाकेधामठामनहिंनेको सोऊधामतजि आयजिये २ अटकापरअटकारहैसबही सवअटकाव

मिटायदिये । अनायासबिनुप्रयाससुन्दर पकीपकाईपर
रसिये ३ जानबूझप्रभुवानधराये डोरलगायेखैंचलि
ये । अतिअखुतायथकायनाथगये तातेंघोरकठोरहि
ये ४ । १ जितहितबस्तुउड़ीसागेतित उदितउड़ीसा
नामपरो । जेंहिथलमलनहिंनेकबातजल तेहिकोबरनन
कहांकरो १ जितव्यापितगहवरबनसागर कितलगिभू
रिदूरिपसरो । हाटबाटहूअतिनिचाटसम डगरबगरस
गरोबिगरो २ जहँलगिलेशदेशसीमाँको तहँलगिजगि
कलेशअखरो। पिस्सूमँसाडँसादलदलदल सबथलफल
ऐसाहीधरो३गूरनजूरतबेखजूरलेजोहजूरकेमनहिंभरो।
नाथसाथबसिभोजनव्यंजन केवलमडरीभातखरो ४।२
अपनेजानआनप्रभुबैठे निकटबिकटदेशनतेही । भूरि
धूरिपूरितअगनितदुख सुखपौरुषनरहतदेही १ बर
खाबिचकरखासममाटी ग्रीषमविषमलोहसेही । यात्री
संकुलआकुलव्याकुल ऐसेअगमपंथमेंही २ चिउराचा
वलकेलानरियल जोविशेषउत्तविषतेही । दूधदहीको
स्वादनहींकछु फूलफलहुमानहुखेही ३ जातिपांतिरा
खीनकिसूकी एकभांतिजेहीतेही । ताहूपैपीछानहिंछांड़
त जेनिजनाथसाथनेही ४ । ३ सुखदुखओढ़िउड़ैसा
बैसा ऐसाठाकुरसन्तबना । हाथपांवइकसाथकटाये
मौनरहेपररहेतना १ गुपचुपछुपमंदिरमेंबैठे किसी
कानसुननाकहना । सुकृतिनकोदिनदिनदर्शनहै पा
पिनकोवोभीसपना २ असलनकलओभलेबुरे में दख
लनकुछदेनाअपना । आमिषआहारीनरनारी पाप

पुन्यसबएकसना ३ ज्ञानपानकाकुकर्मनहिंजूठ मीठकुछनहींमना । जगन्नाथनाथनकेनाथवल कहाकों नयहसाधुपना ४।४॥ झँझौटी ॥याचकतेजनुजीवबचाई । अनुमानेजानेप्रभुऐसे इतनीदूरसकैकोआई १ भूरिदूरिपथपूरिधूरिते तूरिमोहमायाकहँजाई । यातेदूरद्वुरायआयप्रभु मौनलायकरमनहुँलुकाई २ ताहूपैमंगनसंगनछोड़त मुखमोड़तनालियेपिछुआई । रचेपचेपरचेयाचकजन जोपाचकविनभोजनपाई ३ गिरतपरतल रखरतप्रेमरत सदावरतलेगुजरकराई । धक्काखाहिंप्रेमम‌हँपक्कालक्कड़परदैनाथदोहाई ४।५ प्रभुनलगीतुमरी चतुराई। मंगनकेडरतेहरिकंगन धारेनाहिंबरुहाथकटाई १ करनपरतआसनदासनघरतातेपावनपांवविहाई। वरअनुचरहितवरदेवेको मौनभयेमनौगौनजनाई २सादीचालगादीहूनाहीं ठकुराईतजिभगलबनाई। भारीमंदिरअंदरबैठे चौकीचारुचक्रबैठाई ३ दारुरूपभारीकुरूपलसिरंगविरंगअंगरचवाई । तवहूँनहिंनाथहिकोउ छांड़त तकिकेतकिमधुकरकितजाई ४। ६ मैंजगदीश दीसनहिंआली । मनवचकरमधरमयुतअदभुत चिंतितनितजेदाससुचाली १ बीसौंबीशईशदरशनहिं तआवतचितनितखामखयाली । जगजंजालजालमें उलझेसुलझेतोफिरहोयनिकाली २ कैसहुदोखीहोय कुरोखीचोखीप्रीतप्रभुचाहतखाली। बालयुवाअरुवृद्ध निद्दसम डोरलायप्रभुखेंचतहाली ३ चाहकरेनहिंकोऊ राहमेंसुखीदुखीहितहूकहँटाली॥ ताकरनाथहाथनिजसे

वन बनविचकरतसदारखवाली ४ । ७ पापनकोउञ्च पनोपहिँचाने । पापछुटेबिनतापमिटैकिमिइमिजगजन सबरहतभुलाने १ ताकरभेदखेदथोरहिमें संतमेतफल लेतजोजाने । भुक्तिमुक्तिबिनुयोगयज्ञलासि जोअस सहजयुक्तिजियआने २ प्रभुकेदरसपरसपापिनकोहोत नहींतबहींविलखाने । घरनादेहिंठानिनिजमरना अघ अपनेसपनेविलगाने ३ प्रभुनिजदेतबतायउपायहिं सो सबजायकरैहठठाने । तबअनाथकोनाथबनावत जग न्नाथफलदैमनमाने ४।८ ॥

सुदामाष्टक ॥

भैरव ॥ कहतसुदामातेवरबामा जैयेश्यामाश्यामघरे। जौंपतिनिजपतिराखनचाहौं तौयदुपतिकेशरनपरे ॥ जिमिवारिदकोवायुउड़ावत तिमिदारिददुखदूरि करे । यशुमतिसुवनस्वामित्रिभुवनके औरनतेंनहिंको जसरे॥घरघरकेघूमनहूंतेपिय हियनभरेनतुउदरभरे। असनहीनअरुवसनहीनअति जीरनपटतनदेखपरे ॥ नरतनकोएकोनहिंबरतन घरटूटेफूटेउजरे। करकरवाको पीनहीनतन कटेफटेपटटूकसरे॥ मनमलीनअद्भुतनवी नद्युतिदारिदवारिदरूपटरे। महाभूलअबधूतसीदहीता परपंचभूतबिगरे॥दीनमलीनछीनतनतनहैंबडे़२सबबा रभरे।लीखदीखमोतीसमपोहीबारबारबहुजीवभरे॥ ब्रा रीभोरीसीतुमगोरीक्योंबरजोरीटेकधरे। ज्ञानध्यानकछु आनातिहारोसूझअसूझनबूझपरे॥ कहाँब्रजराजरांजरा

जनकेकहाँकिकघोरंककखे ॥ नाथनाथकिसिधातकरैगे चीन्हैंगेकेहिभाँतहरे ४।५।१॥झंझोटी॥द मल्लार॥ प्यारीसुन्दरसीखतिहारी। नींकसीखपैभीखमांगते कैसे जाऊँकहाँऊँचनारी॥ नहिंजलपानपानभाजनहूँ भोज नहूँकुछनाहिंबियारी। मंजिलमाननथर्नजनकोहैं तापर भूखहूँखसतिमारी॥ भूरिधूरिपथदूरिद्वारका आतपतप नसघनेदुखकारी। तापरअसनवसननाहिंनेकहु खरच दरचकछुनतयारी॥ द्वारपालयहहालहेरिकै किमिक रिहैंहमरीपैठारी। वहद्वारकानाथनाथनके कंकरंककीकौ नचिन्हारी ४।२ तियपियकीसबकीन्हतयारी। गरुड़ यानकेपासजानहित बितभरिउचितवस्तुलैसारी॥ मृं ठुलम्ठुलतंदुलकेकनघन इतउततेलाईचुनिनारी।जा दअरेसपरोसपाँयँपरिफटेफटेपटलायसँवारी॥ निजहा थनतेंसीयपीयपट धोयधायघनपेवनडारी। ऊरधअधो वलयुगराचे खींचेपाटलपीतकिनारी॥ लुटियाछोटील कुटियामोटी तनतनचन्दनकीन्हरेघारी। जटाजूटलट छूटहियेलगि दाढ़ीबहुबाढ़ीछबिवारी॥ पोटछोटलुटिया देगठिया वालब्रह्मचारीद्युतिधारी। अशरनशरनहरन निजजनदुख नाथगाथगावतपगधारी ४।३ श्यामा श्याममुदामासुमिरत गिरतपरतद्वारावतिआये। धौरी भूरिभरीपावनमेंहरिपौरीपैआयसुहाये॥ द्वारपाललख तहिंदयालकैहरिजनजानिमानिठहराये। याँचेनानथा मद्विजवरके यदुवरकेभटखवरजनाये॥ रुकमिनिपास सारपासहिहरि बिहरिरहेतेहितजिभजिआये। हियहुल

सायलगायधायप्रभु जिमिजनकोऊगयेधनपाये ॥ पाव नधूरितासुपावनगुनि ठनिकैहरितनतनहिंरमाये। द्विज वरसाथनाथधरिहाथहिं रंगमहलमेंचुहलमचाये ४॥ ल खनऊकीठुमरी ॥ द्विजपावनकोपहुंचावनको प्रभुनाँगेहि पाँवनतेनिकरे। निजयानमँगायचढ़ायदियोहारि लाय हियेअतिअंकभरे ॥ करुणानिधिजूकरुणाकरिके धरि केदोउमीतगरेसेगरे। जिमिहारिलकीलकरीपकरी तर आंसुकरेकपरेसगरे ॥ दोउआपुसमाहिंविदाजोकरें नतु नाथटरेनतुमीतटरे ७ कितगइरेमोरीराममड़ैया। कित वहडगरबगरकितनगरहु कितगयेरेमेरेलोगलुगैया ॥ यहअभिरामअरामधामवर हाटबाटअरुतालतलैया। कछुप्राचनिचन्हिनाहिंचीन्हत कौनउजारेउजारपुरैया॥ सुनिदौरीपतिकीमतिबौरी दामाकीबामासुखदैया। कर पकरतआरततेबोलत हौंपरनारिकबौंनछुवैया ॥ हौंचे रीतेरीसुनमेरी फेरीगतितुवमीतकन्हैया। नाथहाथधरि महलहिंलाई अधिसिधिपुलकाईद्विजरैया ८॥
इतिश्रीसुदामाष्टकम् ॥

आरतीपंचरत्न॥

आरतिहरतियुतराजकुवँरकी॥ सीताअनुजसहितरघु बरकी। मंजुलमृदुलनीलनीरजछबि सोनजुहीचंपकद्यु तिधरकी १ स्वर्नसिंहासनपैकमलासन बीरासनबैठन सुरवरकी। करदकमरकरवालढालकर कसतरकसफब पीठसुघरकी २ कान्हेकमानबानकरसोहैं मोहैंमनहांसी

मृदुतरकी । आरतिमातुउतारनिवारति गावतिसुंदर धुनिमधुकरकी ३ जगमगजोतिहेतिलगलगदन छवि अनेकमानोरतिवरकी। भूपनसुमनसुमनतेसाजे शमन शोकछविनाथसुघरकी ४ आरतिश्रीब्रजराजकुँवरकी। मंजुलमृदुरूयुगलछविधरकी ॥ उतहैमुकुटलकुटमानि कके इतमुकुटीलकुटीगुड़हरकी १ उतपटपीतपीतधा रीयुत इतसारीकारीफुलवरकी। केसरखौरगौरमुखवेंदी मेहँदीद्युतिदामिनिजलधरकी २ उतमनिजालमालमो तिनकी इतगुंजावनमालसुघरकी । उतकंकनकिंकिनि धुनिसुनियत इतनूपुरपुरहंसकुवँरकी ३ मुरलीरलीमु खएकपरसपर बांकीसीझाँकीनटवरकी । नाथसाथकुं जनकीछाहीं परछाहींछविअतिरतिवरकी ४ ॥

नवीनरचना ॥

काफीहोली ॥ नागरीकिधौंनागरीआली ॥ घूंघरवारेअ लकछलकारे जाकीचालनिराली । लालगुलालनतेक रिडाली कालेतेलालकराली ॥ चुटीलेविसलेविसाली नागरी० १ तापरतेमौंहैंदोउसौंहैं लाललालछविवाली। मानोलालबिछूकरजोड़े छोड़ेनिगोड़ेनखाली ॥ बड़ेगाढ़े विषसाली नागरी० २ लघुबिछियाकीआड़सीआड़ेरो

रीऋाड़कीलाली । दूनहिदूनखूनभरी मानहुनेहिनकी हियसाली ॥ लालतेनीकीहैकाली नागरी० ३ होरीमें यहमोरीसीगोरी सबपैठगोरीडाली। नाथहाथयाकेबचे रहियोजौंचहियोखुशियाली ॥ नातोजियरा कीजवाली नागरी०४। १॥अन्यच॥सांवरोबावरोभयोमाई॥ रावरो सौंहमोंहदोउअँखियनसखियनतेमटकाई।एकसेएकअनेकनचालन चितवनगजबबनाई॥करेअँखियांकीलड़ाई। सांवरो ०१ सदमातीरंगरातीअँखियांतापैसुरखियांछाई। अंजनकोरेंलालसुडोरें लालहिलालदुहाई॥कसतकसमनवरिआई॥ सांवरो० २ डगरबगरगलीनगरनमानेजहँकोउजानेलुगाई । बरजोरीगोरीउरलावतगावतगारीचिलाई॥ करतऔरहुबेहयाई ॥ सांवरो० ३ जोकोउछोड़तहाथसाथही ग्वालबालघिरआई। चिमटेतलैयाकीनैयारीदैयायेनिरदैयाकसाई ॥ नाथपुनिनाचनचाई॥ सांवरो ० ४। २॥ ठुमरी ॥ आजकेसररँगबरसेरे । बेसरअपनीतुसम्हालबाल ॥ अबहींतोरीकोरीजनाय । गोरीतोरीसासदीन्हींगढ़ाय ॥ बिगड़ैपैबिगड़ैगीरिसाय। डरतोहिनघरसेरे ॥आजकेसररंगबरसेरे० १ घनलालगुलालनतेघिराय। चहुँओरभोरसांझहिसुहाय॥ बुंदियापिचकारीधारीछाय। मुकताबकदरसेरे ॥ आज ० २ सफकेसफडफगरजनजनाय। तडकनउपंगअरुचंगलाय ॥ तापरमृदंगघहरायआय। मोरिलाम नहरसेरे ॥ आज ० ३ मनिमुकुटलकुटदामिनिकीभांति । लसीलाललालपगग्वालपांति ॥ मानोबीरबहूटी

जातिमानि । नाथहिकरपरसेरे ॥ आज० ८।३ ॥ आजइकअँगरँगबरसेरे । तँगकैहोजोजैहोसँगकोउके ॥ आज० ॥ कुंकुमाघुमाघुमाफेंकेलाल । चहुँओरीजुमाजु नराखेरचाल॥काहैहैहसाँगुसाँकेरेहाल। बड़ेबड़ेत्रिपेडर सेरे॥ आज०१ दमकलाकलाकरिक्रोडैललला।दूरहिंतेलु काईमुकायेगला॥ कोउकैसहुतियसबलाचपला। तन ताकूकेनरसेरे॥ आज० २ तापरगुलालडालनकेडाल। अनीरअबीरदुकाहुडाल ॥ वासरकरडारतरैनचाल। कोउनिकसेनघरसेरे॥आज० ३ शिशुसाथनाथमदमाते भून। करेखोरीखोरीहोरीकेभूम ॥ मगगोरीलखेबरजो रीचून। गरहनसमगरसेरे ॥ आज० ४। ४ ॥ सोरठ ॥ ब्रजबालीबड़ेबेविसासीहो। प्रीतिजानेकहा॥ फूलनपान नलेतियआनन मीड़तकतकरिहाँसीहो। नहिंमानेकहा॥ ब्रज० १ वहियांमरोरतदेहियांभकोरत द्दुखिद्दुखिदेहह रासीहो। तापैबोलैंअहा ॥ ब्रज० २ मदनमतंगरंगभू मतहैं घूमतलखिलखिखासीहो। तनतनहगिहा॥ब्रज० ३ कारोनकारोसौंनहिंछूटकारो बाँधोतोबोलेबछियासी हो। नाथखावेहहा॥ ब्रज० ४। ५ पिकबैनीतोरीवेनी आज । तिरवेनीसीसुखदेनीछाज ॥ मौलिनतेगुथीगाँ थीलुहाती तापैकिनारीरुपहरीसाज ॥ पिक ० १ तापरलालगुलालकेसंगमय मनहुसितासितदेतदाँज ॥ पिक० २ पाटीपरिपाटीसोअैबैबटचोटी भूषनमाधो विराज ॥ पिक ० ३ नाथहाथहीहाथदेतफल यहभल निरमलतिरथराज ॥ पिक ० ४। ६ ॥ काफी होली ॥

आजसियाबरखेलतहोरी । इतचितचकितकुँवरवरचा तुर अतिआतुरघुरंगकमोरी ॥ उततियथुतसियठाँव दाँवले मुशलधारदेथकितकियोरी ॥ आज० १ तिर छौंहैं मौंहैंदोउसौहैं इन्द्रधनुखसुखरविछबिसोरी। भीन भीनभीसीलीभिर भिरपिचुकारीकीधारीकशोरी ॥ आ ज० २ चंगमृदंगकेगरजनतड़पन नाचेसखासखी मोरसुमोरी । जिगनगनबसननकेसितारेबक पंगतिञ्छ तिमोतियनकोरी ॥ आज० ३ करखाकीधुनिसुनिब रखारँगघनघोरीकरीराजकिशोरी । नाथसाथसियकेस नवारतलखिरसमूरतिसूरतिभोरी ॥ आज० ४ । ७ ॥ अन्य ॥ रामसियादोउखेलतहोरी ॥ एकओरसियाजोर तियागन भरभरगागरकेसरघोरी । एकओररघुराज साजदल बिमलरँगइकसंगबटोरी ॥ राम० १ होहोहो रीकरतधुनिघोरी बोरीसीदोरीहैंराजकिशोरी । लैअबीर रघुबीरसखासब बीरबेसझुंकिभोरीकीभोरी ॥ राम० २ छिनतेहिछिनगुलालकीझोरी मलिमलिबरजोरीमुख रोरी । कहतसुहागजागतोरीगोरी सुंदरसिंदुरदानदयो री॥ राम० ३ सीयपीयकरपीतपिछोरीछोरीमिलकोरीबर जोरी । नाथसाथसुतलेखदेतअतिलखिमूरतिसूरतिभ इभोरी ॥ राम० ४ । ८ ॥ होलीब्रजकीढफपरकी॥ कहुंदेखे होरीकैरसियाको । सुघरसलोनेब्रजबसियाको ॥ कठि नकठोरचोरचितकारो छांड़िभज्योनिजदासियाको । क हुँ० १ वहतोजातघाततेवाहींजहाँदेखेकछुलसियाको । कहुँ० २ सौहैंमौंहैंकमानतानके मारेनजरशरगँसिया

लो । कहूँ० ३ नाथसाथ[illegible]कन मानोल
गावेनलफैलियाको । कहूँ० ४ । ९ ॥

इति ॥

मुंशी नवलकिशोर(सी,आई,ई,)के छापेखानेमें छपा
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

इस ग्रन्थ में जितने राग के नाम दिये पुस्तकें छपी हैं उनमें से कुछ नीचे लिखी हैं ॥

रागप्रकाश

गड़ूमलंडी के राजामाधवसिंहसाहबबहादुर रचित बहुत अच्छे कल्याण खेमटा ठुमरी भद्दा आदि ईश्वर विषयक समय के हैं और इसमें सर्व रागों के प्रमाण भी हैं ॥

रागसंग्रह

कृष्णचन्द्रकवि रचित बहुत अच्छे २ राग हैं ॥

मनमोहन

नन्दप्रसाद मुदर्रिस रचित जिसमें समय के अनुसार उत्तमोत्तम राग हैं ॥

युगलविलास

रामसिंहजी रचित जिसमें श्रीकृष्णजी और राधाजी के विचित्र रागों में नानाप्रकार के विलास वर्णनकिये गये हैं ॥

लावनीवनारसी

अर्थात् मरहटी ख्याल काशीगिरि वनारसी परमहंस रचित जिनमें देवता और देवियोंकीस्तुति विशेषकर ब्रह्मकी उपासना ब्रह्मज्ञान उपदेश और हरिभक्तों के ज्ञानकी दृढ़ता के निमित्त श्रीकृष्णचन्द्रजीकी वालक्रीड़ाका वर्णन है ॥

शृङ्गारवत्तीसी

महाराजामानसिंहजी रचित ॥

भजनमाला

वावूराजकुमार देवनन्दनसिंह रचित इसमें उत्तम भजनहैं ॥

श्रीकृष्णगीतावली

मुंशीमहावीरप्रसादसाहब स्याहानवीस तहसील महाराजगंज रचित इसमें चुनेहुये और उम्दा २ भजनहैं ॥

नवरत्नभाष्य

बाबूश्यामसुन्दरलाल रचित जिसमें रासलीला के सम्पूर्ण पद और गाने के दोहे लिखेहुये हैं ॥

वीणाप्रकाश

तर्जुमा क़ानूनसितार भाषा कृत पण्डित प्यारेलाल, इसमें सितारों के ठाट, परदोंपर सीखनेकेलिये अंक, मिज़राब वग़ैरह की तरकीब, और बीड़ों के क़ायदे और अन्त में सब राग और रागिनियां भी पद समेत लिखी हैं जिनसे गानविद्या में बहुत ही जल्दी बोध होताहै ॥

बंशीलीलाभाषा

श्यामलालजी रचित ॥

प्रेमामृतसार

परमानन्दजी ब्राह्मण रचित ॥

साङ्गीतप्रह्लाद

श्रीनृसिंहावतार व प्रह्लाद भक्त का गानमें उत्तम चरित्र

इन्द्रसभा

अमानत व मदारीलालजी की ॥

बारहमासावेणीमाधव

इसमें वियोग का वृत्तांतहै ॥

मनमोहनी

बहापुरके अफ्सरसुदारील हफ़ीज़ुल्लाहखां संग्रहीत जिसमें जितनी राग आदिकी किताबें छपी हैं उनसे निहायत च चटपटी २ दोहा मिलीहुई ग़ज़लें और बहुत उत्तम उत्तम वाले प्रसिद्ध भजन, होली, ठुमरी, चौआसा, बिहाग, और दादरा और नानाप्रकारके दिलपसन्द मज़ेदार मनहरण व सोरठे कवित्त सवैया अपने शौक़ीन मित्रों के केवल दिल बह लानेके वास्ते लिखेगये हैं ॥